खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 06 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-6

मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने कहा

भारत की सुरक्षा को अपनी सुरक्षा मानता है मालदीव

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने शनिवार को कहा कि उनका देश भारत की सुरक्षा को अपनी सुरक्षा मानता है। उन्होंने यह भी कहा कि हम हिंद महासागर की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद शुरुआत में चीन से करीबी दिखाने और भारत के खिलाफ जहर उगलने के बाद मालदीव ने अब यू-टर्न ले लिया है। अब्दुल्ला खलील भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत के लिए भारत आए हैं। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ रिश्तों को हमेशा पहले रखते हैं। खलील ने संकट के समय मालदीव को आर्थिक सहायता देने के लिए भारत का आभार भी जताया। अब्दुल्ला का यह बयान दोनों देशों के सकारात्मक होते संबंधों को दर्शाता है। खलील 2025 में भारत आने वाले किसी भी देश के पहले विदेश मंत्री हैं। मालदीव की विकास परियोजनाओं में भारतीय मदद का उल्लेख करते हुए खलील ने कहा, क्षेत्र का विकास तभी संभव है जब भारत इसका नेतृत्व करेगा।

मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा, हम चाहते हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी मालदीव की

भारत-मालदीव संबंधों में बाधा डालने की अमेरिकी कोशिश की निंदा

आर्थिक सहायता के लिए मालदीव ने भारत के प्रति जताया आभार

यात्रा करें। उनका स्वागत कर हमें बहुत खुशी होगी। दरअसल, हम भारत को अपने दिल के बहुत करीब रखते हैं और यकीन है कि भारत भी हमें ऐसे ही देखता होगा। हमारा रिश्ता आपसी सम्मान व विश्वास पर आधारित है। हमेशा से हमारी नीति भारत प्रथम की रही है और हम इसको लेकर प्रतिबद्ध हैं। चीन के साथ मालदीव के संबंधों और चीनी पोत के ठहराव को लेकर खलील ने कहा, भारत से हमारे ऐतिहासिक संबंध हैं। संकट के समय मालदीव को सबसे पहले भारत ने मदद की। इसलिए चीन या किसी भी अन्य देश से हमारा संबंध भारत के साथ संबंधों की कीमत पर नहीं होगा। हम भारत के साथ रिश्तों पर कभी समझौता नहीं करेंगे।

मालदीव से भारतीय सैनिकों को बाहर निकालने के लिए चलाए गए आंदोलन पर खलील ने कहा, इससे मौजूदा सरकार का कोई संबंध नहीं है। भारत-मालदीव संबंधों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन सरकार द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को लेकर मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने साफ-साफ कहा, हम यह समझते हैं कि कुछ लोग दोनों देशों के रिश्तों में खटास पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन पोस्ट के दावे बेबुनियाद और सही नहीं है। ▶10 पर

फिर झूठी साबित हुई कांग्रेस की भगवा आतंकवाद की थ्योरी

नांदेड़ धमाके में 19 साल बाद निर्दोष साबित हुए 12 हिंदू

यह भी साबित नहीं हुआ कि धमाका बम का था या सिलिंडर का

एक भी आरोपी के खिलाफ कोई सबूत पेश नहीं कर सकी पुलिस

मुंबई, 05 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार के दौरान चलाया गया हिंदू आतंकवाद की शिगूफा एक बार फिर झूठा साबित हुआ। महाराष्ट्र के नांदेड़ में बम ब्लास्ट के आरोप में पकड़े गए 12 हिंदुओं को कोर्ट ने सबूतों के नितांत अभाव के कारण निर्दोष करार दिया है। यह सभी बरी कर दिए गए हैं। इनमें से तीन की मौत हो चुकी है। इन सभी को 2006 में कांग्रेस सरकार ने बम धमाके के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस धमाके में 2 लोगों की मौके पर मौत हुई थी। कोर्ट में यह साबित नहीं हो सका कि यह एक बम धमाका था या सिलेंडर अथवा पटाखों के फटने से हुआ हादसा था। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने अपने कुछ बड़बोले नेताओं के जरिए हिंदू आतंकवाद और भगवा आतंकवाद जैसा शिगूफा चलवाया था।

छत्रपति संभाजीनगर की अदालत ने वर्ष 2006 के नांदेड़ विस्फोट मामले में 12 लोगों को बाइज्जत बरी कर दिया है। इस मामले में 12 हिंदू आरोपी बनाए गए थे। इनमें से 3 की मौत हो गई थी। लेकिन बाकी 9 जीवित लोग 2006 के बाद से ही इस मामले में मुकदमा लड़ रहे थे। मामले में यह आरोप भी सिद्ध नहीं हो पाया कि धमाका बम में हुआ था या यह सिलेंडर या पटाखे का धमाका था। कोर्ट ने इस मामले में राहुल पांडे (मृतक), हिमांशु पानसे (मृतक), नरेश राजकोंडवार (मृतक), लक्ष्मण राजकोंडवार, संजय चौधरी, रामदास मुलगे, डॉ. उमेश देशपांडे, मारुति वाघ, योगेश विडोलकर, गुरुराज टुपतेवार, मिलिंद एकताटे, मंगेश पांडे, राकेश धावड़े को बरी कर दिया। यह धमाका 4-5 अप्रैल 2006 को नांदेड़ के पतबंधारे नगर में हुआ था। धमाका लक्ष्मण राजकोंडावार के घर पर हुआ था और इसमें हिमांशु पानसे और नरेश राजकोंडावार की मौत हो गई थी। बाद में मुकदमे के दौरान राहुल पांडे की मौत हो गई थी।

तब महाराष्ट्र और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। इस मामले में पुलिस ने आरोप लगाया था कि यह धमाका बम बनाने के दौरान हुआ है। यह भी दावा हुआ था कि यहां से एक जिंदा बम भी बरामद हुआ था और कुछ गोलियां बरामद हुई थीं। इस मामले में हिंदुओं के पकड़े जाने के बाद भगवा आतंकवाद की थ्योरी गढ़ने की कोशिश हुई थी। यह मामला पुलिस से एटीएस और फिर सीबीआई को सौंप दिया गया था। तब कांग्रेस ने इन्हें हिंदू आतंकी बता कर खूब शोर मचाया था।

इस मामले में 19 साल तक न्याय की लड़ाई लड़ने के बाद अब इन हिंदुओं को न्याय मिल सका है। इससे पहले यह जेलों में जिंदगी गुजार चुके थे। इन लोगों को आतंकी का ठप्पा हटाने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। कांग्रेस सरकार में इनके साथ जेलों में सही व्यवहार नहीं हुआ। इनके माध्यम से हिंदुओं को हिंसक और आतंकी बताने की कोशिश हुई। अब यह सब दावे जमीन पर मुंह के बल गिरे हैं। ▶10 पर

तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर क्रैश होने से तीन की मौत

पोरबंदर, 05 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर क्रैश होने से तीन लोगों की मौत हो गई। भारतीय तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर एएलएच (एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर- ध्रुव) रुटीन उड़ान पर था, जिस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे में क्रू के सदस्यों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। क्रू के सदस्यों को जली हुई हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर पोरबंदर हेलीकॉप्टर पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे हादसे का शिकार हुआ। हेलीकॉप्टर नियमित उड़ान पर था और हादसा हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के वक्त हुआ। लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर में आग लग गई। हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत कुल तीन लोग थे। इस दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई। गुजरात के पोरबंदर के एसपी भगीरथ सिंह जडेजा ने बताया कि पुलिस और तटरक्षक बल हादसे की वजह की जांच कर रहे हैं।

गौरतलब है कि बीते सितंबर में ही भारतीय तटरक्षक बल का ध्रुव हेलीकॉप्टर ही अरब सागर में हादसे का शिकार हुआ था। ▶10 पर

पीएम मोदी ने दिल्ली को दी करोड़ों की विकास योजनाएं

आप-दा सरकार, बेईमान और झूठी : मोदी

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर आम आदमी पार्टी की भ्रष्ट सरकार पर प्रहार किया और कहा कि आप-दा वालों के काम का कोई हिसाब नहीं है, लेकिन इनके कारनामे बेहिसाब हैं। ये तब होता है जब नीयत में खोट होता है और जनता के प्रति निष्ठा नहीं होती है। ये आप-दा वाले दिल्ली चुनाव में अपनी हार सामने देखकर बौखला गए हैं, झूठ फैला रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। उन्होंने आम आदमी पार्टी की सरकार को कट्टर बेईमान बताया। पीएम ने कहा कि जब दिल्ली के लोग कोरोना से जूझ रहे थे, जब दिल्ली के लोग ऑक्सीजन और दवाओं के लिए भटक रहे थे। तब इन लोगों का पूरा फोकस अपना शीश महल बनवाने पर था। इन्होंने शीश महल का भारी भरकम बजट बनाया। यही इनकी सच्चाई है। इन्हें दिल्ली के लोगों की कोई परवाह नहीं है। इसलिए आज हर दिल्लीवासी कह रहा है। आप-दा नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे।

पीएम मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, मुझे विश्वास है कि दिल्ली विधानसभा में भी कमल खिलने वाला है। मैं दिल्ली भाजपा के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं से कहूंगा कि पूरी निष्ठा के साथ दिल्ली के हर कार्यकर्ता से मिलिए, उन्हें आने वर्षों के लिए भाजपा के संकल्प से परिचित कराइए। ये भाजपा ही है, जो दिल्ली को, दुनिया की बेहतरीन राजधानी का गौरव दिला सकती है। हम दिल्ली को दुनिया की ऐसी राजधानी बनाना चाहते हैं जिसमें भारत की विरासत का विराट स्वरूप दिखे। नई वैश्विक व्यवस्थाओं का सेंटर हो। ये तब ही हो सकता है जब केंद्र और राज्य, दोनों में भाजपा सरकार काम करे। पीएम ने परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली पर आप-दा लाने वाले ये झूठा आरोप लगाते हैं कि केंद्र सरकार उन्हें काम नहीं करने देती। केंद्र सरकार उन्हें पैसे नहीं देती। ये कितने बड़े झूठे हैं। ▶10 पर

नमो भारत कॉरिडोर का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यू अशोक नगर में 13 किमी लंबे नमो भारत ट्रेन के साहिबाबाद-न्यू अशोक नगर सेक्शन का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने नमो भारत कॉरिडोर के साहिबाबाद स्टेशन पर अधिकारियों से बात कर इसके बार में जानकारी ली। साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में यात्रा की। यात्रा के दौरान उन्होंने स्कूली बच्चों और अन्य लोगों से बातचीत की। इसके अलावा पीएम ने 12,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम ने दिल्ली मेट्रो फेज-4 के जनकपुरी पश्चिम-कृष्णा पार्क के बीच करीब 1,200 करोड़ रुपए की ▶10 पर

कैग ने बताया कैसे खड़ा हुआ केजरीवाल का शीशमहल

दिल्ली के 'शहंशाह' ने फूंक डाला जनता का धन

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए बने सरकारी आवास के रिनो-वेशन को लेकर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही उस सरकारी आवास को शीशमहल कहते रहे हैं। वहीं अब कैग की ऑडिट रिपोर्ट आई है, जिसमें पता चला है कि उस घर का रिनोवेशन प्रस्तावित लागत से तीन गुना अधिक रुपए में किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 जनवरी को दिल्ली में जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने शीशमहल का जिक्र किया।तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए रिनोवेट हुए आवास का काम लोक निर्माण विभाग द्वारा किया गया था। ऑडिट

रिपोर्ट के अनुसार शुरू में इस रिनोवेशन की लागत 7.91 करोड़ रुपए बताई गई थी। लेकिन बाद में 2020 में करीब 8.62 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया। लेकिन 2022 में जब इसे पूरा किया गया तो इसकी कुल लागत 33.66 करोड़ रुपए थी। ने सीएजी जनरल गिरीश चंद्र मुर्मू की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए इसे प्रकाशित किया है। वह 20 नवंबर 2024 को रिटायर हुए थे और ▶10 पर

संडास की सीट ही थी 1 करोड़ 44 लाख की

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा दिल्ली में लगातार आम आदमी पार्टी और उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। इस बीच भाजपा ने एक बार फिर से शीशमहल का मुद्दा उठाया है। दिल्ली में बने मुख्यमंत्री आवास को भाजपा शीशमहल कहती रही है। भाजपा जगह-जगह पोस्टर लगा रही है कि अरविंद केजरीवाल ने अपने कार्यकाल के दौरान अपने घर में 12 सोने की टॉयलेट सीट लगवाई थी, जिसकी कीमत 1 करोड़ 44 लाख रुपए थी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा, यह गोल्ड प्लेटेड टॉयलेट है। मुख्यमंत्री ने अपने घर में ऐसे 12 टॉयलेट लगवाए हैं। 56 करोड़ रुपए के शीशमहल में 1.44 करोड़ रुपए के टॉयलेट लगवाए हैं। हम लोगों को बता रहे हैं कि वे आपको रेवड़ी देकर वोट लेते हैं और फिर ये करते हैं। हमने यहां शौचालयों की हालत देखी है। हम कह रहे हैं कि जब हमारी सरकार आएगी तो हम ▶10 पर

भारत विरोधी साजिशों को लगातार उजागर कर रहा है शुभ-लाभ

रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के कंधे से साध रहे निशाना

भारत के खिलाफ चलाए जा रहे देसी-विदेशी षडयंत्रों को शुभ-लाभ लगातार उजागर कर रहा है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के जरिए जिस तरह भारत को अस्थिर और अराजक बनाने की कोशिश हो रही है, उन साजिशों को शुभ-लाभ हिंदी दैनिक परत दर परत खोल रहा है। शुभ-लाभ की यह कोशिश एक मशाल की तरह है जिसे समाज को जाग्रत और रौशन रखने के लिए एक अभियान की तरह जारी रखा जा रहा है...

न केवल भारत, बल्कि दुनियाभर की खुफिया एजेंसियां यह बता रही हैं कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को एक खास योजना के तहत भारत में बसाने की एक सतत और दीर्घकालिक प्रक्रिया चलायी जा रही है। साजिश में अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन, बराक ओबामा, हिलेरी क्लिंटन, जॉर्ज सोरोस और इस चौकड़ी के चमचे मोहम्मद यूनुस एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई शामिल है। इस चौकड़ी का दूरगामी उद्देश्य भारत को अस्थिर करने के लिए बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं को हिमालय की तलहटी के राज्यों में बसाना है। इस साजिश की पहली कड़ी में छोटे-छोटे राज्यों में रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों को बसाकर जनसंख्या का और सरकार का संतुलन खराब करना है।

भारत की चुनावी समीकरण ऐसा है कि यहां बहुत कम मतों के अंतर से भी सरकार बदली जा सकती है। भारत के चुनावी इतिहास में सिर्फ एक मत के अंतर से कम से कम तीन बार चुनावों का परिणाम निर्धारित हुआ है। ये तीनों चुनाव विधानसभा के थे। लोकसभा चुनाव में भारत में सबसे कम मत से झारखंड के संथाल क्षेत्र के राजमहल का फैसला 1998 के लोकसभा चुनाव में महज 9 मतों के अंतर से हुआ था। ऐसे कुछ खास क्षेत्रों की जनसांख्यिकी में परिवर्तन लाकर उस क्षेत्र पर और फिर सरकार पर कब्जा करने की नियत से ऐसा किया जा रहा है।भारत के 16 प्रदेशों (जम्मू कश्मीर मिलाकर जहां 5 सीटें नामांकित की जाती हैं) में 100 से कम विधानसभा की सीटें हैं। इन सभी राज्यों पर विदेशी ताकतों की नजर में लंबे समय से है। विदेशी ताकतें इन राज्यों की सांख्यिकी को बदलकर इन छोटे छोटे राज्यों की सरकारों का स्वरूप बदलना चाहती हैं और उसके बाद सरकारों पर पीछे से कब्जा करना चाहती हैं।

वर्तमान में हिमालय के सीमावर्ती राज्यों में भाजपा का दबदबा है। उत्तराखंड में भाजपा लगातार दूसरी बार सत्ता में है। हिमाचल प्रदेश में भी चुनाव दर चुनाव भाजपा और कांग्रेस पार्टी की सरकारें बनती रही हैं। रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों को बसाने की योजना में दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर के कुछ खास राज्य शामिल हैं। इन सभी राज्यों की विधानसभाएं बिहार, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे अन्य राज्यों की तुलना में अपेक्षाकृत छोटी हैं। इन छोटे राज्यों की खास बात यह है कि यहां विधानसभा सीटों के ▶10 पर

आतंकी संगठन एसएफजे पर पांच साल का प्रतिबंध बढ़ा

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार ने खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर लगे प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। यूएपीए ट्रिब्यूनल ने केंद्र सरकार के उस फैसले को सही ठहराया, जिसमें सिख्स फॉर जस्टिस पर आतंकवादी गतिविधियों के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। केंद्र सरकार ने जुलाई 2024 में सिख फॉर जस्टिस को एक गैरकानूनी संगठन घोषित किया था और उस पर अतिरिक्त पांच साल का प्रतिबंध लगाया था। ▶10 पर

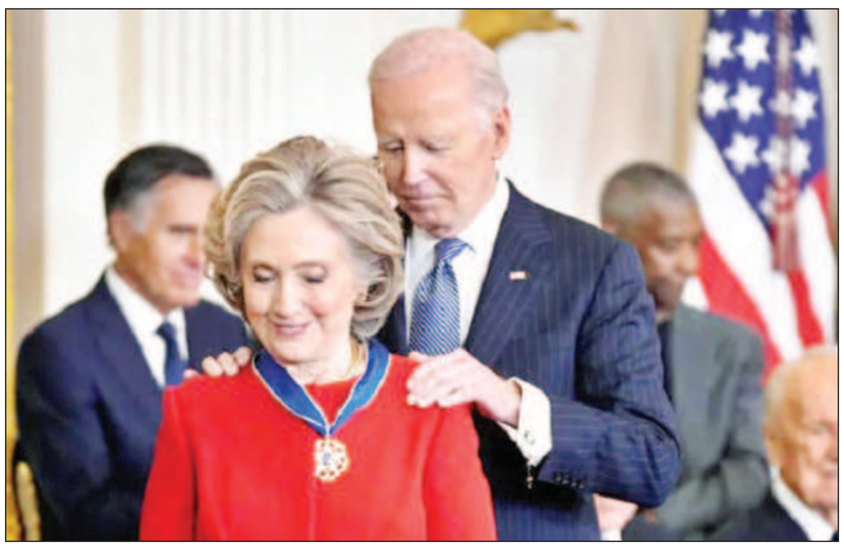

हिलेरी क्लिंटन समेत 19 अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से अलंकृत

वाशिंगटन, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शनिवार को पूर्व विदेशमंत्री हिलेरी क्लिंटन समेत 19 हस्तियों को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडमसे अलंकृत किया। सम्मान समारोह का आयोजन व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में आयोजित किया गया।

द व्हाइट हाउस की विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि अलंकृत होने वालीं हिलेरी क्लिंटन समेत सभी 19 लोगों ने अमेरिका की बेहतरी के लिए बहुत कुछ किया है। अन्य अलंकृत लोगों में अभिनेता माइकल जे. फॉक्स, डेन्जेल वाशिंगटन, यू2 फ्रंटमैन बोनो, इंटर मियामी फुटबॉल स्टार लियोनेल मेस्सी और अरबपति परोपकारी जॉर्ज सोरोस शामिल हैं। मरणोपरांत इस सम्मान से अलंकृत होने वालों में पूर्व अटॉर्नी जनरल रॉबर्ट एफ कैनेडी, नागरिक अधिकार नेता फैनी लू हैमर, पूर्व रक्षा सचिव ऐश कार्टर और मिशिगन के पूर्व गवर्नर जॉर्ज डब्ल्यू रोमनी हैं।

बाइडेन ने एथोलॉजिस्ट और संरक्षणवादी डॉ. जेन गुडॉल, सेवानिवृत्त लॉस एंजिल्स लेकर्स के दिग्गज मैजिक जॉनसन, शेफ और वर्ल्ड सेंट्रल किचन के संस्थापक जोस एंड्रेस, फैशन डिजाइनर राल्फ लॉरेन, वोग के प्रधान संपादक अन्ना विंटोर, विज्ञान शिक्षक बिल नी, द साइंस गाइ, एलजीबीटीक्यू कार्यकर्ता और उद्यमी टिम गिल, अरबपति परोपकारी डेविड रूबेनस्टीन और अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट के संस्थापक जॉर्ज स्टीवंस जूनियर को भी इस सम्मान से अलंकृत किया। व्हाइट हाउस के अनुसार, मेस्सी किन्हीं कारणों से उपस्थित नहीं हो सके। इस पुरस्कार की स्थापना 1963 में रॉबर्ट एफ कैनेडी के भाई दिवंगत राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने की थी।

न्यूज ब्रीफ

नए सीरियाई प्रशासन की मुट्ठी में तुर्किये सीमा की चार क्रॉसिंग

दमिश्क। नए सीरियाई प्रशासन ने देश के उत्तर में तुर्किये के साथ सीमा पर कई क्रॉसिंगों पर कब्जा कर लिया। प्रशासन ने शनिवार को अल-राय, जाराबुलस, अजाज और अल-हमाम क्रॉसिंग पर पूरी तरह कब्जा करने की घोषणा की। यह सभी क्रॉसिंग प्रशासनिक रूप से अलेप्पो गवर्नरेट से संबद्ध हैं। सूत्रों के हवाले से कहा गया कि दिसंबर 2024 में असद शासन के पतन से पहले क्रॉसिंग का प्रबंधन सीरियाई अंतरिम सरकार से संबद्ध बॉर्डर क्रॉसिंग प्रशासन करता था। सीरिया में वर्षों के गृह युद्ध के दौरान अपदस्थ असद शासन ने पड़ोसी देशों के साथ अधिकांश सीमाओं पार पर अपना नियंत्रण खो दिया था। यह चारों क्रॉंग पिछले कई वर्षों से बंद थी। इनके खुल जाने से सीरियाई शरणार्थियों की वापसी का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस बीच सीरियाई नागरिक सुरक्षा (व्हाइट हेलमेट्स) ने राजधानी दमिश्क में अपने स्वयंसेवक सुभी अल-वावी की मौत पर शोक व्यक्त किया है। व्हाइट हेलमेट्स ने कहा कि सोभी की शुक्रवार देरशाम दमिश्क में गोली लगने से मौत हो गई। रूस के हवाई हमलों और अपदस्थ शासन की सेनाओं की बमबारी के परिणामस्वरूप नागरिक सुरक्षा ने पिछले वर्षों में 312 स्वयंसेवकों को खो दिया है। व्हाइट हेलमेट्स ने अपने फेसबुक अकाउंट पर यह भी कहा कि बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सोभी की हत्या अपनी तरह की दूसरी हत्या है। इससे पहले 10 दिसंबर, 2024 को मध्य सीरिया में होम्स गवर्नरेट के पूर्वी ग्रामीण इलाके में स्थित अल-करायतायन शहर में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक मोहम्मद जहरा की हत्या कर दी गई थी।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल संवैधानिक न्यायालय में रखेंगे अपना पक्ष

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल संवैधानिक न्यायालय में महाभियोग मुकदमे का सामना करने को तैयार हो गए हैं। येओल पर गंभीर आरोप हैं। मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के बाद नेशनल असेंबली ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया था। संवैधानिक न्यायालय को अब यह तय करना है कि उनके खिलाफ महाभियोग चलेगा या नहीं। इस बीच, एक अदालत के वारंट पर भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने उन्हें हिरासत पर लेने के लिए एड़ी-चोटी कर दी पर उसे इसमें कामयाबी नहीं मिली। इस वारंट पर अमल की तारीख छह जनवरी है। राष्ट्रपति के कानूनी सलाहकार युन गैप-ग्यून ने रविवार को कहा कि येओल संवैधानिक न्यायालय के समक्ष महाभियोग मुकदमे में गवाही देने जाएंगे। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के लिए 14 जनवरी, 16 जनवरी, 21 जनवरी, 23 जनवरी और चार फरवरी की तारीख मुकर्रर की है। कानूनी सलाहकार युन गैप-ग्यून ने संवाददाताओं को एक संदेश भेजा है कि राष्ट्रपति उचित तिथि पर न्यायालय के सामने उपस्थित होकर अपनी स्थिति को सामने रखेंगे। इस बात की संभावना अधिक है कि येओल 14 जनवरी को संवैधानिक न्यायालय के सामने उपस्थित हों।

बांग्लादेश में घना कोहरा, नौका सेवा प्रभावित, नदी घाटों पर 300 से अधिक वाहन फंसे

ढाका। बांग्लादेश में घने कोहरे ने नदी जलमार्ग पर ब्रेक लगा दिया है। दृश्यता बेहद कम होने के कारण पतुरिया-दौलतदिया और अरिचा-काजीरहाट जलमार्ग पर नौका सेवा पर पूरी तरह रोक लगा दिया गया है। मौसम जब तक नहीं खुलता यह सेवा निलंबित रहेगी। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, खान जहान अली, बीरश्रेष्ठ जहांगीर और बैगर घाट पर 300 से अधिक वाहन नदी के बीच में फंसे हुए हैं। इनमें ज्यादातर मालवाहक ट्रक हैं। इनको चार नदी घाट पार कर गंतव्य तक पहुंचना है। बांग्लादेश अंतर्देशीय जल परिवहन निगम के उप महाप्रबंधक नासिर चौधरी ने बताया कि अरिचा-काजीरहाट जल मार्ग पर सूर्यास्त के बाद कोहरे की तीव्रता बढ़ने लगी। रात 11:30 बजे कोहरा इतना घना हो गया कि इसने समस्त जलमार्ग को पूरी तरह ढक लिया। इसलिए नौका सेवा को निलंबित करने का फैसला लेना पड़ा।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के तुरबत में विस्फोट, चार की मौत, 32 घायल

इस्लामाबाद, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के तुरबत शहर में शनिवार को हुए विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 अन्य घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत गंभीर है। घायलों में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और उनके परिवार के छह सदस्य भी शामिल हैं। प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

खबर के अनुसार, हाथ लगे एक सीसीटीवी फुटेज में सड़क पर कई वाहन चल रहे हैं और अचानक हुए विस्फोट के बाद एक चलती यात्री बस में आग लग गई। पुलिस ने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (अपराध शाखा) जोहैब मोहसिन व उनके परिवार के छह सदस्य भी घायल हो गए। जब विस्फोट हुआ तब मोहसिन और उनका परिवार इलाके से गुजर रहा था। सुरक्षा बलों के मुताबिक, प्रतिबंधित आतंकी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। मृतकों की पहचान नूर खान, अब्दुल वहाब, इजाज और लियाकत अली के रूप में की गई है। चारों नागरिक बलूचिस्तान के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले थे। सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि बीएलए ने एक साल में 100 से अधिक निर्दोष बलूच नागरिकों की जान ली है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने विस्फोट में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए घटना की निंदा की। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी शोक व्यक्त किया है। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने तुरबत विस्फोट की कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्दोष लोगों को निशाना बनाना क्रूर और बर्बर कृत्य है। सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी ने भी तुरबत में हुए विस्फोट की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादी निर्दोष नागरिकों के जीवन के दुश्मन हैं।

पाकिस्तान ने कश्मीर मसले पर संयुक्त राष्ट्र से फिर की जनमत संग्रह कराने की मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को कश्मीर और वहां के लोगों के लिए पाकिस्तान के अटूट समर्थन को दोहराया। दोनों ने इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 05 जनवरी, 1949 को भारत और पाकिस्तान के लिए दिए गए ऐतिहासिक प्रस्ताव का भी उल्लेख किया। साथ ही इसे लागू न करा पाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की आलोचना की। खबर के अनुसार दोनों नेताओं ने विश्व समुदाय से कश्मीरियों की आकांक्षाओं का समर्थन करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति जरदारी ने अपने संदेश में भारत के दशकों से इस अधिकार से इनकार करने की निंदा की। राष्ट्रपति ने कहा कि पाकिस्तान आत्मनिर्णय के अधिकार का नैतिक समर्थन देना जारी रखेगा। प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र निष्पक्ष जनमत संग्रह कराए। उन्होंने प्रस्ताव को लागू करा पाने में विफलता का आरोप भी संयुक्त राष्ट्र पर मढ़ा और भारत की निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत विवादित क्षेत्र की संरचना बदलने की कोशिश कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र मूकदर्शक बना हुआ है।

कुर्रम गोलीबारी में शामिल पांच हमलावरों की पहचान

इस्लामाबाद, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम में संघर्ष विराम तोड़ते हुए हिंसा करने वाले सशस्त्र हमलावरों में से पांच की पहचान कर ली गई है। इस गोलीबारी में कुर्रम के उपायुक्त जावेदुल्ला महसूद घायल हुए हैं। प्रांतीय सरकार ने उपायुक्त पर हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे जिले में प्रतिद्वंद्वी जनजातियों के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित शांति समझौते का उल्लंघन बताया है।

यह निर्णय मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की अध्यक्षता में देररात हुई बैठक में लिया गया। बैठक में कुर्रम जिले के बागान गोलीबारी की घटना के बाद की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य सचिव और प्रांत के पुलिस प्रमुख सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि उपायुक्त के अलावा छह अन्य घायल हो गए। इनमें फ्रंटियर कांस्टेबुलरी कर्मी, एक पुलिसकर्मी और चार नागरिक शामिल हैं। अशांत क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयासों में अहम भूमिका निभाने वाले उपायुक्त और अन्य को अस्पताल ले जाया गया।

देररात हुई बैठक में यह निष्कर्ष निकला कि इस घटना के लिए स्थानीय निवासी ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने शांति समझौते का उल्लंघन किया है। अधिकारियों ने निर्णय लिया कि गोलीबारी की घटना में शामिल लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार देररात कहा कि हमले में शामिल पांच लोगों की पहचान कर ली गई है।

सनद रहे कुर्रम कई महीनों से सुर्खियों में है। जिले में लगातार हो रही हिंसा में 130 से अधिक लोगों की जान गई है। आदिवासी बुजुर्गों के बीच लगभग 50 दिन की लंबी बातचीत के बाद आखिरकार नए साल के पहले दिन एक जनवरी को शांति समझौता हुआ।

कुर्रम जिले में दोनों युद्धरत पक्ष ग्रैंड जिरगा की सहायता से 14 बिंदुओं पर सहमत हुए थे। इनमें निजी हथियारों को सरकार को सौंपने के साथ-साथ बंकरों को नष्ट करना भी शामिल था।

बर्फबारी

काबुल में एक सड़क भारी बर्फबारी के कारण सफेद नजर आ रही। यहां कई हाइवे बर्फबारी के बाद बंद हो गये हैं।

बाइडेन का इजरायल प्रेम : 8 बिलियन डॉलर के हथियार देने का लिया निर्णय

वाशिंगटन, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन का इजरायल के प्रति प्रेम कम नहीं हुआ है। उन्होंने अपने कार्यकाल को खत्म होने से पहले इजरायल को 8 बिलियन डॉलर के हथियारों की डील को हरी झंडी देकर अपने आखिरी दिनों में बड़ा कदम उठा लिया है।इस डील में हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, हेलफायर मिसाइलें, तोपखाने के गोले और बम शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस योजना को अमेरिकी कांग्रेस को सौंप दिया है, लेकिन इसे हाउस और सीनेट समितियों से मंजूरी की जरूरत है। वहीं, ट्रंप के कार्यकाल की शुरुआत के साथ, मध्य-पूर्व में अमेरिका की रणनीति में बदलाव की संभावनाओं पर नजरें टिकी हुई हैं। इजरायल को समर्थन जारी रहेगा या अमेरिकी नीतियों में कठोर बदलाव आएंगे, यह देखना बाकी है।

यह कदम ऐसे समय पर आया है जब मिडिल ईस्ट में इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष, लेबनान के हिज़बुल्ला और यमन के हूथी विद्रोहियों के हमलों ने तनाव बढ़ा रखा है। बाइडेन प्रशासन ने अपने आखिरी दिनों में इजरायल को सैन्य सहायता प्रदान करने का फैसला करके यह संदेश दिया है कि वह इजरायल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बाइडेन ने पहले भी कहा था कि इजरायल को अपने नागरिकों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और बेंजामिन नेतन्याहू अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत काम कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप, जो जल्द ही सत्ता संभालेंगे, पहले ही हमास को चेतावनी दे चुके हैं कि अगर उसने शांति स्थापित नहीं की तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

ट्रंप की नीतियां भी इजरायल विरोधी नहीं हैं, लेकिन उनका जोर सीधे तौर पर हमास और अन्य आतंकी संगठनों पर दबाव बनाने पर रहेगा। ट्रंप का रुख रूस-यूक्रेन युद्ध में भी स्पष्ट है, जहां वे वोलोदिमीर जेलेंस्की पर दबाव की रणनीति अपनाने के पक्षधर हैं।

नेपाल से विदेश का हवाई सफर महंगा, स्थानीय पर्यटकों और श्रमिकों की भारतीय एयरपोर्ट पर भीड़

काठमांडू, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल में अंतरराष्ट्रीय हवाई किराया अत्यधिक अधिक होने के कारण पर्यटक और श्रमिक के रूप में तीसरे देशों में जाने वाले नेपाली नागरिक आजकल भारत के विभिन्न विमानस्थलों का प्रयोग करने को बाध्य हैं। नेपाल से तीसरे देश में पर्यटकों को भेजने वाली विभिन्न ट्रैवल एजेंसियां और श्रमिकों को भेजने वाली मैनपावर कंपनियां अपने ग्राहकों को पहले भारत और फिर वहां से हवाई मार्गों के जरिए से उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचा रही हैं।

काठमांडू-यूएई का एक तरफ का हवाई किराया इस समय नेपाली करेंसी में 55 हजार से 75 हजार रुपये तक है। नेपाली सीमा से सबसे करीब पश्चिम बंगाल के बागडोगरा विमानस्थल से यूएई का किराया नेपाली करेंसी में सिर्फ 35 से 40 हजार के बीच ही है। यानी काठमांडू-यूएई की तुलना में बागडोगरा-यूएई का हवाई किराया करीब 20 से 35 हजार रुपये सस्ता है। काठमांडू से कतर के दोहा तक जाने में 80,000 नेपाली रुपये से अधिक का खर्च आता है। भारत के बागडोगरा से यह खर्च केवल 50,000 रुपये आता है। काठमांडू से बैंकाक का किराया 35 हजार से 40 हजार रुपये के बीच है। दिल्ली से बैंकाक का किराया महज 16 से 20 हजार रुपये के बीच है। एक ट्रैवल एजेंसी के अनुसार, भारत से बैंकाक, मलेशिया, मॉरीशस, सऊदी अरब, कतर, लेबनान, ओमान और बहरीन सहित खाड़ी देशों में जाना सस्ता है।

नेपाल की तुलना में बागडोगरा हो या दिल्ली, इन देशों में जाने पर हवाई किराया 12 से 35 हजार रुपये सस्ता है। नेपाल से निकटतम भारतीय हवाई अड्डा पश्चिम बंगाल का बागडोगरा है। इस एयरपोर्ट पर नेपाली कामगारों की काफी आवाजाही रहती है। काठमांडू में स्थित मैनपावर ऑपरेटर संजय सुबेदी ने कहा कि पिछले तीन महीने में सिर्फ बागडोगरा एयरपोर्ट से हफ्ते में लगभग 200 श्रमिकों को खाड़ी देशों में भेजा गया। इसके अलावा भारतीय एयरपोर्ट का उपयोग करने के पीछे का प्रमुख कारण अब बिना नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) के यात्रा की अनुमति देना भी है। पहले किसी भी नेपाली नागरिकों को भारतीय एयरपोर्ट का प्रयोग कर तीसरे देश की उड़ान भरने के लिए नेपाली दूतावास से एनओसी लेना आवश्यक होता था। नेपाल सरकार ने तीन पहले पहले इसकी अनिवार्यता को समाप्त कर दिया था। नेपाल फॉरेन एम्प्लॉयमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी के मुताबिक, किराया अधिक होने के कारण पर्यटक और मजदूर भारतीय रास्ते से खाड़ी देशों में जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। जब तक नेपाल सरकार हवाई टिकट के महंगे मूल्य को नियंत्रित नहीं करती तब तक लोग नेपाल छोड़ कर भारतीय एयरपोर्ट से विदेश जाते रहेंगे। भंडारी का अनुमान है कि पिछले तीन महीनों में कम से कम 15,000 नेपाली श्रमिकों ने विदेशी रोजगार के लिए भारतीय हवाई अड्डों का उपयोग किया है। वर्तमान में भी हर दिन 1,500 नेपाली रोजगार के लिए विदेश जा रहे हैं।

पत्रकार मुकेश हत्याकांड में कांग्रेस नेता के ठिकानों पर चले बुलडोजर

बीजापुर, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या मामले में प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए आरोपित कांग्रेस नेता और ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के ठिकानों पर बुलडोजर चलाया है। प्रशासन ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही मामले की गहराई से जांच के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश सचिव सुरेश चंद्राकर के तीन बैंक खातों को भी कब्जे में लिया गया है।

मुकेश चंद्राकर का शव 3 जनवरी को सुरेश चंद्राकर की प्रॉपर्टी पर स्थित सेप्टिक टैंक से बरामद हुआ था। मुकेश 1 जनवरी से लापता थे। पुलिस की छानबीन में शव बरामद होने पर कपड़ों के आधार पर उनकी पहचान की गई। बताया जा रहा है कि एक जनवरी को सुरेश चंद्राकर के भाई रितेश ने मुकेश को किसी काम के लिए बुलाया था, जिसके बाद से उनका फोन बंद हो गया। बस्तर क्षेत्र में ठेकेदार लॉबी के दबदबे के चलते पत्रकारों को अक्सर धमकियों का सामना करना पड़ता है। मुकेश की संदिग्ध मौत ने मीडिया और ठेकेदारों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को फिर से उजागर कर दिया है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव सेप्टिक टैंक से बरामद हुआ। वह एक जनवरी से लापता थे। सड़क निर्माण में कमियां उजागर करने की वजह से ठेकेदार सुरेश चंद्राकर द्वारा मुकेश की हत्या की गई। मुख्य आरोपित सुरेश चंद्राकर और उसके भाई सहित 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ठेकेदार का कांग्रेस कनेक्शन सामने आया है। ठेकेदार सुरेश चंद्राकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश सचिव हैं। सुरेश चंद्राकर को कांग्रेस के छत्तीसगढ़ अध्यक्ष दीपक बैज का बेहद करीबी बताया जाता है। भाजपा का कहना है कि दीपक बैज के कहने पर ही सुरेश चंद्राकर को पार्टी में यह पद मिला है।

कांग्रेस नेता सुरेश चंद्राकर मूलरूप से बासागुड़ा का रहने वाला है। राज्य में सलवा जुड़ूम आंदोलन के बाद से वह और उसका परिवार बीजापुर में रहने लगा था। बीजापुर में आकर सुरेश ने ठेकेदारी शुरू कर दी। देखते ही देखते वह बड़ा ठेकेदार बन गया। साल 2021 में हेलीकॉप्टर से बरात लेकर जाने पर वह चर्चा में आया था। यह बात भी सामने आ रही है कि मुकेश और सुरेश आपस में रिश्तेदार थे।

पत्रकार मुकेश ने बस्तर में 120 करोड़ रुपए की लागत वाली सड़क निर्माण परियोजना में धांधली के खिलाफ एक खोजी रिपोर्टिंग की थी। गंगालूर में इस सड़क को सुरेश चंद्राकर ने बनवाया था। इसके बाद से सुरेश की तरफ से पत्रकार को चेतावनी मिल रही थी। इस रिपोर्ट के बाद कांग्रेस नेता सुरेश के भाई रितेश ने 1 जनवरी को मुकेश को मिलने के लिए बुलाया था। इसके बाद मुकेश घर नहीं लौटे थे। मुकेश चंद्राकर के लापता होने पर उनके पत्रकार भाई युकेश चंद्राकर ने इसका आरोप सुरेश चंद्राकर पर लगाया था।

उन्होंने कहा था कि सुरेश चंद्राकर ने उनके भाई को लापता किया है। इसके बाद पुलिस ने मुकेश की खोजबीन शुरू कर दी। एएसपी चंद्रकांत गोवर्ना के मुताबिक, मुकेश के मोबाइल की आखिरी लोकेशन कांग्रेस नेता सुरेश चंद्राकर की कंस्ट्रक्शन कंपनी में मिली थी।

एएसपी के अनुसार, इसके बाद फोन बंद हो गया था। सुरेश चंद्राकर की यह कंपनी चट्टानपारा में स्थित है। इसके बाद खोज में मुकेश की लाश मिली। मुकेश चंद्राकर बस्तर इलाके से एनडीटीवी के लिए रिपोर्टिंग करते थे और बस्तर जंक्शन नाम से अपना यूट्यूब चैनल चलाते थे। साल 2021 में नक्सलियों द्वारा सीआरपीएफ के एक जवान को अपहरण करने के बाद उसे रिहा कराने में मुकेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पंजाब की महिलाओं ने केजरीवाल को घेरा

अब दिल्ली को ठगने की कोशिश बंद करो

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

पंजाब की महिलाओं के एक समूह ने शनिवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। इन महिलाओं का आरोप था कि पंजाब में आपा सरकार ने हर महिला को 1000 रुपए प्रति माह देने का जो चुनावी वादा किया था, वह अब तक पूरा नहीं हुआ। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि अब दिल्ली में 2100 रुपए प्रति माह देने का नया वादा करके केजरीवाल फिर से जनता को गुमराह कर रहे हैं।

अमृतसर और गुरदासपुर से आईं महिलाओं ने पत्रकारों से कहा कि केजरीवाल और भगवंत मान ने 1000 रुपए प्रति महिला देने का वादा करके वोट लिए और सरकार बनाई। लेकिन अब तक कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने कहा कि दिल्ली की महिलाओं को भी इसी तरह झूठे वादों के जाल में फंसाया जा रहा है। यह धोखाधड़ी बंद होनी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने इन महिलाओं को प्रदर्शन स्थल से हिरासत में ले लिया।

हिरासत में ली गई महिलाओं ने कहा कि उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने केजरीवाल से सवाल किया कि अगर पंजाब में 1000 का वादा पूरा नहीं हुआ, तो दिल्ली में 2100 देने का वादा क्यों किया जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने दिसंबर में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना का ऐलान किया था। इस योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को 2100 रुपए प्रति माह देने की बात कही गई। हालांकि, दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग ने बाद में स्पष्ट किया कि इस योजना को अब तक औपचारिक रूप से अधिसूचित नहीं किया गया है। ऐसी कोई योजना वजूद में ही नहीं है। इस बीच, दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत दिल्ली निवासियों से व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में अधिकारियों पर यह आरोप है कि वे गैर-सरकारी लोगों को पंजीकरण के नाम पर डेटा इकट्ठा करने दे रहे हैं।

पानी के बिल को लेकर भी केजरीवाल ने एक बयान दिया है। केजरीवाल ने कहा, अगर किसी का पानी का बिल बढ़ा हुआ आता है, तो उसे भरने की जरूरत नहीं है। हमारी सरकार जब सत्ता में लौटेगी, तो इन बिलों को माफ कर दिया जाएगा या सही किया जाएगा। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने केजरीवाल के इस बयान पर भी सवाल उठाए और इसे जनता को गुमराह करने की नई कोशिश बताया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि केजरीवाल झूठे वादे करके वोट लेने की राजनीति कर रहे हैं।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट से हुआ खुलासा

देश में दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में सामने आए रुझान दर्शाते हैं कि भारतीय परिवारों को पोषक खानपान के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखने के सौंदर्य प्रसाधनों पर खर्च करना ज्यादा पसंद आ रहा है। कपड़ों, जूतों जैसी चीजों पर खर्च करने में भी कमी आई है।

पिछले 12 वर्षों में भारतीय परिवारों की खर्च प्राथमिकता में काफी बदलाव आया है। नतीजतन, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दालों और अनाज की खपत पांच फीसदी से अधिक घटी है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि लोग खाद्य के बजाय गैर-खाद्य पदार्थों पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, यह रुझान आर्थिक विकास और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्राथमिकताओं में आए बदलाव को दर्शाता है। शहरों के मुकाबले गांव ज्यादा तेजी से बदले शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर व्यय ज्यादा तेजी से घटा है।

पिछले 12 वर्षों के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 5.86 फीसदी अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्र में यह आंकड़ा 2.94 फीसदी रहा। वहीं, गैर-खाद्य पदार्थों की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र में इस पर खर्च 5.86 फीसदी बढ़ा है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 2.94 फीसदी रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर 2011-12 में व्यय 52.9 फीसदी था, जो 2023-24 में 47.04 फीसदी रह गया। शहरी क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर 2011-12 में व्यय 42.62 फीसद था जो 2023-24 में महज 39.68 फीसदी रह गया। इसके विपरीत ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-खाद्य पदार्थों पर व्यय 2011-12 में 47.1 फीसदी था, जो 2023-24 में 52.96 पर पहुंच गया। शहरी क्षेत्रों में गैर-खाद्य पदार्थों पर व्यय 2011-12 में 57.38 फीसदी था, वह 2023-24 में बढ़ कर 60.32 फीसदी पर पहुंच गया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने की सद्गुरु और स्वामी अवधेशानंद गिरी से मुलाकात, अध्यात्म को लेकर हुई बात

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आध्यात्मिक गुरु एवं सद्गुरु ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव और स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों धार्मिक गुरुओं से आध्यात्मिकता और सामाजिक स्थितियों को लेकर चर्चा की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, सद्गुरु जग्गी वासुदेव जी से मिलकर खुशी हुई। भारतीय आध्यात्मिकता और समाज को बदलने में उनकी भूमिका के बारे में चर्चा हुई। सद्गुरु ने भी कहा, भारत के गृह मंत्री से मिलकर खुशी हुई। हमारे देश के सभ्यतागत पहलुओं में उनकी भागीदारी और रुचि की सराहना करता हूं।

इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री ने स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज से भी मुलाकात की। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, जूनापीठ के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज से भी आध्यात्म और राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। भारतीय ज्ञान परंपराओं और दर्शन को दुनिया में फैलाने में आपकी भूमिका सराहनीय है। स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज भारत के सबसे पुराने और प्रमुख जूना अखाड़े के वर्तमान आचार्य महामंडलेश्वर हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों संतों को महाकुंभ में पधारने का न्यौता दिया।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज महाकुंभ में कुछ दिन शेष रह गए हैं। शनिवार को प्रयागराज में कई अखाड़ों ने भव्य शोभायात्रा निकाली। यह शोभायात्रा भक्ति का जीवंत प्रदर्शन थी। जिसमें साधु पवित्र भस्म लगाए हुए, मालाओं से सजे हुए और घोड़ों पर सवार थे। हर 12 साल में होने वाला महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी को प्रयागराज में समाप्त होगा। मुख्य स्नान अनुष्ठान, जिसे शाही स्नान के रूप में जाना जाता है, 14 जनवरी (मकर संक्रांति), 29 जनवरी (मौनी अमावस्या) और 3 फरवरी (बसंत पंचमी) को होगा।

मिजोरम-म्यांमार सीमा पर आवाजाही नियंत्रित करने की तैयारी

आइजोल, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

मणिपुर में जारी हिंसा के बीच केंद्र सरकार ने मिजोरम-म्यांमार सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मिजोरम की म्यांमार से 510 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है और यहां लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने कुछ अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के तहत बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों की आवाजाही की छूट दी गई है, लेकिन इनकी आवाजाही को नियंत्रित करने और अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए बॉर्डर पास अनिवार्य कर दिया गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि म्यांमार और भारत के नागरिकों को एक दूसरे के देश जाने के लिए सात दिनों का वैध बॉर्डर पास जारी किया जाएगा। हालांकि इस पास को पाने के लिए आवेदनकर्ता को यह सत्यापित करना होगा कि वे सीमा के दोनों तरफ 10 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। 31 दिसंबर से नए दिशा-निर्देश जारी हो गए हैं। मिजोरम के छह जिले- चम्फाई, सियाहा, लॉन्टलाई, हनाहथियाल, सैतुअल और सेरछिप की 510 किलोमीटर लंबी सीमा म्यांमार के चिन स्टेट से लगती है। शुक्रवार को चम्फाई जिले की पुलिस ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि भारत और म्यांमार के लोग जो एक दूसरे देशों की यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें अब बॉर्डर पास की जरूरत होगी और यह बॉर्डर पास सात दिनों के लिए वैध होगा।

भारत को पूर्वोत्तर राज्यों मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं सटी हुई हैं। ये सीमा करीब 1600 किलोमीटर लंबी है। सीमाओं के दोनों तरफ विभिन्न जनजातियों के लोग रहते हैं और अलग-अलग देश से होने के बीच इनके बीच करीबी रिश्ते हैं। इस वजह से अक्सर मिलने-जुलने और व्यापार के लिए दोनों देशों के लोग एक दूसरे देश आते-जाते रहते हैं। ऐसी स्थिति में इन लोगों को वीजा के चलते परेशानी न हो, दोनों ही देशों की सरकारों ने मुक्त आवाजाही की सुविधा दी हुई है। इस मुक्त आवाजाही के तहत दोनों तरफ 16 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोग आसानी से एक दूसरे देश आ-जा सकते हैं, लेकिन अब ये सीमा घटाकर 10 किलोमीटर कर दी गई है। हालांकि इसकी आड़ में अवैध घुसपैठ और तस्करी को भी बढ़ावा मिल रहा था, जिसके चलते सरकार ने बॉर्डर पास की व्यवस्था की है।

उल्लेखनीय है कि भारत के मिजोरम राज्य के लोगों और म्यांमार के लोगों के बीच आवाजाही जोखावथर और हनाहलान क्रॉसिंग पॉइंट के जरिए होती है। अब इन पॉइंट से गुजरने वाले लोगों को बॉर्डर पास की जरूरत होगी। बॉर्डर पास पाने के लिए भी लोगों को एक दस्तावेज या प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह सत्यापित किया गया होगा कि आवेदक सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे में रहता है। गौरतलब है कि 24 दिसंबर को गृह मंत्रालय ने एक नया प्रोटोकॉल जारी किया था, जिसमें फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) के तहत लोगों की आवाजाही की सीमा को पहले के 16 किलोमीटर से घटाकर 10 किलोमीटर तक सीमित कर दिया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले साल फरवरी में घोषणा की थी कि एफएमआर को खत्म कर दिया जाएगा, लेकिन इस संबंध में आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

पहचान पत्र या दस्तावेज स्थानीय पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी या गांव के मुखिया या गांव के अधिकारी (प्रशासक) या भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त व्यक्ति द्वारा जारी किया जा सकता है। यह प्रमाण पत्र एक साल के लिए वैध होगा, जबकि बॉर्डर पास सिर्फ सात दिनों के लिए वैध होगा। बॉर्डर पास को धारक उसी क्रॉसिंग पॉइंट पर वापस जमा करेंगे, जहां से इसे जारी किया गया था। क्रॉसिंग पॉइंट सोमवार से शनिवार तक सुबह 6 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुले रहेंगे। बॉर्डर पास केवल एक वयस्क को जारी किया जाएगा और नाबालिगों को माता-पिता के साथ जाने की छूट होगी। दिशा-निर्देशों के अनुसार, माता-पिता में से किसी एक के बॉर्डर पास में अधिकतम तीन बच्चों का ले जाया जा सकता है, जबकि तीन से अधिक बच्चों के लिए माता-पिता को अतिरिक्त बॉर्डर पास जारी किया जाएगा। भारत से म्यांमार और म्यांमार से भारत की सीमा पार करने वाले किसी भी व्यक्ति को भारत-म्यांमार सीमा की सुरक्षा करने वाली असम राइफल्स द्वारा बॉर्डर पास जारी किया जाएगा। आवेदकों को तय सीमा क्रॉसिंग पॉइंट पर रिपोर्ट करना होगा और एक फॉर्म भरना होगा। असम राइफल्स इन दस्तावेजों का निरीक्षण करेगी, जिसके बाद राज्य पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा आवेदकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य जांच की जाएगी। असम राइफल्स भारत-म्यांमार सीमा पोर्टल पर सभी फॉर्म अपलोड करेगी। आवेदकों के बायोमेट्रिक्स रिकॉर्ड दर्ज किए जाएंगे, जिसके बाद आवेदक की तस्वीर और क्यूआर कोड के साथ एक बॉर्डर पास जारी होगा। दिशा-निर्देशों और शर्तों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारत ने शुरू की दो नई वीजा श्रेणियां

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को मिलेगी मदद

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

गृह मंत्रालय ने ई-स्टूडेंट वीजा और ई-स्टूडेंट-एक्स वीजा की शुरुआत की है और सभी आवेदकों को सरकार द्वारा शुरू किए गए स्टडी इन इंडिया पोर्टल का उपयोग करना होगा। भारत ने देश के शैक्षणिक संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए दो विशेष श्रेणी के वीजा शुरू किए हैं। ई-छात्र वीजा सुविधा का लाभ एसआईआई पोर्टल पर पंजीकृत पात्र विदेशी छात्र उठा सकते हैं, जबकि ई-छात्र-एक्स वीजा ई-छात्र वीजा रखने वालों के आश्रितों को दिया जाता है।

एसआईआई पोर्टल उन अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाता है जो भारत में दीर्घकालिक या अल्पकालिक पाठ्यक्रम करना चाहते हैं। छात्रों को वीजा के लिए अलग से इंडियनविज़नऑनलाइन.जीओवी. इन पर आवेदन करना होगा, लेकिन उनके आवेदन की प्रामाणिकता की जांच एसआईआई आईडी द्वारा की जाएगी। छात्रों के लिए एसआईआई वेबसाइट के माध्यम से भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में आवेदन करना अनिवार्य है। छात्र एसआईआई के किसी भी साझेदार संस्थान से प्रवेश पत्र प्राप्त करने के बाद वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

ई-छात्र वीजा ऐसे विदेशी नागरिकों को दिया जाएगा, जो भारत में अध्ययन के लिए प्रवेश प्राप्त करते हैं और जो भारत में वैधानिक और नियामक निकाय द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में नियमित, पूर्णकालिक, स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और ऐसे अन्य औपचारिक कार्यक्रमों में अध्ययन करना चाहते हैं। छात्र वीज़ा पांच साल तक के लिए जारी किए जाते हैं, जो कोर्स की अवधि पर निर्भर करता है। भारत में इन्हें बढ़ाया भी जा सकता है। इसके अलावा, जिनके पास वैध ई-छात्र वीजा है, वे किसी भी वांछित आव्रजन जांच चौकी से भारत में प्रवेश कर सकते हैं।

एसआईआई शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख परियोजना है, जो अपने 600 से अधिक साझेदार संस्थानों के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मेजबानी करती है, जो इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कृषि, विज्ञान, कला और मानविकी, भाषा अध्ययन, वाणिज्य, कानून, फार्मेसी, नर्सिंग को कवर करने वाले पैरामेडिकल विज्ञान और बौद्ध अध्ययन, योग आदि जैसे चुनिंदा पाठ्यक्रमों में 8000 से अधिक विविध पाठ्यक्रम प्रदान करती है।

इसके अलावा, वे विभिन्न स्तरों पर उपलब्ध हैं, जैसे स्नातक (स्नातक), स्नातकोत्तर (स्नातकोत्तर), डॉक्टरेट स्तर (पीएचडी) और प्रमाणन-आधारित पाठ्यक्रम। विकल्पों की विविधता (पाठ्यक्रमों में) की उपलब्धता के कारण, छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम चुनने और प्रमुख भारतीय संस्थानों में अध्ययन करने की सुविधा मिलती है। एसआईआई के साथ जुड़ने की प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान है और इसे ऑनलाइन आवेदन जमा करने, छात्रों की पसंद के कार्यक्रमों में प्रवेश लेने और प्रवेश के लिए आवेदनों की आगे की प्रक्रिया के माध्यम से किया जा सकता है।

छात्र अभी पंजीकरण करें टैब पर क्लिक करके आवेदन करने के लिए पहला चरण, अर्थात पंजीकरण, पूरा करके तुरंत शुरुआत कर सकते हैं। छात्रों को नाम, देश, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी सरल जानकारी भरनी होगी। भारत में अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने और भारत में अध्ययन के लिए आवेदन करने के इच्छुक प्रत्येक छात्र के पास अपना विशिष्ट छात्र एसआईआई आईडी होना चाहिए, क्योंकि यह आईडी उन्हें अपने डैशबोर्ड तक पहुंचने, कॉलेज और पाठ्यक्रम आवेदनों की प्रगति, वीजा/ई-वीजा और भारत में उच्च शिक्षा से संबंधित अन्य प्रक्रियाओं पर नजर रखने में मदद करेगी।

मंदाकिनी नहीं, खुशबू को राम तेरी गंगा मैली में लेना चाहते थे राज कपूर!

खुशबू सुंदर ने 1980 के दशक में हिंदी फिल्मों में एक बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी और 1990 के दशक में तमिल और तेलुगु फिल्मों में लीड रोल में नजर आई थीं। वहां उन्हें काफी प्रसिद्धी मिली। हालांकि कम ही लोगों को पता होगा कि वह बॉलीवुड की कल्ट फिल्म राम तेरी गंगा मैली के लिए राज कपूर की पहली पसंद थीं। हालांकि बाद में उन्हें मंदाकिनी से रिप्लेस कर दिया गया। हाल ही में एक इंटरव्यू में खुशबू ने खुलासा किया कि उन्हें दिवंगत राज कपूर ने राम तेरी गंगा मैली में कास्ट किया था।

विकी लालवानी के साथ यूट्यूब चैनल पर बातचीत करते हुए खुशबू ने बताया कि राज कपूर मुझे राम तेरी गंगा मैली में लॉन्च करना चाहते थे। हम इसके लिए एक फोटो शूट भी कर चुके थे। उन फोटोज को देखकर राज कपूर ने कहा था,'यह मेरी गंगा है।' प्लानिंग थी कि पहले गंगोत्री का शेड्यूल पूरा किया जाए,लेकिन उस वक्त बर्फबारी हो रही थी। इसलिए उन्होंने कोलकाता में शूटिंग करने का फैसला किया, जहां पर रेडलाइट एरिया का सीन दिखाना था। इस सीन में गंगा पहले से एक बच्चे की मां बन चुकी थी।

साउथ में बनी सुपरस्टार, आज हैं मशहूर नेता

राम तेरी गंगा मैली 1984 में शूट हुई थी और अगले साल,1985 में रिलीज हुई। यह फिल्म राज कपूर ने अपने बेटे राजीव कपूर को लॉन्च करने के लिए बनाई थी। फिल्म में राजीव कपूर के अपोजिट मंदाकिनी थीं। यह मंदाकिनी की भी पहली फिल्म थी। खुशबू ने बताया कि मैं उस समय मैं पूरे 14 साल की भी नहीं थी। तो राज जी ने कहा,'वह खुद एक बच्ची हैं। और उसके हाथ में बच्चा अच्छा नहीं लगेगा। ऐसे में गंगा के रोल से उन्हें हटा कर मंदाकिनी को कास्ट किया गया।

राम तेरी गंगा मैली अगस्त 1985 में रिलीज हुई और एक बड़ी हिट साबित हुई। यह फिल्म राज कपूर द्वारा निर्देशित आखिरी फिल्म थी, जो उनके निधन के कुछ वर्षों बाद रिलीज हुई। खुशबू ने 1985 में ही फिल्म मेरी जंग से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद,उन्होंने 1986 में तेलुगु फिल्म कालीयुग पांडवुलु से साउथ सिनेमा इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इसके बाद,वह चेन्नई चली गईं और बाद में वह साउथ की कई हिट फिल्मों में दिखीं। 13 साल के लंबे ब्रेक के बाद, खुशबू ने 2021 में राजनीकांत की फिल्म अन्नात्थे से फिल्मों में वापसी की। उन्हें हाल ही में वनवास में देखा गया,जो कि 30 साल बाद उनकी पहली हिंदी फिल्म थी।

ये जवानी है दीवानी की री-रिलीज ने सिनेमाघरों में मचाई धूम

रणबीर-दीपिका का जादू फिर से लाया रंग!

अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित ये जवानी है दीवानी ने सिनेमाघरों में शानदार वापसी की है। 3 जनवरी को 46 शहरों में 140 पीवीआर आईनॉक्स सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ हुई इस फ़िल्म को लोगों ने खूब पसंद किया। मूल रूप से 31 मई, 2013 को रिलीज़ हुई इस फ़िल्म ने रणबीर कपूर को सुपरस्टार बना दिया।करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, ये जवानी है दीवानी की लोकप्रियता इसके असाधारण संगीत, शानदार लोकेशन और समकालीन कहानी की वजह से है। रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर और कल्कि कोचलिन के दमदार अभिनय के दम पर यह फ़िल्म एक कल्ट क्लासिक बन गई है।पुन: रिलीज़ की शानदार एडवांस बुकिंग बिक्री - बुक माई शो पर 41,440 टिकटें बिकीं - इसकी निरंतर अपील को दर्शाती है। हैदराबाद में अतिरिक्त शो जोड़े गए हैं, जो फ़िल्म की नई मांग को दर्शाता है।ये जवानी है दीवानी की वापसी ने फिल्म प्रेमियों के बीच इसकी लोकप्रियता को और मजबूत किया है। इस री-रिलीज़ से नए दर्शकों को फिल्म के जादू का अनुभव करने का मौका मिलेगा, साथ ही पुराने दर्शकों की पुरानी यादें भी ताज़ा होंगी।

ये जवानी है दीवानी की री-रिलीज ने सिनेमाघरों में मचाई धूम, रणबीर-दीपिका का जादू फिर से लाया रंग!

अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित ये जवानी है दीवानी ने सिनेमाघरों में शानदार वापसी की है। 3 जनवरी को 46 शहरों में 140 पीवीआर आईनॉक्स सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ हुई इस फ़िल्म को लोगों ने खूब पसंद किया। मूल रूप से 31 मई, 2013 को रिलीज़ हुई इस फ़िल्म ने रणबीर कपूर को सुपरस्टार बना दिया।करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, ये जवानी है दीवानी की लोकप्रियता इसके असाधारण संगीत, शानदार लोकेशन और समकालीन कहानी की वजह से है। रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर और कल्कि कोचलिन के दमदार अभिनय के दम पर यह फ़िल्म एक कल्ट क्लासिक बन गई है।पुन: रिलीज़ की शानदार एडवांस बुकिंग बिक्री - बुक माई शो पर 41,440 टिकटें बिकीं - इसकी निरंतर अपील को दर्शाती है। हैदराबाद में अतिरिक्त शो जोड़े गए हैं, जो फ़िल्म की नई मांग को दर्शाता है।ये जवानी है दीवानी की वापसी ने फिल्म प्रेमियों के बीच इसकी लोकप्रियता को और मजबूत किया है। इस री-रिलीज़ से नए दर्शकों को फिल्म के जादू का अनुभव करने का मौका मिलेगा, साथ ही पुराने दर्शकों की पुरानी यादें भी ताज़ा होंगी।

कॉमेडी में अश्लीलता ने टैलेंट को किया पीछे : खुशबू कमल

कॉमेडी का सुनहरा दौर शायद अब खत्म हो गया है, और अभिनेत्री खुशबू कमल के अनुसार, इसका कारण आजकल के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और बनने वाले कॉमेडियन हैं जो सोचते हैं कि चौंकाने वाली बातें ही मजाक हैं। खुशबू कमल, जिन्हें भाभी जी घर पर हैं और एफआईआर जैसे प्रसिद्ध शोज में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है, आज के कॉमेडी सीन के बारे में साफ-साफ बोल रही हैं, खासकर उर्फी जावेद, कुशा कपिला और कॉमेडियन समय रैना को यह कहकर कि वे कॉमेडी को स्किन, अपमान और निम्न स्तर के मजाक का सर्कस बना रहे हैं।खुशबू कमल का कहना है कि कॉमेडी का असली सार अब कहीं खो गया है। उर्फी जावेद, कुशा कपिला और समय रैना जैसे लोग कॉमेडी के नाम पर सिर्फ ध्यान खींचने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, इन्होंने कॉमेडी को एक ऐसा मंच बना दिया है, जहां अगर मजाक काम नहीं करता, तो बैकअप प्लान कपड़े उतारने या विवादित बातें कहने का होता है। खुशबू का मानना है कि इस नई तरह की कॉमेडी ने असली हंसी और रचनात्मकता को खत्म कर दिया है। उनके अनुसार, अगर मजाक नहीं चल पाया, तो यह या तो पर्वनल ड्रामा बन जाता है या अश्लीलता का प्रदर्शन। यह कॉमेडी नहीं है, बल्कि खराब थिएटर है। उन्होंने साफ किया कि ऐसे जॉनर से वे इमोरेस्ड नहीं हैं।खुशबू कमल ने जॉनी लीवर, डेविड धवन और ऋषिकेश मुखर्जी जैसे बड़े कलाकारों की तारीफ की, जो बिना गंदे मजाक या दिखावे के कॉमेडी में मजा और सादगी लाए।उन्होंने कहा, कपिल शर्मा और भारती सिंह आज भी बिना किसी गलत चीज के हमें खूब हंसाते हैं। लेकिन ये नए कॉमेडियन? इनकी गलत हरकतों ने असली कॉमेडी को खत्म कर दिया है। खुशबू ने अपनी नाराजगी साफ-साफ जाहिर की।खुशबू कमल ने ऐसी कॉमेडी का बच्चों पर पडने वाले असर पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, बच्चे इनसे क्या सीख रहे हैं? उन्होंने कहा कि ऐसे गलत व्यवहार को सही मानना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने कहा, क्या हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे समझें कि कपड़े उतारना या गंदी बातें करना ही लोगों को हंसाने का तरीका है? माता-पिता को ऐसी चीजें देखकर सोचना चाहिए और शर्म महसूस करनी चाहिए।अपने आखिरी बयान में खुशबू कमल ने अपनी बात जोरदार तरीके से रखी। उन्होंने कहा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को अब एक बड़ा बदलाव करने की जरूरत है, वरना ये बिना टैलेंट वाले लोग बच्चों को मनोरंजन के नाम पर गलत और नुकसान पहुंचाने वाली बातें सिखाते रहेंगे। कॉमेडी अब खत्म हो चुकी है, और इन लोगों ने अपनी बेकार हरकतों से उसे दफना दिया है। खुशबू का यह कड़ा बयान न सिर्फ सोचने पर मजबूर करता है, बल्कि बदलती कॉमेडी की दुनिया में नई बहस की शुरुआत भी कर सकता है।

कबीर दुहान सिंह ने बताया, कैसे योग और ध्यान ने उन्हें बचाया

मलयालम फिल्म 'मार्को' में नजर आए अभिनेता कबीर दुहान सिंह ने कहा कि फिल्म में खतरनाक किरदार साइरस की भूमिका निभाने से उन पर गहरा असर पड़ा और इस मुश्किल बदलाव के दौरान ध्यान और योग उनका सहारा बना।

अपने अनुभव को शेयर करते हुए अभिनेता ने बताया कि साइरस की भूमिका ने उन्हें मानसिक रूप से कैसे प्रभावित किया। इस बारे में बात करते हुए कबीर ने कहा, मार्को के लिए मुझे जो पहचान मिली है, उसका मुझे लंबे समय से इंतजार था और इसे मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने अभिनेता के रूप में मेरी पहचान को और मजबूत किया।

उन्होंने कहा कि साइरस की भूमिका निभाना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण और पहले निभाए गए किसी भी डार्क किरदार से एकदम अलग था। फिल्म के एक सीन के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, फिल्म के एक सीन ने मुझे मेरी सीमाओं से परे धकेल दिया। सीन में एक गर्भवती महिला की हत्या भी शामिल है। यह किरदार यकीनन भारतीय सिनेमा का सबसे क्रूर खलनायक है और इसे जीवंत करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। यह सिर्फ स्विच ऑन और ऑफ करने का मामला नहीं था; इस कठिन परिवर्तन के दौरान ध्यान मेरा सहारा बना रहा। एक्शन थ्रिलर 'मार्को' की बात करें तो इसे हनीफ अदेनी ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में उन्नी मुकुंदन मुख्य भूमिका में हैं, जबकि सिद्दीकी, जगदीश, अभिमन्यु एस थिलकन, एनसन पॉल और युक्ति थरेजा सहायक भूमिका में हैं।'मार्को' केरल के सबसे प्रसिद्ध सोने के व्यापार करने वाले परिवारों में से एक, अडट्टू की कहानी है। एक घटना अडट्टू परिवार को हिला देती है। परिवार का मुखिया जॉर्ज सच्चाई को उजागर करने और जिम्मेदार लोगों को खोजने के लिए निकल पड़ता है।

इंस्टाग्राम अकाउंट हैक होने पर चाहत खन्ना ने दी प्रतिक्रिया

यह चौंकाने वाला था

टेलीविजन अभिनेत्री चाहत खन्ना ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के हैक होने के बारे में बात की। 'बड़े अच्छे लगते हैं' में काम कर मशहूर हुई अभिनेत्री ने बताया कि अकाउंट हैक होना और फॉलोअर्स का तेजी से घटना उनके लिए काफी चौंकाने वाला रहा। काफी प्रयास और सुरक्षा प्रोटोकॉल की मदद से खन्ना का अकाउंट रिकवर हो चुका है। हालांकि, हैक के बाद लगभग 2.5 मिलियन फॉलोअर्स उन्हें अनफॉलो कर चुके हैं।

अभिनेत्री ने कहा, यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला था। सब कुछ ठीक रखने और जांच करने के बावजूद, हैकर्स किसी तरह मेरे अकाउंट तक पहुंच गए। मेटा टीम ने जल्द से जल्द मेरा अकाउंट रिकवर करने में मदद की। हालांकि, मुझे इस सब के बीच लगभग 2.5 मिलियन फॉलोअर्स की गिरावट दिखी और यह काफी अजीब रहा। हैकिंग तुर्की में होने का संदेह है। अभिनेत्री ने मेटा टीम को धन्यवाद देते हुए आगे लिखा, जल्द से जल्द मेरे अकाउंट तक पहुंच वापस पाने में मेरी मदद करने के लिए मेटा की टीम का शुक्रिया। उम्मीद है कि अब सब ठीक रहेगा। बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं है जब अभिनेत्री साइबर क्राइम का शिकार हुई हैं। इससे पहले साल 2020 में चाहत खन्ना साइबर क्राइम का शिकार हो गई थीं। उनके सोशल मीडिया अकाउंट को एक पुराने दोस्त ने हैक कर लिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि हैकिंग के लिए जिम्मेदार व्यक्ति उनका पूर्व मित्र था, जिसके साथ उनका झगड़ा हो गया था। चाहत ने घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पिछले महीने, खन्ना ने दुबई में अपने ब्वॉयफ्रेंड रोहन गंडोत्रा के साथ छुट्टियां मनाते हुए अपनी तस्वीरें शेयर करके सुर्खियां बटोरी थी। हालांकि चाहत ने रोहन के साथ अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन साथ में उनका लगातार छुट्टियां मनाना और सार्वजनिक रूप से दिखना इस बात का संकेत है कि वे रिलेशनशिप में हैं।

चाहत खन्ना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने टीवी शो 'हीरो-भक्ति ही शक्ति है' से अपनी अभिनय की शुरुआत की थी। उन्होंने कई लोकप्रिय शो में काम किया है, जिनमें 'कुमकुम-एक प्यारा सा बंधन', 'काजल', 'बड़े अच्छे लगते हैं', 'कुबूल है' के साथ अन्य शोज के नाम शामिल हैं। टेलीविजन के अलावा चाहत कई विज्ञापनों और फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

आपे गुरु चेला गुरु गोबिंद सिंह जी

मानवता की पहली कसौटी मानवीय उच्च मूल्यों के गरिमा की रक्षा करना है। इसके लिए भले ही अपना सर्वस्व क्यों ना न्योछावर करना पड़े । मानवीय सर्वोच्च मूल्यों की सुरक्षा एवं संवर्धन हेतु स्वयं उन मूल्यों का अंगीकार करना आवश्यक है। तभी लोक मानस उस महानायक का अनुसरण करता है। ऐसे ही महान युगपुरुष, लोकनायक गुरु गोविंद सिंह जी के बताए आदर्शों पर चल,उनके बताए सत्य मार्ग पर चलकर मनुष्य आज अपना जीवन सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए उद्युक्त है।

खालसा पंथ के संस्थापक, संत सिपाही, त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति, शूरता और वीरता के पुंज, अवतारी महापुरुष का इस संसार में आगमन 26 दिसंबर 1666 में माताजी गुजरी जी एवं पिता श्री गुरु बहादुर जी के घर पटना साहिब बिहार में हुआ। गुरुजी का बचपन में नाम गोविंद राय रखा गया था। आपके जन्म के समय श्री गुरु तेग बहादुर जी असम की यात्रा पर गए हुए थे। बाला प्रीतम के नाम से सुशोभित बालक गोविंद राय पटना की संगत के प्रिय थे ।बचपन से ही उनके विचारों में प्रगल्भता एवं कृति में स्पष्टता थी।

गुरु गोबिंद सिंह जी का आविर्भाव उस समय हुआ था जब मानवता को अमानुषिक तत्वों द्वारा सरेआम पैरों तले रौंदा जा रहा था। अनाचार,अत्याचार, अन्याय से त्रस्त सामान्य जन त्राहिमाम था।ऐसे में अपने युग के सबसे शक्तिशाली मुग़ल शासन के अत्याचारों के विरुद्ध गुरु गोविंद सिंह जी ने लोहा लिया था। मात्र 9 वर्ष की आयु में अपने पिता श्री गुरु तेग बहादुर जी को हिंदू धर्म की रक्षा के लिए सज्ज रहने के लिए प्रेरित करने वाले गुरुजी का संपूर्ण जीवन ही युगों तक मानवता धर्म की रक्षा में अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले महान धर्म पुरुष के रूप में सदैव याद किया जाएगा।गुरु गोविंद सिंह प्रवृत्ति से संत ही थे और उनके मन में दीन दुखियों के प्रति करुणा, दया, प्रेम , संवेदनशीलता थी ,वहीं दूसरी ओर अन्याय का दमन करने, दुष्टों का नाश करने के लिए उन्हें सिपाही भी बनना पड़ा। उन्होंने अपने हाथ में शस्त्र केवल दीन दुखियों की रक्षा, अन्याय का प्रतिरोध तथा अमानवीय प्रवृत्तियों का दमन करने के लिए ही उठाया था।उनके पास कोई संगठित सैन्य बल नहीं था। युद्ध करना उनके जीवन का लक्ष्य नहीं था। परंतु परमात्मा पर अखंड विश्वास तथा दिन हिन ,दुर्बलों की सहायता करने की उत्कंठ आकांक्षा द्वारा ज्ञान तथा सत्य के बल पर उन्होंने सामान्य दुर्बल जनता में अदम्य साहस तथा शौर्य का ऐसा संचार किया कि एक-एक सिख सिपाही सवा लाख के बराबर हो गया ।अपने अतुल्य साहस तथा पराक्रम के बल पर गुरुजी ने अत्याचारियों का नाश किया, परंतु अपने पराक्रम का उन्हें कभी रंच मात्र भी गर्व नहीं था ।अपनी अपार शक्तियों का उन्होंने कभी दुरुपयोग नहीं किया। गरीब, लाचार, दुर्बलों पर कभी शस्त्र नहीं उठाया अपितु उनकी रक्षा में अपना सर्वस्व दे दिया। केवल मात्र 42 वर्ष की आयु भोगने वाले गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने धर्म की रक्षा के लिए, निर्बलों की ,मानवीय मूल्यों की रक्षा करने हेतु अपने माता पिता, अपने चार पुत्रों का बलिदान दिया।अपने पुत्रों के बलिदान पर कहा चार मुए क्या हुआ, जीवत कई हज़ार अर्थात् उनका बलिदान हजारों को जीवन देगा। गुरु गोविंद सिंह जी ने अन्याय का विरोध करते हुए 14 बड़े युद्ध लड़े। सबमें विजय हासिल की। वे वीर योद्धा थे ,एक सच्चे कर्मयोगी थे ।उनके संपर्क में आने वाला सामान्य जन भी विशेष हो जाता था।

उन्होंने ज्ञान तथा सत्य के द्वारा विजय प्राप्त की। अपने जीवन काल में गुरु जी ने शस्त्र धारण साम्राज्य प्राप्ति के लिए नहीं अपितु अत्याचार का विध्वंस करने के लिए किए।परमात्मा पर विश्वास रख कर्म करने की प्रेरणा देने वाले गोविंद सिंह जी एक ओर जहां उत्कृष्ट सिपाही थे वहीं दूसरी ओर एक अद्वितीय कवि और महान संत थे ।परिस्थितियों ने उन्हें शस्त्र उठाने की चुनौती दी जो उन्होंने हंसते-हंसते स्वीकार की। एक कवि हृदय वाले गुरु जी ने सदैव मानवीय उच्च मूल्यों की स्थापना ही की ।प्रेम द्वारा ही मनुष्य सत्कर्मों को प्राप्त कर सकता है ऐसा उनका मानना था। साच कहूं सुन लेहो सबै ,

जिन प्रेम कीयो तीन ही प्रभ पायो ।। यहां कोई छोटा बड़ा नहीं है, यह संदेश सबके लिए है।जिसने सच्चे मन से प्रेम किया है,उसने परमात्मा,प्रभु को पाया है। गुरु गोविंद सिंह जी ने मानवता को सर्वोपरि मानते हुए कहा मानस की जात सबे एकै पहचानबो।।

गुरु गोबिंद सिंह जी ने समय की मांग को ध्यान में रखकर मुगल शासन के निर्दयता एवं अत्याचारों से त्रस्त हो चुके जाने सामान्यजन में नई चेतना का संचार किया।13 अप्रैल सन् 1699 में बैसाखी वाले दिन आनंदपुर साहिब पंजाब में सभी धर्म तथा जाति के लोगों को गुरु जी ने एकत्रित होने का आह्वान किया और सिर धर तली गली मेरी आओ कसौटी पर परख कर 80000 से भी ज्यादा एकत्रित हुए जन समूह में से उन्होंने पांच प्यारों का चुनाव किया। उन्हें अमृतपान कराया और खुद उनसे अमृत पान कर सिंह सजे और खालसा पंथ की स्थापना की ।सवा लाख से एक लड़ाऊं तब है गोविंद सिंह नाम कहाउका चरित्रार्थ करते हुए हिंदुस्तान में वर्षों से दबे कुचले,जाती पति ,मिथ्या आडंबरों, अज्ञान के चक्र में फंसे सामान्य जन को स्वतंत्र रूप से अच्छाई और सच्चाई के पथ पर अग्रसर किया। गुरुजी ने जुल्मी शासको का मुंह तोड़ जवाब दिया और उनका दर्प चूर कर दिया।

गुरुजी ने जिस नए समाज का बीजारोपण किया था उसका तत्कालीन युगीन लोगों ने विरोध किया था ,परंतु आज हम यह कह सकते हैं कि आपे गुरु चेला कहकर गुरुजी ने खालसा को जो श्रद्धा स्थान दिया वह वर्तमान काल की लोकतांत्रिक परंपरा को देखते हुए बिल्कुल ही उचित कहा जा सकता है। वस्तुतः गुरुजी ने लोकतंत्र की सही तस्वीर मानव समाज के समक्ष आज से लगभग 350 साल पहले ही रख दी थी।

अपने अंतिम समय में गुरुजी ने दक्षिण की ओर प्रस्थान किया। माधव दास बैरागी कोअमृत पान करवा कर बंदा सिंह बना पंजाब की ओर भेजा। जहां बंदा सिंह जी ने सरहद के नवाब वजीर खान से प्रतिशोध लेकर उसका अंत किया। नांदेड की पवित्र नगरी में गुरुजी ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को गुरु गद्दी पर विराजित कर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को गुरु की उपाधि देकर समस्त विश्व को विश्व बंधुत्व ,भाईचारे, मानवता का दिव्य संदेश दिया। आज के इस विषम तथा असामाजिक परिस्थितियों में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की गुरबाणी का संदेश सारी मानव जाति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह कहकर अकाल पूरख परमात्मा की विजय कही जिन्होंने सारी सृष्टि की रचना की है। हम गुरुजी के बताए मार्ग पर चलकर मानवता की गरिमा को और उज्जवल बनाएं। ऐसे महापुरुष की शिक्षा का अंगीकार कर अपना जीवन व्यतीत करें ।महापुरुषों के बताए सतमार्ग पर चलकर हम उनके सच्चे सेवक बन सकते हैं ।श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश गुरुपूरब की सभी को अनंत शुभकामनाएं ।

-डॉ. राजेंद्र कौर महाजन
हैदराबाद।

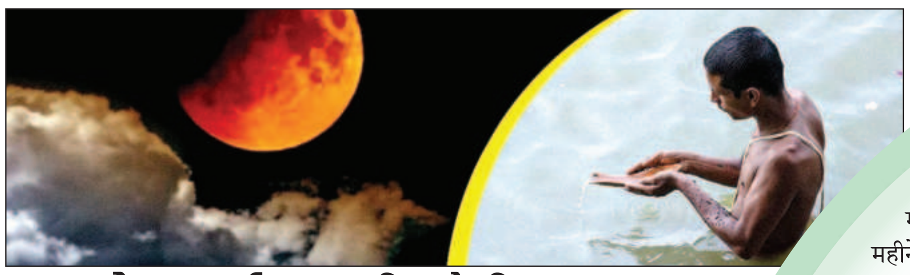

29 को मनाई जाएगी मौनी अमावस्या

माघी अमावस्या का सनातन धर्म में बड़ा धार्मिक महत्व है। इस दिन को शास्त्रों में बहुत ही शक्तिशाली माना जाता है। इस दिन पितरों से जुड़े अनुष्ठान किए जाते हैं। कहा जाता है कि जो लोग अपने पूर्वजों की मृत्यु की तारीख नहीं जानते हैं, उन्हें इस दिन उनका पिंडदान करना चाहिए, इससे उन्हें मुक्ति मिल जाती है। साथ ही बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है। वहीं, इसकी डेट को लेकर लोगों के मन में थोड़ी कन्फ्यूजन बनी हुई।

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरूआत 28 जनवरी को शाम को 07 बजकर 35 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन 29 जनवरी को शाम को 06 बजकर 05 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए इस बार मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी।

मौनी अमावस्या 2025 स्नान-दान मुहूर्त

मौनी अमावस्या के दिन स्नान-दान ब्रह्म मुहूर्त से ही शुरू हो जाएगा। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 25 मिनट पर शुरू होगा और सुबह 6 बजकर 18 मिनट तक रहेगा। इस दिन सुबह से लेकर रात 9 बजकर 22 मिनट तक सिद्धि योग रहेगा। इसके साथ ही अमृत काल सुबह 09 बजकर 19 मिनट से रात 10 बजकर 51 मिनट तक रहेगा। वहीं, विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 22 मिनट से 03 बजकर 05 मिनट तक रहेगा। इस दौरान आप स्नान-दान से लेकर सभी शुभ कार्य कर सकते हैं।

मौनी अमावस्या 2025 पितृ पूजन मंत्र

ॐ पितृगणाय विद्महे जगत धारिणी धीमहि तन्नो पितृो प्रचोदयात्।।

ॐ देवताभ्य: पितृभ्यश्च महायोगिभ्य एव च। नम: स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नम:।।

ॐ आद्य-भूताय विद्महे सर्व-सेव्याय धीमहि। शिव-शक्ति-स्वरूपेण पितृ-देव प्रचोदयात्।।

एकादशी पर विष्णु जी को लगाएं ये 3 भोग अन्न और धन से भर जाएगा घर

पौष पुत्रदा एकादशी का उपवास श्री हरि का आशीर्वाद पाने के लिए एक महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। यह पौष महीने के शुक्ल पक्ष के 11वें दिन पड़ता है। इस एकाशी का अर्थ - 'पुत्रों का दाता'। यह एकादशी मुख्य रूप से पुत्र की इच्छा रखने वाले जोड़ों द्वारा मनाई जाती है। इस दिन भक्त कठिन उपवास का पालन करते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। कहते हैं कि इस तिथि पर व्रत रखने से मनचाहा फल मिलता है। वहीं, अगर इस दिन भगवान विष्णु को उनका प्रिय भोग चढ़ाया जाए, तो इससे शुभ फलों की प्राप्ति होती है,

पंजीरी - पौष पुत्रदा एकादशी पर भगवान विष्णु को धनिया की पंजीरी का भोग लगाना बहुत अच्छा माना जाता है। इस भोग को अर्पित करने से घर में धन का अभाव नहीं रहता है। साथ ही देवी लक्ष्मी खुश होती हैं।

पंचामृत - एकादशी पर भगवान विष्णु को पंचामृत का भोग जरूर लगाना चाहिए, ये उनके प्रिय भोग में से एक है। कहते हैं कि इस भोग को अर्पित करने से जीवन में शुभता आती है। साथ ही भय-बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

केसर की खीर - यह भोग नारायण के प्रिय भोग में से एक है। इस चढ़ाने से मनचाहा वरदान मिलता है। ऐसे में इस दिन विष्णु जी को ये भोग जरूर लगाएं।

भोग मंत्र

त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये।
गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ।

पौष पुत्रदा एकादशी 2025 शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, पौष महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 09 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 22 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 10 जनवरी को सुबह 10 बजकर 19 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए इस बार एकादशी का व्रत 10 जनवरी को रखा जाएगा। इसके साथ ही इसका पारण 11 जनवरी की सुबह 07 बजकर 15 मिनट से 08 बजकर 21 मिनट के बीच होगा।

जनवरी से लेकर दिसंबर तक, खरीदारी के लिए बन रहे हैं कई मंगलकारी मुहूर्त, मिलेगा शुभ फल

सनातन धर्म में सभी शुभ कार्यों को करने से पहले मुहूर्त का खास ध्यान रखने को कहा जाता है, जिनमें से एक खरीदारी का कार्य भी शामिल है। यह व्यक्ति के लिए बहुत खास पल होता है। साथ ही इसका हमारे जीवन पर भी असर पड़ता है। इसलिए कहते हैं कि कैसी भी खरीदारी हो उस दौरान समय का विशेष ध्यान रखें।

खरीदारी शुभ मुहूर्त

साल 2025 में 365 में से 172 दिन शुभ हैं। जनवरी में तीन अमृत सिद्धि योग हैं। पहला 7 जनवरी को पड़ रहा है। 9 मार्च को और 24 मार्च को गुरु पुष्य नक्षत्र बन रहा है। इसके साथ जनवरी से दिसंबर तक 114 सर्वार्थ सिद्धि, 27 अमृत सिद्धि, 2 गुरु पुष्य और 2 रवि पुष्य नक्षत्र और 27 त्रिपुष्कर योग बन रहे हैं। ऐसे में कुल 172 दिन शुभ योग का संयोग बन रहा है। ज्योतिष गणना के आधार पर 16 जनवरी से विवाह से जुड़े सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि इस माह में विवाह के 10 शुभ मुहूर्त हैं।

इस दौरान भी कर सकते हैं शुभ काम

इसके अलावा आकाश मंडल में 27 नक्षत्र होते हैं। इनमें से सबसे शुभ पुष्य नक्षत्र को माना जाता है। इन 27 में आठवां नक्षत्र पुष्य होता है। पुष्य नक्षत्र शनि, गुरु और चंद्र का प्रभाव रहने से ये खरीदारी के साथ नए काम की शुरुआत के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है। ऐसे में इस दौरान आप किसी भी प्रकार की खरीदारी और शुभ कार्य कर सकते हैं।

पक्षीराज गरुड़ से जुड़ी है महाकुंभ की ये प्रचलित कथा, भगवान विष्णु से हुआ था युद्ध

हर 12 वर्षों में चार पवित्र स्थानों में महाकुंभ महापर्व का आयोजन होता है। देश-दुनिया के कोने-कोने से नागा-साधु, सन्यासी, संत, किन्नर, करोड़ों श्रद्धालु कुंभ के अमृत को पाने पहुंचते हैं। ऐसा कहा जाता है कि 850 वर्ष पहले कुंभ की शुरुआत शंकराचार्य ने की थी। ज्योतिष के अनुसार, कुंभ मेले का आयोजन ग्रहों की स्थिति यानि बृहस्पति के कुंभ राशि में प्रवेश और सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के आधार पर होता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार कहा जाता है कि कुंभ का आयोजन समुद्र मंथन के दौरान आदिकाल से ही हो गया था। इसको लेकर कुछ और भी कहानियां प्रचलित हैं। इनमें एक कहानी है सांपों और पक्षीराज गरुड़ की।

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ से जुड़ी है यह कहानी

एक ऋषि थे जिनका नाम था कश्यप। उनकी दो पत्नियां थी जो आपस में बहने थीं, एक थीं कद्रू और दूसरी विनीता।कद्रू ने ऋषि कश्यप से एक दिन एक वरदान मांगा कि मुझे 100 विषैले बच्चे चाहिए, जो बहुत शक्तिशाली हों। ऋषि कश्यप ने तथास्तु कह दिया और कद्रू को मिले 100 अंडे।

विनीता को मिले दो बड़े अंडे

यह देखकर विनीता को लगा कि मुझे भी वरदान मिलना चाहिए। विनीता भी ऋषि कश्यप के पास गईं और उन्होंने कहा कि मुझे भी वरदान दीजिए, मगर मेरे बच्चे कद्रू के बच्चों से ज्यादा शक्तिशाली होनें चाहिए। ऋषि कश्यप ने तथास्तु कहा और विनीता को मिले दो बड़े अंडे।

सर्पों की मां कद्रू

कद्रू के पास जो 100 अंडे थे वह एक करके धीरे-धीरे टूटने लगे और उन अंडों में से बच्चे यानी सांप निकलने लगे। आज पूरी दुनिया में जितने सर्प हैं उन सब की मां कद्रू को माना गया है। कद्रू के एक-एक करके जब अंडे टूटने लगे और उनमें से बच्चे निकल लगे तो विनीता के सब्र का बांध टूटने लग गया, उनको लगा कि जब इसके बच्चे हो रहे तो मेरे क्यों नहीं हो रहे और जल्दबाजी में विनीता ने दो में से एक अंडा खुद अपने हाथ से फोड़ दिया।

विनीता को मिले अंडो से निकले अरुड़ और गरुड़

उस अंडे से जो निकला वह अर्ध विकसित शरीर था, एक ऐसा शरीर जो ऊपर से कमर तक बना था, मगर कमर के नीचे तैयार होना बचा था और नाराजगी से उन्होंने अपनी मां विनीता से कहा कि यह गलती जो आपने मेरे साथ किया वह दूसरे अंडे के साथ मत कीजिएगा। सब्र रखिए और आसमान में उड़ गया।

उनका नाम अरुड़ पड़ा और वो आगे चलकर भगवान सूर्य के रथ के सारथी बने। समय के साथ जब दूसरा अंडा फूटा तो उसमें से एक शक्तिशाली बाज पैदा हुआ और उसका नाम रखा गरुड़।

अमृत कलश लाने की शर्त

इन सब के बीच गरूण की मां विनीता, अपनी बहन कद्रू से एक शर्त हारने के कारण उनकी दास बन गईं। गरुड़ को यह अच्छा नहीं लगा, उन्होंने कद्रू और उनके बच्चों से जो सांप थे पूछा कि मेरी मां को कैसे मुक्ति मिलेगी। तब कद्रू और उनके बेटों ने शर्त रखी कि अगर तुम देवों के पास रखा समुंद्र मंथन से निकला अमृत कलश ला दोगे तो दोनों को दासत्व से मुक्त कर देंगे।

गरुड़ और देवों के बीच युद्ध

अब शक्तिशाली गरूण देव लोक पहुंच गए और छिपा हुआ अमृत कलश लेकर उड़ चले। ये देख देवों के राजा इंद्र उनके सामने आ गए, जिन्हें गरुड़ ने हरा दिया। देवों ने तमाम कोशिश की लेकिन गरुड़ से जीत नहीं पाए। अंत में हारकर सब विष्णु जी के पास पहुंचे। और बोले कि अनर्थ हो जाएगा। अगर यह अमृत कलश गलत हाथों में चला गया तो।

भगवान विष्णु से गरुड़ का युद्ध

देवों की वनती के बाद गरूण के सामने भगवान विष्णु युद्ध में उतरे। गुरुण और विष्णु जी के बीच युद्ध शुरू हो गया। इसी बीच में विष्णु जी को यह समझ में आया कि गरुड़ के हाथ में अमृत कलश है, मगर गरुड़ उसको खोल कर अमृत ग्रहण नहीं कर रहे हैं सिर्फ हाथ में पकड़कर उसे बचा रहे हैं।

भगवान विष्णु ने गरुड़ को बनाया वाहन

विष्णु जी ने पूछा कुंभ को लेकर कहां जाने की कोशिश कर रहे हो और जब अमृत तुम्हारे हाथ में तो उसको पी क्यों नहीं रहे हो। तब गरुड़ ने पूरी व्यथा बताई कि वह अपनी मां को मुक्त करने के लिए ले जाना चाहते हैं। विष्णु जी ने कहा कि ठीक है, मैं एक शर्त पर तुमको यह अमृत कलश ले आने दूंगा। जमीन पर पहुंचने के बाद तुम हमेशा के लिए मेरे वाहन बन जाओगे और मेरे साथ रहोगे।

गरुड़ ने यह शर्त स्वीकार कर ली, जिसके बाद कलष विष्णु जी ने ले जाने दिया, लेकिन गरुड़ ने अमृत कलश जैसे ही जमीन पर रखा विष्णु जी ने मायावी शक्तियों से उस कलश को वहां से गायब कर दिया लेकिन क्योंकि वह अमृत कलश कद्रू और उनकी मां तक पहुंचा दिया था, इसलिए उनकी मां को दासत्व से मुक्ति मिल गई।

चार जगहों पर गिरी अमृत की बूंदें

जब गरुड़ और विष्णु जी में युद्ध हो रहा था तो कलश से कुछ अमृत छलका और वह पृथ्वी पर चार जगहों पर गिरा। वह चार जगहें उज्जैन ,हरिद्वार, नासिक और प्रयागराज, जहां आज महाकुंभ होता है। और इस बार 2025 में यह महाकुंभ प्रयागराज में लग रहा है।

संपादकीय

निशाने पर मुजीब

बांग्लादेश में उग्र छात्र आंदोलन के बाद जो स्थितियां बनी हैं वे न तो इस देश के हित में हैं और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में। जनविद्रोह की स्थितियों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद लगातार बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत तब देखने को मिली, जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल 16 दिसंबर को विजॉय दिबोश यानी विजय दिवस के मौके पर दिए गए संबोधन में युवा राष्ट्र के संस्थापक कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान का उल्लेख तक नहीं किया। उल्लेखनीय है कि यह दिवस भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके, लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर आमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी। इस तरह अराजकता व अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच नये विमर्श गढ़ने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, अंतरिम सरकार और कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश मुक्ति अभियान के दौरान जियाउर रहमान एक सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने 1971 के युद्ध में विशिष्टता के साथ सेवाएं दी थी। वे कालांतर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी बने थे। अपदस्थ सरकार के कर्ताधर्ता दलीलें दे रहे हैं कि उनके योगदान को राष्ट्र द्वारा उचित रूप से सम्मान देना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि इसके जरिये मुजीबुर्रहमान के योगदान को कम करने की कोशिशें भी की जा रही हैं। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार करना अनुचित ही होगा। दरअसल, यह सिर्फ सत्ता के केंद्र में आए व्यक्तियों की बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि बांग्लादेश में मुजीब के चित्र वाले नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने की कुत्सित कोशिशें भी की जा रही हैं। निश्चित रूप से गलत दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि तमाम निर्णय कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रहों से प्रेरित हैं। इसके बावजूद कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार चुनाव को बार-बार अराजनीतिक कहने से नहीं चूकती। यहां उल्लेखनीय है कि जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो रही है। दरअसल, सरकार पर उन छात्र नेताओं का भी बड़ा दबाव है, जिन्होंने शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था।

वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके, लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर आमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी।

घात प्रतिघात की नीतियों में या कुटिल चालों में ऐसे उलझे कि रेल की सीटी की आवाज भी हमें सुनाई नहीं दी

जिंदगी निकट से होकर चली गई...

डॉ राकेश कुमार आर्य

युधिष्ठिर परिव्राजक जी इस विषय में अपने प्रवचनों में कहते हैं कि जैसे कोई व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर जाता है और वहाँ जाकर उसे पता चलता है कि गाड़ी के आने में अभी बहुत समय है तो वह ताश खेलने लगता है, टीवी देखने लगता है या किसी और दूसरे मनोरंजन में अपने आपको लगा लेता है। उससे पूछा जाए कि क्या कर रहे हो? तो वह कहता है कि टाइम पास कर रहा हूँ। बस, यही स्थिति हम सब की हो गई है। हम सब मोक्ष प्राप्ति के जिस उद्देश्य को लेकर यहाँ आए थे, उससे अलग हटकर सांसारिक विषय वासना, ऐश्वर्यों और भोगों में अपने आप को लगाकर टाइम पास कर रहे हैं।

हम संसारीजन जब परस्पर एक दूसरे से कुशल क्षेम पूछते हैं तो अक्सर कुशल क्षेम बताने वाला व्यक्ति यह कहता हुआ पाया जाता है कि 'बस कर रहे हैं टाइम पास।' युधिष्ठिर परिव्राजक जी इस विषय में अपने प्रवचनों में कहते हैं कि जैसे कोई व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर जाता है और वहाँ जाकर उसे पता चलता है कि गाड़ी के आने में अभी बहुत समय है तो वह ताश खेलने लगता है, टीवी देखने लगता है या किसी और दूसरे मनोरंजन में अपने आपको लगा लेता है। उससे पूछा जाए कि क्या कर रहे हो? तो वह कहता है कि टाइम पास कर रहा हूँ। बस, यही स्थिति हम सब की हो गई है। हम सब मोक्ष प्राप्ति के जिस उद्देश्य को लेकर यहाँ आए थे, उससे अलग हटकर सांसारिक विषय वासना, ऐश्वर्यों और भोगों में अपने आप को लगाकर टाइम पास कर रहे हैं। समझ लो कि जैसे स्टेशन पर बैठे व्यक्ति के पास रेल में बैठने का टिकट होता है वैसे ही यह मानव रूपी चोला ईश्वर ने हमें मोक्ष की गाड़ी में बैठने का टिकट देकर भेजा है। पर हम भी ताश खेलने में लग गए। मैं वकील हूँ, मैं प्रोफेसर हूँ, मैं पत्रकार हूँ, मैं नेता हूँ, मैं विधायक हूँ, मंत्री हूँ- ये सारे के सारे ताश के पत्ते हैं, जिनमें हम उलझ कर रह गए। हम इन पत्तों को चलते फेंटते रह गए और रेल आकर हमारे पास से चली गई। हम एक दूसरे को नीचा दिखाने की घात प्रतिघात की नीतियों में या कुटिल चालों में ऐसे उलझे कि रेल की सीटी की आवाज भी हमें सुनाई नहीं दी। हम टाइम पास करते रह गए और टाइम हमारे बहुत निकट से होकर निकल गया। हमने इस संसार में आने के बाद डॉक्टर, वकील, प्रोफ़ेसर, उद्योगपति या ऐसे ही अन्य खिलौनों को प्राप्त कर यह समझ लिया कि शायद हम जीवन के वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर चुके हैं, जबकि यह तो मात्र टाइमपास का साधन था। हमने साधन को साध्य समझ लिया। इन सबको प्राप्त करके हमें इनके बीच रहकर बड़े लक्ष्य को प्राप्त करना था, पर उस वाली बात हो गई कि-

हम फूल चुनने आए थे बागे हयात में।
दामन को खारजार में उलझा के रह गए।।

आत्मा की इच्छा थी कि मानव योनि को पाकर ईश्वर का सानिध्य, सामीप्य मिलेगा, उसकी आराधना और उपासना का समय मिलेगा और उसकी आराधना- उपासना का आनंद अनुभव कर सकूँगी। पर मानव ने यहाँ आते ही दूसरी दुकानों पर जाकर ऐसे ऐसे सौदे खरीदने आरंभ कर दिए जिनका आत्मा से

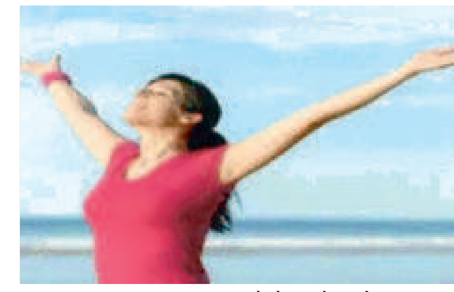

दूर का भी संबंध नहीं था। उन्होंने मेवों को खाने वाली अर्थात आत्मानंद के योगरूपी भोग से अपने आपको जोड़कर चलने वाली आत्मा को कूड़ा कबाड़ खिलाना आरंभ कर दिया। सारी कुछ फजीहत हो गई। शंकराचार्य जी से जब पूछा गया कि ₹मुमुक्षुत्वम किम ?₹ उन्होंने कहा- ₹मोक्षो मे भूयादितीच्छा₹- अर्थात मेरा मोक्ष हो, ऐसी इच्छा का होना मुमुक्षुत्व है। स्वामी दयानंद जी सरस्वती ने इसकी व्याख्या यह की है जैसे क्षुधा-तृषातुर को सिवाय अन्न जल के दूसरा कुछ भी अच्छा नहीं लगता, वैसे बिना मुक्ति के साधन और मुक्ति से अन्य दूसरे में प्रीति न होना मुमुक्षुत्व है। उत्कट अभिलाषा का होना कि सब प्रकार के दुखों से मुझे मुक्ति मिल जाए और परमानंद प्राप्त हो। साधक जब इस अवस्था को प्राप्त हो जाता है तो उसे परोपकार और परमार्थ के अतिरिक्त अन्य कोई दूसरा रास्ता अपने आपको साधकर और संभाल कर चलने के लिए दिखाई नहीं देता। ऐसी अवस्था को प्राप्त साधक जगतहित और प्राणिमात्र के कल्याण में लगा रहता है। उनसे प्राप्त आनंद को जब प्रभु की गोद में बैठकर अर्थात संध्या उपासना में जाकर उसे सौंपता है तो उसका यह आनंद और भी अधिक बढ़ जाता है। ऐसे साधक को यदि भूख लगती है तो वह भी परमार्थ, परोपकार और परमानंद की लगती है और यदि प्यास लगती है तो वह भी परमार्थ, परोपकार और परमानंद की लगती है। सारा कुछ इन्हीं तीनों शब्दों में सिमट कर रह जाता है। तब उसे संसार के ऐश्वर्य और ऐषणाएँ अपनी ओर आकर्षित नहीं करतीं। संसार के लफड़ों झगड़ों में पड़े उन लोगों के बीच जाकर वह अपने आप को असहज अनुभव करता है जिन लोगों की चेतना घुटनों में निवास करती हो। क्योंकि ऐसे लोग संसार के लफड़े और झगड़ों में ही सुख की अनुभूति करते हैं। उनके बीच बैठकर उसे लगता है कि जैसे उसने अपना समय नष्ट कर दिया है। वह टाइम पास करने वाला नहीं होता बल्कि वह टाइम का सदुपयोग करने वाला होता है। उसके लिए एक एक पल कीमती होता है।

ऐसे साधक की वियोग की तड़प बढ़ने लगती है। तब वह कहता है :-

मैं प्यासी हैं पीव की रटत सदा पिव पीव।
पिया मिले तो जीवहाँ सहजै त्यागो जीव ।।

महर्षि दयानंद ने ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका के उपासना विषय में यजुर्वेद के 11 वें अध्याय के पहले मंत्र का अर्थ करते हुए लिखा है कि- "योग को करने वाला मनुष्य तत्वज्ञान अर्थात ब्रह्म ज्ञान के पहले जब अपने मन को परमेश्वर में युक्त करते हैं तब परमेश्वर उनकी बुद्धि को अपनी कृपा से अपने में युक्त कर लेता है। फिर वह परमेश्वर के प्रकाश को निश्चय करके यथावत धारण करते हैं। पृथ्वी के बीच में योगी का यही प्रसिद्ध लक्षण है।" यजुर्वेद के इसी अध्याय के तीसरे मंत्र की व्याख्या में महर्षि दयानंद ने लिखा है कि₹ वही अंतर्यामी परमात्मा अपनी कृपा से उनको अर्थात साधकों को युक्त करके उनके अंतरात्मा में प्रकाश ब्रह्म ज्योति को प्रकट करता है। कितना पवित्र है मेरा वेद? कितना महान्‌ है मेरा भारत? जिसकी वेदों की ऋचाएँ मनुष्य को महान्‌ बनने की प्रेरणा देती हैं। उसके जीवन को सुव्यवस्थित करती हैं। सच्ची धर्मनिरपेक्ष शिक्षा यदि कहीं से मिल सकती है तो निश्चित रूप से वह वेदों से ही मिल सकती है। संसार के झगड़ों से बचाकर और संसार में रहकर इस प्रकार की मानसिकता से ऊपर उठाने की शिक्षा केवल वेद की ऋचाएँ ही दे सकती हैं कि यहाँ पर काफिरों को खत्म कर दो और जो आपकी बात को नहीं मानते हैं उनके सर कलम कर दो आदि आदि। वेद का एक-एक शब्द इसके विपरीत अपने साधक को यही कहता है कि इस संसार में ऐसा कुछ भी मत करना जो उपद्रव, उत्पात और उग्रवाद को प्रोत्साहित करे या बढ़ावा दे। क्योंकि यदि इन सारे झगड़ों में अपने जीवन को नष्ट किया तो अनर्थ हो जाएगा। ईश्वर से की गई प्रतिज्ञा का उल्लंघन हो जाएगा। इसलिए वेद कहता है कि यहाँ आकर टाइम पास मत करो, खिलौनों में मत उलझो। ताश मत खेलो। ऐसा ना हो कि तुम ताश खेलते रह जाओ और मोक्ष रूपी गाड़ी आकर चली जाए। प्रमाद रूपी नींद के झटके मत लो बल्कि समय का सदुपयोग करते हुए ईश्वर के निकट जाने की साधना में लगो। इसके लिए जितने भी जन्म लेने पड़ें उतने लेते रहो पर तैयारी करो मोक्ष की। जिससे आवागमन के दुखपूर्ण चक्र से छुटकारा मिल सके।

दृष्टि कोण

आर्थिक मंदी की आहट कीजिए महसूस

लगता है भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी गति से नीचे की ओर जा रही है– 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने के पिछले अनुमान की बनिस्बत अब इसे 6.4 प्रतिशत बताया जा रहा है। बहुत से वैश्विक विश्लेषकों का कहना है कि अगले वित्तीय वर्ष में भी रफ्तार यही बनी रहने की उम्मीद है। स्पष्ट है हमारी अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से शिथिलता की ओर जा रही है। यद्यपि धीमी चाल पर भी, भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अधिकांश अन्य बड़े देशों की तुलना में अधिक रहेगी। तभी तो, इस मंदी से नेतृत्व को इतनी चिंता नहीं हो रही है क्योंकि यह अभी भी स्थायित्व वाले स्तर पर बनी रहेगी। लेकिन मंदी का कारण और उसका उपाय खोजना महत्वपूर्ण है क्योंकि लोगों का एक बड़ा वर्ग अभी भी बहुत गरीब है। इससे भी खराब यह कि अमीर-गरीब की आय में बहुत अंतर है, केवल एक छोटा वर्ग ही देश की उच्च अर्थव्यवस्था के फल का लाभ उठा रहा है। वर्ष 2022-23 में, भारत की सकल राष्ट्रीय आय का 22.6 प्रतिशत अंश आबादी के शीर्ष एक फीसदी अमीरों के हाथ गया। इसके अलावा, ग्रामीण-शहरी अंतर भी है। ग्रामीण भारत में जरूरत की चीज़ों पर खर्च प्रति व्यक्ति 3,773 रुपये था, जबकि शहरी भारत में यह 6,459 रुपये रहा। इस प्रकार, अर्थव्यवस्था में शहरी उपभोग का ही अधिक महत्व है। मंदी का मुख्य कारण अपर्याप्त क्रय-शक्ति है। शहरी मध्यम वर्ग पर यह कारक विशेष रूप से लागू है, जो कि समग्र मांग का मुख्य प्रेरक है। इसके परिणामस्वरूप उपभोग आधारित उत्पादक कारोबार में सुस्ती आएगी। ये पूरे वेग से आगे नहीं बढ़ पाएंगे। लिहाजा, कंपनियां कम कर्मचारियों को काम पर रखेंगी। इससे मांग में आगे कमी बनेगी और सकल उपभोग में मंदी बढ़ेगी। ग्रामीण भारत में, स्थिति और भी बदतर है। आजीविका चलाने के लिए, पुरुषों की कमाई अपर्याप्त होने के चलते गांवों के परिवारों की महिलाओं को काम करना पड़ता है। लेकिन, वास्तव में, यह महिलाएं किसी कंपनी या कारखाने में नहीं, बल्कि खेतों में काम कर रही हैं। इसलिए, एक फैक्टरी मजदूर जितनी आय भी उनकी नहीं है। उच्च विकास दर दो ताकतों- विनिर्माण और सेवाओं के बढ़ने से बनती है। लेकिन जैसा कि पहले बताया गया है, अब तक मजबूत रहे विनिर्माण क्षेत्र में भी मंदी जारी है। अगर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं खेतों में काम की बजाय कारखानों में जातीं, तो व्यापक आधार पर विकास होता। उद्योगों एवं सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में बहुत अधिक पूंजी निवेश होने से ही उच्च विकास दर संभव हुई थी, इसमें भी, आधारभूत ढांचे में यह वृद्धि अधिक सार्वजनिक निवेश के माध्यम से संभव हुई थी। बेहतर सड़कें, बिजली और रेलवे तंत्र ने उद्योग जगत को आशावादी महसूस करवाया और अधिक विकास हुआ। इससे कार, ट्रक और दोपहिया वाहनों के बाजार में काफी उछाल आया। इसके परिणाम में मध्यम वर्ग के उपभोग व्यय में इजाफा हुआ, खासकर शहरी क्षेत्रों में। किंतु आज यह कारखाने, जो कि ज्यादातर तेजी से बिकने वाले उपभोग के सामान का उत्पादन करते हैं, सुस्त हो रहे हैं। इसलिए, जिस सपने का हम इंतजार कर रहे थे- ग्रामीण क्षेत्रों की अधिक महिलाओं का शहरी क्षेत्रों में कंपनी-कारखानों में अधिक नौकरियां करना- वह फीका पड़ चल रहा है। अब, सेवा क्षेत्र पर नज़र डालते हैं, जो उच्च विकास की अवधि के दौरान अत्यधिक मजबूत बनती चली गयी थी। मजबूत खपत ने कारों, दोपहिया वाहनों, टीवी सेट आदि को ठीक करने वालों के लिए अधिक रोजगार का सृजन किया। जैसे-जैसे विनिर्माण में कमी आएगी, सेवा क्षेत्र की उच्च विकास दर में भी मंदी आने की संभावना है। अब बात करने को बचा हमारा निर्यात सेवा क्षेत्र, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कौशल का पर्याय है, और अब यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करते हुए और ऊपरी स्तर छू रहा है। लेकिन यहां भी, एक नकारात्मक प्रभाव आड़े आ रहा है– विदेशी ग्राहक कंपनियां अब आसपास के लोगों से काम लेने को तरजीह देने लगी हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाएं आव्रजन के मामले में सख्त होती जा रही हैं, अग्रणी भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए निकटवर्ती क्षेत्र में काम तलाशे जाने की ज़रूरत बढ़ेगी।

कुछ अलग

चुनौतियां बेशुमार

यूं तो नया या पुराना साल एक समय चक्र मात्र है और देश के सामने समस्याएं व चुनौतियां हर दौर में रही हैं। लेकिन हम समय की एक इकाई में अपनी समस्याओं को दूर करने के लक्ष्य निर्धारित कर निराकरण का प्रयास करते हैं। कमोबेश वर्ष 2025 को लेकर भी यही स्थिति रहने वाली हैं। हालांकि महंगाई, बेरोजगारी तथा गरीबी सर्वकालिक व सर्वदेशीय समस्याएं रही हैं, फर्क है तो यही कि सत्ताधीश इन चुनौतियों का मुकाबला कैसे करते हैं। जैसे-जैसे बीता साल पूर्णता की ओर बढ़ रहा था, देश को लेकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में कुछ सकारात्मक तो कुछ चिंता बढ़ाने वाली खबरें वातावरण में तैर रही थीं। हालांकि, बांग्लादेश का राजनीतिक घटनाक्रम व अल्पसंख्यकों पर ज्यादती की खबरें विचलित करने वाली थी। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बांग्लादेश में जिस सत्ताधीश के विरोध में सत्ता पलट हुआ, उस सत्ता की सूत्रधार को भारत ने शरण दी। दरअसल, भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में तार्किक के बजाय भावनात्मक मुद्दे राजनीतिक विमर्श पर हावी रहे हैं। हालांकि, अच्छी बात यह है कि दशकों से जारी एलएसी विवाद सिमटता नजर आया। जिससे चीन से बिगड़े रिश्ते पटरी पर आने की उम्मीद जगी। जिसके मूल में अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम भी है, लेकिन सुखद है कि एशिया की बड़ी महाशक्ति से संबंधों में सुधार आया। बाकी इस माह डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद भारत की विदेश नीति दशा-दिशा तय करती नजर आएगी। जहां तक देश के घरेलू मोर्चे का सवाल है तो आर्थिक सुस्ती सत्ताधीशों की चिंताओं का विषय होनी चाहिए। वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर 5.4 फीसदी रहना चिंता का सबब बनी, क्योंकि यह विकास दर पिछली सात तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर है। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बीता वर्ष आम चुनावों व कई बड़े राज्यों में चुनाव का साल था, जिसमें भारी मात्रा में अनुत्पादक सरकारी खर्च हुआ है। जो कहीं न कहीं देश की विकास दर को प्रभावित करता है। बहरहाल, इसके बावजूद केंद्र सरकार विकास दर व मंदी की आहट को लेकर चिंतित नजर नहीं आती तो उसकी वजह है कि भारत की यह विकास दर भी दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। आर्थिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि वर्ष 2024-25 की तीसरी व चौथी तिमाही में विकास दर के तेज रहने के आसार हैं। जैसा कि केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आगामी वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर 6.6 फीसदी रहेगी। जिसके आधार पर विभिन्न रेटिंग एजेंसियां व आईएमएफ अनुमान लगा रहा है कि इस साल भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यह विचारणीय प्रश्न यह है कि कुलांचें भरते शेयर बाजार और बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करते देश में एक आम आदमी के जीवन में धनात्मक वृद्धि नजर क्यों नहीं आ रही है? सवाल यह भी है कि यदि देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के दावे किए जा रहे हैं तो क्या देश में गरीबी, कुपोषण, असमानता की समस्या खत्म हो रही है? क्या स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित सुधार हो रहा है? आखिर क्यों राजनीतिक लाभ-हानि के गणित से परे संवेदनशील ढंग से बेरोजगारी की समस्या के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते? जब हम यह कहते नहीं थकते कि देश दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश है तो क्या हम इन युवा हाथों को उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध करा पा रहे हैं? आखिर क्यों देश में युवाओं का तेजी से पलायन हो रहा है? क्यों वे छोटी-मोटी नौकरियों के लिये विदेश जाने की होड़ में लगे हैं? क्यों अपनी योग्यता से कम की नौकरी करने को मजबूर हैं।

देश दुनिया से

स्लम बस्तियों को भी विकास की प्रक्रिया से जोड़ने की ज़रूरत

पिछले एक दशक से चली आ रही स्वच्छ भारत अभियान योजना के बहुत सफल परिणाम सामने आने लगे हैं। सितंबर 2024 तक, भारत भर में 5 ।87 लाख से अधिक गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा हासिल कर लिया है, जिसमें 3 ।92 लाख से अधिक गांव ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली लागू कर रहे हैं और 4 ।95 लाख से अधिक गांव तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली स्थापित कर रहे हैं। वहीं अगर शहरी क्षेत्रों की बात करें तो इसी अवधि तक, 63 लाख से अधिक घरेलू शौचालयों और 6 ।3 लाख से अधिक सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण हुआ है। व्यापक सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से, स्वच्छता को भारत के शहरी विकास एजेंडे में सबसे आगे ला दिया है, जिससे शहर स्वच्छ और स्वस्थ बन गए हैं। लेकिन इन्हीं कुछ शहरों में आबाद स्लम बस्ती इस अभियान में कहीं पीछे छूटते नज़र आ रहे हैं। ऐसी ही एक स्लम बस्ती राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित बाबा रामदेव नगर है। जहां के निवासियों को आज भी बुनियादी सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यहां रहने वाले 37 वर्षीय राजेश बताते हैं कि बस्ती में नाली निकासी की कोई सुविधा नहीं है। घरों से निकला गंदा पानी बस्ती के मुख्य मार्ग पर बहता रहता है। जिसमें मक्खी और मच्छर पलते रहते हैं। साफ़-सफाई का यहां कोई इंतज़ाम नहीं है। वह बताते हैं कि दो वर्ष पूर्व जब जयपुर में मूसलाधार बारिश हुई थी तो नाली निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों के घरों में नाली का पानी बह रहा था। आना जाना सब कुछ ठप हो गया था। बस्ती में बीमारियां फ़ैल गई थी। कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने लोगों को खाना बांटा था, लेकिन वह भी बस्ती के बाहर से चले जाते थे।

लोगों को खाने का पैकेट लेने के लिए उसी गंदे पानी से होकर गुज़रना पड़ रहा था। राजेश का कहना है कि सात साल पहले वह अच्छे रोज़गार की तलाश में राजसमंद से जयपुर इस बस्ती में आया था। लेकिन आधे से ज़्यादा कमाई बच्चों की दवाओं पर ही खर्च हो जाता है। वहीं एक अन्य निवासी 65 वर्षीय हंसराज वाल्मीकि बताते हैं कि बाबा रामदेव स्लम बस्ती 20 से अधिक सालों से आबाद है। पहले यह शहर का बाहरी छोर हुआ करता था। लेकिन बढ़ती आबादी के कारण अब यह शहर के अंदर ही कहलाता है। वह बताते हैं कि इन दो दशकों में बस्ती के आसपास कई कॉलोनियां आबाद हो गई। जिनमें बड़ी बड़ी इमारतें बन गई है। जो हर सुविधाओं से लैस है लेकिन इन दशकों में बाबा रामदेव बस्ती विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गया है। यहां आज भी लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्राप्त करने के लिए भी रोज़ संघर्ष करनी पड़ती है। न तो पीने का साफ़ पानी उपलब्ध है और न ही नाली निकासी है। जिससे लोगों को गंदगियों के बीच ही जीवन यापन करना पड़ता है। हंसराज की पत्नी जशोदा बताती हैं कि कुछ वर्ष पूर्व तक बस्ती में महिलाओं के लिए शौचालय की सुविधा भी नहीं थी। लेकिन कुछ समाजसेवियों के प्रयास से बस्ती के बाहर एक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण हुआ है। लेकिन उसमें पानी की सुविधा नहीं है। जिससे अक्सर वह शौचालय गंदा रहता है। इसके कारण महिलाएं उस सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करने की जगह सुबह सवेरे बस्ती से कुछ दूर खुले में शौच को मजबूर हैं। जशोदा कहती हैं कि इस बस्ती की महिलाओं का जीवन बहुत कष्टदायक है। सबसे अधिक समस्या गर्भवती महिलाओं को प्रसव के समय होती है। जब किसी प्रकार का आवासीय प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण सरकारी अस्पताल वाले उनका इलाज करने से मना कर देते हैं। उनके पास इतना पैसा नहीं है कि वह निजी अस्पताल जाएं, इसलिए अप्रशिक्षित दाइयों के माध्यम से उनका प्रसव कराया जाता है। न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित करीब 500 लोगों की आबादी वाले इस बस्ती में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े समुदायों की बहुलता है। जिसमें लोहार, जोगी, कालबेलिया, मिरासी, रद्दी का काम करने वाले, फ़कीर, ढोल बजाने और दिहाड़ी मज़दूरी करने वालों की संख्या अधिक है। यहां रहने वाले सभी परिवार बेहतर रोज़गार की तलाश में करीब 20 से 12 वर्ष पहले राजस्थान के विभिन्न दूर दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रवास करके आये हैं। इनमें से कुछ परिवार स्थाई रूप से यहां आबाद हो गया है तो कुछ मौसम के अनुरूप पलायन करता रहता है। यहां शिक्षा के साथ साथ पीने का साफ पानी सहित कई बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इसका सबसे अधिक प्रभाव किशोरियों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर होता है। बस्ती की अधिकतर किशोरियां कुपोषण से ग्रसित हैं। वहीं आर्थिक समस्या उनके समग्र विकास में बाधा बन रही है। इस बस्ती में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी पूनम कहती है कि यहां 16 वर्ष की आयु तक लड़कियों की शादी हो जाना आम बात है। पौष्टिक आहार के अभाव में लगभग सभी किशोरियों में खून की कमी है। जिससे उनका शारीरिक विकास प्रभावित होता है। हालांकि बस्ती के बाहर संचालित आंगनबाड़ी सेंटर की दीदी समय समय पर यहां की किशोरियों से मिलकर उन्हें आयरन की गोलियां देती रहती हैं। इसके अतिरिक्त कुछ एनजीओ की दीदी भी बस्ती की किशोरियों के बीच सेनेटरी नैपकिन वितरित करती हैं और माहवारी के दौरान उन्हें साफ़ सफाई के बारे में बताती रहती हैं। वहीं 46 वर्षीय भागचंद बताते हैं कि चार साल पहले वह रोज़गार के सिलसिले में परिवार के साथ टोंक से जयपुर के इस बस्ती में रहने आये थे। वर्तमान में वह ई-रिक्शा चलाकर परिवार का गुज़ारा करते हैं। वह बताते हैं कि बस्ती में साफ़ सफाई का अभाव है। लोग खुले में घर का कचरा फेंक देते हैं। इसके अतिरिक्त आसपास की कॉलोनियों के लोग भी अपने घरों का कूड़ा बाबा रामदेव नगर बस्ती के बाहर ही फेंक देते हैं। जिससे उठने वाली बदबू से पूरे बस्ती का वातावरण दूषित होता रहता है। वह बताते हैं कि बुनियादी सुविधाओं के सिलसिले में प्रशासनिक स्तर पर बात की गई थी, लेकिन हमें यह बताया गया कि यह बस्ती अधिकृत भूमि पर नहीं बनी है। इसलिए यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकती हैं। दरअसल हमारे देश की एक बड़ी आबादी आज भी ऐसी है जो शहरों और महानगरों में आबाद तो है, लेकिन वहां पर शहर के अन्य इलाकों की तरह सभी प्रकार की की सुविधाओं का अभाव है। शहरी क्षेत्रों में ऐसे इलाके ही स्लम बस्ती कहलाते हैं।

आप का नजरिया

विवाद की हकीकत

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के बीच विवाद हमेशा के लिए खत्म होना चाहिए। कोर्ट ने बृहस्पतिवार को यह बात उस याचिका को बंद करते हुए कही, जिसमें सड़क दुर्घटना में घायल लोगों के वैशलेस इलाज के लिए 'फरिश्ते योजना' को लागू करने की मांग की गई थी। दरअसल दिल्ली में आए दिन इस तरह की कलह देखने को मिलती है कि किसी योजना को सरकार लागू करना चाहती है तो उपराज्यपाल रोक देते हैं और किसी योजना को केन्द्र सरकार लागू करती है तो दिल्ली सरकार अपने राज्य में उसे लागू नहीं करती। उपराज्यपाल वेंद्र सरकार का प्रातिनिधित्व करते हैं। इसलिए उनकी हर कार्रवाई वेंद्र सरकार की सहमति से ही होती है। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना है कि दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच विवाद हमेशा के लिए खत्म होना चाहिए का तात्पर्य है कि वेंद्र और राज्य के बीच मचे टंटे से आम नागरिकों की मुसीबतें बढ़ती हैं। सच तो यह है कि दिल्ली वेंद्र शासित प्रादेश है। इसमें चुनी हुई सरकार जरूर है किन्तु महत्वपूर्ण विषय वेंद्र सरकार के पास हैं इसलिए राज्य सरकार का तिलमिलाना स्वाभाविक है। यह स्पष्ट है कि जब दिल्ली सरकार किसी मुद्दे पर सहमति न बन पाने के कारण सुप्रीम कोर्ट जाती है तो वह निाति रूप से तो यही तर्व देती है कि वेंद्र एक चुनी हुई सरकार के पैसलों को मानने से इंकार कर रहा है और इससे जनसामान्य का जीवन प्राभावित हो रहा है। वही वेंद्र सरकार के प्रातिनिधि यानि उपराज्यपाल के पास आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर- पोस्टिंग का अधिकार है इसलिए दिल्ली के सभी अधिकारी उपराज्यपाल के प्राति ज्यादा ही समर्पित होते हैं। इसका मतलब यह है कि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल नहीं है इसलिए उसके सामने दो ही विकल्प हैं कि या तो हर मामले पर वेंद्र से भिड़ी रहे अथवा वेंद्र के साथ समन्वय स्थापित करके जनता के हित में कल्याणकारी योजना ईमानदारी से लागू करती रहे। दिल्ली सरकार आज जिस पाटा के नेतृत्व में चल रही है, वह आंदोलन से निकले हुए लोग हैं। सहमति और समन्वय पर वे कभी भी विश्वास करते ही नहीं। 2015 से यह सरकार अपने अधिकारों के लिए कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रही है। कभी दिल्ली हाईकोर्ट तो कभी सुप्रीम कोर्ट जाती है। कभी पैसले उसके पक्ष में आते हैं तो कभी उसके विपक्ष में। किन्तु सरकार इसी बात पर अड़ी रहती है कि उसका पक्ष सही है जबकि वेंद्र सरकार और उपराज्यपाल यह साबित करते हैं कि दिल्ली की यह पहली सरकार है जिसके मुख्यमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद है जो वेंद्र सरकार को ही कोई महत्व नहीं देती। इसका मतलब यह है कि वेंद्र सरकार और उपराज्यपाल का भी दिल्ली सरकार के प्राति दृष्टिकोण काफी कठोर है। पहले तो दिल्ली सरकार को लगता था कि उनकी हरकतों को वेंद्र सरकार अनसुना और अनदेखा कर देगी लेकिन अब ऐसा नहीं है। राज्य सरकार ने पहली बार 2015 में 1991 के राष्ट्रीय राजधानी विधेयक की समीक्षा के लिए पहले दिल्ली हाईकोर्ट गए जहां उनके मन के मुताबिक पैसला नहीं आया तो वह सुप्रीम कोर्ट चले गए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द–गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ–बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार–ही–प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली–भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं– लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 06 जनवरी 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी सायं 06:25 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 07:07 तक
योग : परिघ रात्रि 02:04 तक
करण : गर प्रातः 07:22 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 05:56 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 06:07 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:59 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– देव पितृ सोमवती अमावस्या , धनुर्मास चालू है , गण्डमूल रात्रि 07:08 से , भद्रा सायं 06:25 से

◆ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ◆

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान की 50 से अधिक ट्रेनों के नंबर बदले

जयपुर,05 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर पश्चिम रेलवे ने राजस्थान के विभिन्न स्टेशनों से संचालित होने वाली लगभग 60 ट्रेनों के नंबर बदल दिए हैं। इन परिवर्तनों का उद्देश्य रेल सेवाओं को अधिक सुव्यवस्थित और यात्रियों को सुविधा प्रदान करना है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि अब ये ट्रेनें नए नंबरों के साथ संचालित होंगी।

यात्रियों के लिए क्या है जरूरी?

टिकट बुकिंग करते समय नए नंबरों का ध्यान रखें। नई व्यवस्था के तहत यात्रा की प्लानिंग करें, ताकि लोकेशन ट्रैकिंग और सीट बुकिंग में कोई परेशानी न हो। जिन ट्रेनों को स्पेशल से नियमित किया गया है, उनका किराया भी कम हो जाएगा।

करीब चार दर्जन स्पेशल ट्रेनें अब नियमित रूप से संचालित होंगी। नए नंबर लागू होने से यात्रियों को टिकट बुकिंग और किराए में राहत मिलेगी नई व्यवस्था से ट्रेन संचालन में अधिक पारदर्शिता और सटीकता आएगी।

जयपुर, जोधपुर, उदयपुर सहित प्रमुख रूट्स पर बदलाव

उत्तर पश्चिम रेलवे के अनुसार, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर और अजमेर से गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के नंबर बदले गए हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या नजदीकी स्टेशन से इन बदलावों की पुष्टि कर लें।

यह बदलाव रेलवे की नई समय–सारणी के तहत किया गया है और यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक साबित होगा। नए नंबर लागू होने के बाद यात्रियों को ट्रेनों की उपलब्धता और लोकेशन ट्रैक करने में सहूलियत होगी।

गांव बंद आंदोलन की तैयारी

रामपाल जाट का राज्यव्यापी प्रवास आज से, 15 जिलों में होंगे कार्यक्रम

जयपुर,05 जनवरी (एजेंसियां)। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट द्वारा 29 जनवरी को प्रस्तावित गांव बंद आंदोलन की तैयारी के लिए 6 जनवरी से 13 जनवरी तक राज्यव्यापी प्रवास का प्रथम चरण आरंभ किया जाएगा। इस प्रवास में 15 जिलों का दौरा किया जाएगा, जहां ग्राम सभाओं और पत्रकार वार्ताओं का आयोजन होगा।

प्रवास की शुरुआत 6 जनवरी को जयपुर से होगी। रामपाल जाट भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में 16 दिसंबर से चल रहे आमरण अनशन को समर्थन देते हुए सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद चित्तौड़, उदयपुर, जोधपुर, अजमेर, अलवर समेत अन्य जिलों में कार्यक्रम जारी रहेंगे। इस दौरान प्रत्येक जिले में ग्रामसभा और पत्रकार वार्ता आयोजित की जाएगी।

गांव बंद आंदोलन को स्वैच्छिक और अहिंसात्मक बनाए रखने के लिए कार्यकर्ताओं को आत्म संयम, सत्य, शांति, और अहिंसा का संदेश दिया जाएगा।

आंदोलन का उद्घोष रहेगा : वे जाति धर्म से तोड़ेंगे, हम मूंग चने से जोड़ेंगे। कार्यक्रम के तहत जिला स्तर पर कार्यकर्ताओं से संवाद और ग्राम स्तर पर संकल्पित मंडलियों के गठन पर जोर दिया जाएगा। किसान महापंचायत के युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी और प्रदेश मंत्री बत्ती लाल बैरवा भी इस प्रवास का हिस्सा होंगे।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

जयपुर,05 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू–कश्मीर के बांदीपोरा में वीरगति को प्राप्त राजस्थान के हवलदार हरिराम रेवाड़ (नागौर) और

लांस नायक नितीश कुमार (कोटपूतली–बहरोड़) को सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, मां भारती के इन अमर सपूतों के सर्वोच्च बलिदान पर पूरे राष्ट्र को गर्व है। कृतज्ञ राष्ट्र सदा इन वीरों का ऋणी रहेगा। हमारे जवानों ने अपने परिवार से पहले राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा और अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

कर्नल राठौड़ ने ईश्वर से प्रार्थना की कि ये अमर बलिदानी आत्माएं अपने दिव्य लोक में शांति पाएं और उनके परिवारों को इस कठिन समय में साहस और संबल मिले।

इन वीर सपूतों के बलिदान ने फिर से यह साबित कर दिया कि भारतीय जवान हर परिस्थिति में देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए तत्पर रहते हैं। मां भारती के इन वीरों का अदम्य साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा।

अजमेर दरगाह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पेश की चादर

देश में अमन–चैन और खुशहाली की दुआ की

अजमेर,05 जनवरी (एजेंसियां)। ख्वाजा गरीब नवाज के 813वें उर्स के मौके पर रविवार को देश के रक्षा मंत्री, राजनाथ सिंह ने अजमेर दरगाह में चादर पेश की और देशवासियों के लिए अमन–चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। चादर लेकर दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुनव्वर खान पहुंचे और मजार शरीफ पर चादर अर्पित की। इस दौरान वे बुलंद दरवाजे से राजनाथ सिंह का संदेश भी पढ़ा गया, जिसमें उन्होंने ख्वाजा साहब के बताए गए सौहार्दपूर्ण जीवन के मार्ग को सराहा।

राजनाथ सिंह ने अपने संदेश में कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती जी के उर्स में देश–विदेश से श्रद्धालु भाग लेने के लिए अजमेर पहुंचे हैं। उन्होंने ख्वाजा साहब के सिखाए गए एकता और आपसी भेदभाव को मिटाने के संदेश का जिक्र करते हुए सभी धर्मों और संप्रदायों के श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। राजनाथ सिंह ने यह चादर दिल्ली में अपने आवास पर मुनव्वर खान को सौंपते हुए इस पर्व के महत्व को रेखांकित किया।

गौर्मेट स्टाइल थ्री कोर्स मेन्यू में परोसा गया ऑथेंटिक राजस्थानी क्यूजीन

जयपुर,05 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और रसोई परंपराओं को राजसी अंदाज़ में जयपुर के फूड लवर्स के लिए परोसा गया। यह नज़ारा था देश के जाने–माने सेलिब्रिटी शेफ डॉ. सौरभ शर्मा की रसोई 'राज रासा' का, जो भारत का पहला राजस्थानी फाइन डाइनिंग रेस्तरां है।

आमेर रोड स्थित इस राजसी रसोई में भव्य आयोजन के दौरान शेफ सौरभ ने अपने कुकिंग के अनुभव को मेहमानों के सामने साझा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत 24 न्यूज़ चैनल के सीईओ और एडिटर इन चीफ डॉ. जगदीश चंद्र ने शिरकत की। इस दौरान शेफ सौरभ शर्मा, आदित्य अग्रवाल और सु–शेफ प्रतीक शर्मा ने अतिथियों का स्वागत सत्कार किया। कार्यक्रम में जयपुर के कई गणमान्य अतिथियों ने भी शिरकत कर राजस्थान की गरिमामयी डिशेस का लुत्फ़ उठाया।

शेफ सौरभ ने बताया कि 'राज रासा' में ऑथेंटिक राजस्थानी रेसिपीज़ के साथ कोई मॉडर्न बदलाव नहीं किया जाएगा। रेगिस्तानी भूभाग, राजपूत योद्धाओं, स्थानीय समुदायों और शाही कहानियों से प्रेरित समय के साथ धूमिल हो चुकी इन रेसिपीज़ को पुनः जीवंत करने और पूरी तरह से प्रामाणिक स्वरूप में परोसने के लिए समर्पित रहेगा।

नूंह में दहेज हत्या के मामले में पति को 10 साल की सजा

नूंह,05 जनवरी (एजेंसियां)। दहेज हत्या के एक मामले में नूंह की अदालत ने महिला के पति को दोषी ठहराते हुए उसे 10 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अजय कुमार वर्मा की अदालत ने 2 जनवरी 2025 को सुनाया, जिसमें पति सुधीर को हत्या का दोषी करार दिया गया था।

मृतका की पहचान निर्मला के रूप में हुई है, जो 27 अक्टूबर 2017 को अपने ससुराल में फांसी के फंदे से लटकी मिली थी। महिला के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए बताया कि मृतका को दहेज के रूप में 5 लाख रुपए और एक कार की मांग को लेकर ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे थे।

महिला की हत्या का छह साल बाद मिला न्याय

मृतका के पिता, बिजेंद्र सिंह ने पुलिस को सूचित किया था कि ससुराल वालों ने उनकी बेटी की हत्या की है क्योंकि उनकी दहेज की मांग पूरी नहीं हो पाई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुधीर और उसके परिवार के पांच अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस की जांच में मृतका के खिलाफ उत्पीड़न और दहेज हत्या के सबूत मिले थे, जिसके बाद आरोपी पति सुधीर को गिरफ्तार किया गया। अदालत ने इस मामले में सभी ठोस प्रमाणों के आधार पर फैसला सुनाया, जिसमें कोर्ट ने सुधीर को दोषी मानते हुए उसे 10 साल की सजा दी। यह फैसला 6 साल की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आया है, जो इस तरह के जघन्य अपराधों में न्याय की उम्मीदों को कायम रखता है।

उधार मांगने पर दुकानदार को लाठी–डंडों से पीटा, मौत

नूंह,05 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में एक दुकानदार की लाठी–डंडों से पिटाई के बाद मौत का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि दुकानदार ने आरोपी से उधार के पांच सौ रुपये मांगे थे, जिसके बाद आरोपी ने हारून नाम के दुकानदार की पीट–पीटकर हत्या कर दी। इस मामले में रविवार को एफआईआर दर्ज की गई।

मामला फिरोजपुर झिरका उपमंडल के पाठखोरी गांव का है। मृतक के बेटे अब्दुल कुद्दूस ने बताया कि आरोपी पर 500 रुपये का उधार था। उन्होंने जब उधार के पैसे वापस मांगे तो आरोपी भिड़ गया। इसी दौरान आरोपी ने अपने साथियों को फोन कर दुकान पर ही बुला लिया। इसके बाद उन्होंने मेरे पिता को बेरहमी से पीटा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।उन्होंने आगे कहा कि पिटाई करने वालों में सैकुल, वहीद, माकूल, मुर्शीद और अली नाम के लोग शामिल थे। हमारी पुलिस से यही मांग है कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर मेरे पिता को इंसाफ दिलाया जाए।

एमएसपी पर खरीद ना करने पर किसान कम दामों पर बेच रहा है फसल : बजरंग गर्ग

चंडीगढ,05 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने व्यापारी व किसानों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि केंद्र सरकार किसान व आढ़तियों की पूरी तरह अनदेखी कर रही है। सरकार द्वारा नए कृषि व मंडी का नियम पूरी तरह किसान व आढ़ती विरोधी है। अनाज प्राइवेट कम्पनिया खरीदे इससे कोई दिक्कत नहीं मगर हर अनाज की खरीद एमएसपी पर मंडी के आढ़ती के माध्यम से होनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार बार–बार कह रही है हर फसल का एक–एक दाना एमएसपी पर खरीद करेंगे तो सरकार को किसान कि फसल एमएसपी पर खरीद करने का कानून बनाना चाहिए जबकि कई सालों से किसान अपनी फसल एमएसपी पर खरीद करवाने के लिए सड़कों पर अंदोलन कर रहे। सरकार किसान व आढ़तियों की बात सुन नहीं रही है अगर सरकार की नियत ठीक है तो सरकार को किसानों से बातचीत करके समस्या का समाधान करना चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में 24 फसलें एमएसपी पर खरीद करने की घोषणा करना झूठ कि पुलिन्दा है। हरियाणा में सिर्फ 17 फसल की ही पैदावार होती है। ऐसे में हरियाणा सरकार कौन–सी 24 फसल एमएसपी खरीदती है जबकि हकीकत यह है कि हरियाणा में किसान अपनी फसल एमएसपी पर बेचने के लिए मंडियों में धक्के खा रहे है। सरकार द्वारा फसल एमएसपी पर खरीद ना करने पर किसान मजबूरी में फसल औने–पौने दामों पर बेच रहा है। सरकार को बताना चाहिए कि हरियाणा में कौन सी 24 फसले एमएसपी पर खरीद की है। सरकार सिर्फ झूठी घोषणा व व्यादे करके किसान, आढ़ती, मजदूर व आम जनता को गुमराह करने की नाकाम कोशिश करने की बजाएं किसान व आढ़तियों की समस्या का समाधान करना चाहिए। पंजाब में अंदोलन होने के कारण हरियाणा में व्यापार व उद्योग पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

हरियाणा में अपराध नियंत्रण पर मंथन, नए कानूनों पर अहम बैठक

चंडीगढ़,05 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में अपराध पर नियंत्रण और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश के आला पुलिस अधिकारियों की अहम बैठक बुलाई गई है। यह बैठक 10 जनवरी को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में होगी। यह बैठक मुख्यमंत्री सैनी के कार्यकाल की पहली बड़ी पहल मानी जा रही है, जिसमें प्रदेश में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने की आगामी योजनाओं पर चर्चा होगी।इस उच्च स्तरीय बैठक में सभी पुलिस रेंज के आईजी, जिलों के एसपी, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर और एडीजीपी स्तर के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। मुख्यमंत्री सैनी के निर्देश पर हर जिले के पुलिस अधीक्षक अपने–अपने क्षेत्र की अपराध रिपोर्ट और पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों का ब्योरा प्रस्तुत करेंगे।हरियाणा में पिछले कुछ समय में अपराध के मामलों में खासकर फिरौती, लूट और संगठित अपराध के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। विपक्षी दल लगातार इस मुद्दे पर सरकार को घेरते रहे हैं। मुख्यमंत्री के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि विपक्ष विधानसभा के आगामी बजट सत्र में कानून व्यवस्था का मुद्दा उठा सकता है।

नए कानूनों को लागू करने की तैयारियां मुख्य एजेंडा होंगी। बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की तैयारियों की समीक्षा होगी। हरियाणा में फरवरी से नए आपराधिक कानून लागू होने जा रहे हैं, जिसके तहत पुलिस की कार्यप्रणाली में बदलाव होगा। इन कानूनों को लेकर पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और कानून की बारीकियां समझाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। डीजीपी शत्रुजीत कपूर इन तैयारियों पर नजर रख रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक बैठक में नए कानूनों के संभावित प्रभावों और उनके क्रियान्वयन की चुनौतियों पर भी चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बैठक से पहले संकेत दिए हैं कि अपराध पर सख्त नियंत्रण उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, हरियाणा को अपराध मुक्त और सुरक्षित बनाना हमारा कर्तव्य है। नए कानून पुलिस को मजबूत करेंगे और अपराधियों में कानून का डर पैदा करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक यह बैठक मुख्यमंत्री सैनी की प्रशासनिक क्षमता की पहली बड़ी परीक्षा होगी।

छात्रों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता : रणबीर गंगवा

चंडीगढ़,05 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित ऋषिकुल विद्या मंदिर के वार्षिक सम्मेलन में शिरकत की। इस मौके पर नागरिकों की समस्याओं को भी सुना।

रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश के हर कोने में छात्रों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की नींव होती है। यह न केवल

व्यक्ति के जीवन को उज्जवल बनाती है, बल्कि समग्र समाज को प्रगति और समृद्धि की ओर ले जाती है। इसके अलावा बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए उन्हें अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी दीजिए। बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने में मां–बाप की भूमिका काफी अहम होती है। अच्छे संस्कार ही हमें एक अच्छा व्यक्ति बनाते हैं और यही संस्कार आगे चलकर हमारे जीवन को आगे बढ़ाने में हमेशा मदद करते रहते हैं। विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें तथा कठोर परिश्रम करें।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के अलावा खेल के माध्यम से भी छात्र अपना भविष्य बना सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के खेलों को नई पहचान मिली है। खेलो इंडिया के माध्यम से देशभर में खेल की उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का प्रयास हुआ है। खेलों के उन्नयन के लिए प्रदेश सरकार ने भी अहम कदम उठाये हैं।

महाकुंभ-2025 : जल, थल और नभ तीनों स्तर पर होगी श्रद्धालुओं की सुरक्षा: डीजीपी

महाकुंभ नगर, 05 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार ने वृहद तैयारी की है। जल, थल और नभ तीनों स्तर पर सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं। इन्हीं सुरक्षा इंतजामों को परखने के लिए शनिवार को उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने मीडिया से वार्ता करते हुए स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रदेश पुलिस की प्राथमिकता में है और इसके लिए सभी स्तरों पर तैयारी पूरी कर ली गई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर सुरक्षा की पुख्ता तैयारी की गई है। मुख्य स्नान के दिन जल, थल और नभ तीनों स्तर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ हमारे लिए बहुत बड़ा अवसर है, जब इस पूरी पृथ्वी पर इतना बड़ा मानव समागम होने जा रहा है। लगभग 40 से 50 करोड़ लोग इस 45 दिन में यहां पर आएंगे। बहुत बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु भी यहां पर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर पिछले कुछ माह से युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, इक्विपमेंट और मैनपॉवर सभी कुछ अनुकूल है। हमारी तैयारी भी अच्छी है और इसको और बेहतर बनाने के प्रयास कर रहे हैं। इस बार आपदा प्रबंधन फायर सेफ्टी तथा ट्रैफिक के लिए विशेष फंड्स जारी किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि यहां पर किसी तरह की कोई कठिनाई न हो इसके लिए सभी तरह के अत्याधुनिक इक्विपमेंट यहां आ चुके हैं। यहां इंटरसेप्टर डेप्लॉय हो चुके हैं। टीथर्ड ड्रोन भी भारी संख्या में तैनात हैं, एंटी ड्रोन सिस्टम भी यहां लगाया गया है। हमारा जो वाटर फ्रंट है उसको इस बार पिछले कुंभ की तुलना में और अधिक मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में घाट की संख्या और क्षमता इसीलिए बढ़ाई गई है कि जो भी श्रद्धालु जिस रूट से भी आ रहे हैं, वह वही स्नान करें और निर्धारित रूट के माध्यम से वापस जाएं। रेलवे के साथ भी हमारा एक बहुत अच्छा समन्वय है। उन्होंने कहा कि साइबर से जुड़े जो मामलों को लेकर भी हम सजगता से कार्य कर रहे हैं। साइबर इसी सिस्टम को कैसे सिक्योर किया जाए यह भी विभिन्न दक्ष एजेंसियों के माध्यम से सुनिश्चित किया गया है।

डीजीपी ने आतंकी खतरों और थ्रेट्स को लेकर कहा कि एटीएस की हमारी पैरा कमांडो की टीम यहां पहुंच चुकी है। हम विभागीय समन्वय और कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी तरह के खतरों को गंभीर मानकर उनकी मॉनिटरिंग और कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा महाकुंभ की सात चक्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित किया गया है और अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय बॉर्डर से लेकर कुंभ क्षेत्र तक सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। इसके अलावा पिछले कुंभ से 40% अधिक फोर्स को यहां पर डेप्लॉय कर दिया गया है।

इससे पूर्व डीजीपी उत्तर प्रदेश ने सिविल लाइन्स थाने का निरीक्षण किया। यहां से वह वीआईपी घाट पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस टीम का संयुक्त मॉक ड्रिल देखा। इसके बाद वह बोटिंग करते हुए संगम पहुंचे और व्यवस्था देखी। साथ ही उन्होंने यहां आचमन भी किया। इसके बाद उन्होंने एटीएस की भी मॉक ड्रिल देखी। इसके बाद उन्होंने बड़े हनुमान जी का दर्शन किया तथा एसएसपी कुंभ के कार्यालय का उद्घाटन और निरीक्षण किया। उन्होंने अक्षयवट थाने का भी निरीक्षण किया और सिपाहियों और दरोगाओं के साथ संवाद किया। इसके बाद उन्हें टीथर्ड ड्रोन और गाड़ियों का डेमो दिखाया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था, रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप पर सुरक्षा प्रबंध की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्हें साइबर क्राइम पर फ़िल्म भी दिखाई गई।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार ने रखा प्रस्ताव

काशी, मथुरा और संभल हिंदुओं को सौंप दें मुसलमान

लखनऊ, 05 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के केंद्रीय पदाधिकारी डॉ. इंद्रेश कुमार ने काशी, मथुरा और संभल जैसे विवादित धार्मिक स्थलों को हिंदुओं को सौंपने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को पहल दिखाकर कुरान और हदीस की रौशनी में बड़े फैसले करने होंगे। उन्होंने विवादित स्थलों का बातचीत के जरिए हल निकालने की वकालत भी की। इंद्रेश कुमार शनिवार को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

कैसरबाग स्थित गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि अदालतें सर्वोपरि हैं, लेकिन विवादित धर्मस्थलों का हल संवाद के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। इससे देश की एकता, अखंडता, सौहार्द, भाईचारा और मेलमिलाप बना रहता है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि मुस्लिम समाज अपनी जिम्मेदारी समझे और संवाद से काशी, मथुरा और सम्भल जैसे स्थलों पर विवाद खत्म करे। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर कब्जा और हिंसा इस्लामिक उसूलों के खिलाफ है।

उन्होंने मुस्लिम समुदाय से इन स्थलों को हिंदू समाज को सौंपने की अपील की, ताकि भारत सांप्रदायिक सौहार्द्र का वैश्विक उदाहरण बने। इंद्रेश कुमार ने कहा कि इस्लाम अमन और इंसाफ का मजहब है। विवादों का हल संवाद और सहमति से निकाला जाना चाहिए। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 का समर्थन करते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि यह कानून मुस्लिम समाज की भलाई और पारदर्शिता के लिए है। वक्फ संपत्तियों को समाज सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए उपयोग में लाना चाहिए। इससे पहले कार्यक्रम का आगाज मुफ्ती नोमान ने कुरान की तिलावत से की।

बीएचयू में बढ़ेंगे कश्मीर, लद्दाख त्रिपुरा समेत 8 राज्यों के छात्र

एकेडमिक काउंसिल को मिला खास प्रस्ताव

वाराणसी, 05 जनवरी (एजेंसियां)। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में अगले सत्र से जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर समेत कुल आठ राज्यों के छात्रों की तादाद बढ़ाई जाएगी। इसके लिए उन्हें बीएचयू के हॉस्टल आवंटन में उच्च वरीयता दी जाएगी। इनकी घरों की दूरी को देखते हुए प्राथमिकता मिलेगी। साथ ही बीएचयू द्वारा भविष्य में उन राज्यों के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप भी शुरू की जा सकती है। अभी तक इन आठ राज्यों से यूजी-पीजी को मिलाकर सिर्फ 60 के आसपास ही छात्र प्रवेश लेते हैं।

बीएचयू की एकेडमिक काउंसिल में रखे गए केंद्रीय प्रवेश समिति के प्रस्तावों पर लंबी चर्चा हुई।

इसमें बताया गया कि बीएचयू में देश भर के अभ्यर्थी प्रवेश लेते हैं, लेकिन इनमें जम्मू कश्मीर, लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय के छात्रों की संख्या काफी कम है। इन राज्यों के छात्र और छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़कर बीएचयू कैंपस की क्षेत्रीय विविधता को बेहतर किया जाएगा।

बीएचयू में सेंट्रल एडमिशन कमेटी के चेयरमैन प्रो. भास्कर भट्टाचार्य ने बताया कि इन इन राज्यों के अभ्यर्थियों को बीएचयू में पढ़ने का बेहतर मौका दिया जाएगा।

इन छात्र और छात्राओं के बीएचयू में आने से कैंपस की एकेडमिक स्थिति में विविधता बरकरार रहेगी। इन्हें हॉस्टल प्रवेश और वित्तीय मदद कर बीएचयू में दूर-दराज वाले छात्रों को वरीयता दी जा सकती है।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा देश: योगी

ओड़ीशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के युवाओं से योगी ने किया संवाद

लखनऊ, 05 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए देश पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। इसके लिए अनेक कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने 15 नवंबर की तिथि को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय दिवस) के रूप में घोषित की। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष होने के कारण यह वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025 के तहत रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओड़ीशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने अपनी बातें रखीं और अपने राज्य की सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की। सीएम ने विपरीत मौसम में भी उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आए युवाओं का स्वागत किया।

सीएम ने युवाओं को यूपी से परिचित कराते हुए बताया कि यूपी देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है। यहां 25 करोड़ की आबादी निवास करती है। 75 जनपद, 18 मंडल, 350 से अधिक तहसीलें, 825 से अधिक विकास खंड, 17 नगर निगम, 200 से अधिक नगर पालिका परिषद और 400 से अधिक नगर पंचायतें हैं। यह प्रकृति व परमात्मा की विशेष भूमि है। मां गंगा, यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ होने जा रहा है। इसमें 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। यूपी में काशी विश्वनाथ धाम, भगवान राम, भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि, लीला भूमि वृंदावन, मां विंध्यवासिनी धाम भी है। उत्तर प्रदेश वैदिक कालखंड से लेकर अब तक की सभ्यता-संस्कृति और देश की आजादी की अनेक घटनाओं की भूमि है।

सीएम योगी ने कहा कि आपको उत्तर प्रदेश को नजदीक से देखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश विकास के मानक में अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। यूपी ने खुद को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया। विकास व सुशासन की पहली शर्त सुरक्षा व कानून व्यवस्था है। उग्रवाद, आतंकवाद, उपद्रव, दंगे-फसाद हैं तो विकास, रोजगार सृजन, सुशासन, निवेश नहीं हो सकता। सीएम ने बच्चों को मंत्र दिया कि हम कानून का पालन करें, कानून हमें संरक्षण देगा। संविधान कानून के प्रति श्रद्धा का यही भाव पैदा करता है। हम सभी संविधान शिल्पी के रूप में डॉ. आंबेडकर को स्मरण करते हैं।

सीएम ने कहा कि यूपी का संबंध इन राज्यों से बहुत नजदीक से है। छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। चित्रकूट में भगवान राम ने वनवास का सर्वाधिक समय यहीं व्यतीत किया। यह उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश का जंक्शन है। मां जानकी जनकपुर से हैं। यह बिहार व नेपाल के बीच में पड़ता है। झारखंड बाबा धाम के लिए जाना जाता है। ओड़ीशा जगन्नाथ भगवान का पावन धाम है। अपनी परंपरा, संस्कृति के प्रति गौरव की अनुभूति, श्रद्धा-सम्मान व देश के प्रति निष्ठा का भाव आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।

सीएम ने कहा कि एक तरफ भारत बड़ी ताकत बन रहा है तो दूसरी तरफ देश के सामने चुनौती भी है।

अगले तीन वर्ष के अंदर भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। इससे हर व्यक्ति की आय में वृद्धि, रोजगार का सृजन, विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश होगा, जिससे युवाओं को जुड़ने का अवसर मिलेगा। सीएम ने कहा कि अपनी परंपरा, लोकगाथा को शानदार तरीके से यहां प्रस्तुत किया गया। हमें संस्कृति को जीवित रखना होगा। इनकी नींव पर ही विकास के नए प्रतिमान को स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा, इसके लिए केंद्र व राज्य सरकारें अपने यहां संग्रहालय बना रही हैं।

अमेरिकी सैन्य अधिकारी हानाई वर्दी छोड़ रम गईं जोगिया रंग में

दीक्षा लेकर सनातन धर्म अपनाया

प्रयागराज, 05 जनवरी (एजेंसियां)। क्रियायोग अभ्यास की वैज्ञानिक प्रविधि से प्रभावित होकर जो बाइडन प्रशासन की सैन्य अधिकारी हानाई त्रिवेणी में डुबकी लगाने के साथ ही सनातन संस्कृति अपनाने भारत आईं। उन्होंने सेना की वर्दी उतारकर जोगिया वस्त्र धारण कर लिया। जल्द ही उनका नया नामकरण होगा।

अमेरिका के बोस्टन शहर की हानाई सेना के लेखा विभाग में अधिकारी हैं। बचपन से ही पढ़ाई में तेज हानाई घूमने और लिखने की शौकीन रही हैं। महंगे शौक उनकी जीवन शैली का हिस्सा रहे हैं।

मां फातिमा और पिता मुहम्मद ने उन्हें बड़े दुलार से पाला। हानाई कहती हैं, मां की बदौलत ही वह सेना में उच्च पद पर पहुंच सकीं। रोड आईलैंड की जॉनसन एंड वेल्स यूनिवर्सिटी से एमबीए की पढ़ाई करने वाली हानाई ने 2014 में सैन्य अफसर के रूप में कमान संभाली। वह अमेरिकी वित्त मंत्रालय में टैक्स एडवाइजर भी रही हैं। हानाई पहली बार यूट्यूब के जरिये आध्यात्मिक गुरु स्वामी योगी सत्यम के क्रियायोग अभ्यास से जुड़ीं और तभी से उनका मन माया-मोह से विरत होने लगा।

वह बताती हैं, क्रियायोग से प्रभावित होकर 2018 में पहली बार भारत आई थीं। वह मांसाहार भी करती रही हैं, लेकिन अभ्यास से उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। शनिवार को प्रयागराज पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी भावना को साझा किया। महात्मा गांधी को अपना आदर्श मानने वाली हानाई सनातन धर्म से प्रभावित होकर महाकुंभ में पूरी तरह सनातनी बन गई हैं। वह कहती हैं कि मन करता है कि अब भारत में ही रह जाऊं।

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान के अध्यक्ष योगी सत्यम ने कहा, हानाई सनातन धर्म से पूरी तरह जुड़ चुकी हैं। क्रियायोग अभ्यास से उनका जीवन बदल गया। उन्होंने सेना की नौकरी छोड़ने का मन बना लिया और अब वह यहीं रहना चाहती हैं।

महाकुंभ में भी राशनकार्ड पर मिलेगा राशन

एक देश एक कार्ड के तहत मिलेगा अनाज

प्रयागराज, 05 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में भी एक देश-एक कार्ड के तहत अनाज मिलेगा।

किसी भी राज्य का कार्ड हो, मेला क्षेत्र में राशन मिलेगा। आंशिक तौर पर भी राशन ले सकेंगे। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं और कल्पवासियों के पास कार्ड है तो राशन के लिए भटकना नहीं होगा। किसी भी राज्य का राशन कार्ड हो, वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत महाकुंभ में राशन मिलेगा। खास यह कि कार्डधारक आंशिक तौर पर भी राशन ले सकेंगे।

केंद्र सरकार की योजना के तहत राशन कार्डधारकों को प्रति यूनिट ढाई-ढाई किलो मुफ्त चावल और गेहूं दिया जाता है। महाकुंभ में पांच लाख से अधिक कल्पवासियों के आने की उम्मीद है। इसके अलावा हजारों की संख्या में श्रमिक एवं स्वच्छता कर्मी भी महाकुंभ में कार्यरत हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों के पास राशन कार्ड है। इसे देखते हुए मेला क्षेत्र में खुलने वाली अस्थायी राशन की दुकानों पर वन नेशन वन कार्ड योजना लागू की कई है। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि महाकुंभ क्षेत्र में 138 दुकानें खोली गई हैं।

देश में कहीं के भी कार्डधारक हों, महाकुंभ में खुली दुकानों पर राशन प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इन दुकानों पर आंशिक या पूरा राशन प्राप्त किया जा सकेगा।

यानी, यदि किसी कार्ड में परिवार के चार सदस्यों के नाम शामिल हैं तो यहां एक, दो या तीन सदस्यों का राशन भी प्राप्त किया जा सकता है। शेष राशन संबंधित दुकान से लिया जा सकेगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि इस बाबत आदेश जारी कर दिया गया है। महाकुंभ में आने वाले कल्पवासियों तथा श्रद्धालुओं को सरकारी दुकानों से सस्ते दर पर चावल, आटा और चीनी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रति व्यक्ति तीन किग्रा आटा और दो किग्रा चावल उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, एक कार्ड पर एक किग्रा चीनी दी जाएगी। चावल छह, आटा पांच तथा चीनी 18 रुपए प्रति किग्रा की दर से उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके लिए कल्पवासियों तथा श्रद्धालुओं के अस्थायी राशन कार्ड बनाए जाएंगे। इसकी प्रक्रिया शनिवार को शुरू हो गई। राशन कार्ड मेला क्षेत्र में खुले अस्थायी दुकानों पर आवेदन करने वालों के सत्यापन तथा सर्वे के आधार पर बनाए जाएंगे। इसके लिए 93 लेखपाल लगाए गए हैं, जिन्हें प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। अखाड़ों तथा संस्थाओं को अधिक राशन की जरूरत होगी। इसलिए इन्हें परमिट जारी किया जाएगा। इसकी प्रक्रिया 10 जनवरी से शुरू करने की तैयारी है। परमिट संस्थाओं की मांग तथा उनके सत्यापन के बाद जारी किए जाएंगे।

महाकुंभ में जरूरत के अनुसार अस्थायी घरेलू गैस कनेक्शन भी बनाए जाएंगे। इसके अलावा श्रद्धालु एवं कल्पवासी घर से लाए सिलिंडर में भी गैस भरवा सकेंगे। हालांकि, इसके लिए घरेलू कनेक्शन के साक्ष्य दिखाने होंगे। गैस सिलेंडर पांच, 14 और 19 किग्रा के मिलेंगे। महाकुंभनगर के 25 सेक्टरों में राशन की 138 दुकानें खुलेंगी। गैस की 24 एजेंसियां खोली गईं हैं। सत्यापन और सर्वे के काम में 93 लेखपालों की तैनाती की गई है।

वक्फ बोर्ड की शैतानियों की इंतिहा

वक्फ की जमीन पर रहा महाकुंभ के आयोजन का दावा

प्रयागराज, 05 जनवरी (एजेंसियां)। चश्मे दारूल इफ्ता के प्रमुख मुफ्ती और मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी बरेलवी ने दावा किया है कि महाकुंभ 2025 वक्फ की जमीन पर हो रहा है। मौलाना रिजवी ने दावा किया है कि महाकुंभ में 54 बीघा वक्फ की जमीन उपयोग में लाई जा रही है। उन्होंने दावा किया है कि यह वक्फ की जमीन मुस्लिमों ने खुशी-खुशी दी है।

मौलाना रिजवी ने कहा है कि यह जमीन पहले भी कुंभ आयोजन के लिए इस्तेमाल हो चुकी है। मौलाना के इस दावे को लेकर कई लोगों ने प्रश्न उठाए हैं। मौलाना ने यह भी कहा है कि महाकुंभ में मुस्लिमों को न आने देने की बात कहना तंगनजरी है। हालांकि, यह कोई पहली बार नहीं है जब मौलाना ने ऐसा कोई विवादित बयान दिया हो। इससे पहले मौलाना ने नए साल का जश्न मनाने को लेकर भी फतवा जारी किया था। शहाबुद्दीन ने अपने फतवे में कहा था कि नए साल का जश्न मनाना, मुबारकबाद देना और कार्यक्रम आयोजित करना इस्लाम और शरीयत में हराम है। इसे ईसाइयों का त्यौहार बताते हुए उन्होंने मुस्लिमों को इन सबसे दूर रहने को कहा था।

सीएम योगी का मास्टर स्ट्रोक

हर वर्ष देंगे एक लाख युवाओं को रोजगार

लखनऊ, 05 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में अभी दो साल का भले ही वक्त है, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मास्टर स्ट्रोक चल दिया है। सीएम योगी यूपी दिवस 24 जनवरी को देश के सबसे बड़े मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके तहत हर वर्ष एक लाख युवाओं को और 10 वर्षों में 10 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। खास बात यह है कि युवाओं को रोजगार शुरू करने के लिए बिना ब्याज और गारंटी लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

सीएम योगी ने कई बार अपने भाषणों में इस बात का जिक्र किया है कि यूपी का युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बनेगा। इसी के तहत यूपी दिवस पर देश के सबसे बड़े मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की शुरुआत कर रहे हैं और 25,000 लाभार्थियों को लोन उपलब्ध कराएंगे। अभियान में युवाओं को उद्यम लगाने के लिए ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। योजना से संबंधित जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है और उद्योग शुरू करने के लिए 400 परियोजना रिपोर्ट और लगभग 600 बिजनेस आइडिया भी विभिन्न फार्मेट में दिए गए हैं। विभाग की ओर से योजना का लाभ लेने के लिए सिर्फ ऑनलाइन आवेदन स्वीकार है। एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सीएम योगी के परिकल्पना के अनुसार यह योजना प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होने जा रही है। इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाने में भी बड़ी भूमिका होगी।

अभियान के तहत कौशल प्रशिक्षित, न्यूनतम कक्षा 8 उत्तीर्ण, 21 से 40 वर्ष के युवाओं को बिना ब्याज, बिना गारंटी लोन के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। इन आवेदन पत्रों को बैंकों को ऑनलाइन लोन स्वीकृत करने और वितरित करने के लिए भेजा जाएगा। बैंकों द्वारा ऑनलाइन लोन देने हुए लाभार्थी को देय ब्याज उपादान, मार्जिन मनी, उपादान, गारंटी फीस आदि ऑनलाइन मिलेगी। लाभार्थी को हर स्तर पर एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाएगा। एमएसएमई विभाग द्वारा विकसित इस पोर्टल पर न केवल निःशुल्क करीब 400 परियोजना रिपोर्ट, बल्कि 600 बिजनेस आइडिया भी उपलब्ध है। विभिन्न परियोजनाओं की स्थापना और संचालन के बारे में विडियोज व एक्सपर्ट का गाइडेंस भी उपलब्ध है। इन सभी सुविधाओं को पोर्टल पर सिर्फ एक क्लिक के माध्यम से प्राप्त कर लाभान्वित हुआ सकता है।

प्रगति यात्रा पर निकले बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने पूछा

लालू-राबड़ी के समय कोई रात में निकलता था क्या?

मुजफ्फरपुर, 05 जनवरी (एजेंसियां)। प्रगति यात्रा पर निकले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी राज की याद दिलाते हुए कहा कि पहले महिलाओं की कैसी स्थिति थी? जब हमलोगों ने काम किया तो आज कितनी अच्छी स्थिति में महिलाएं आ गई हैं, यह सभी लोग देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज फिर स्पष्ट कर दिया है कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में ही रहेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के ऑफर का भी संदेश के जरिए जवाब दे दिया। उन्होंने कहा कि हम दो बार गलती से उनलोगों के साथ चले गए थे लेकिन अब उनको छोड़कर इधर आ गए हैं। अब पुराने साथियों के साथ ही हैं। उनलोगों ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। महिलाओं के लिए भी कोई काम नहीं किया। शाम होने के बाद क्या कोई घर से निकलता था? 2005 के बाद हमलोगों ने काफी काम किया। सबके विकास के लिए काम किया। हमलोगों ने हिंदू-मुस्लिम, अगड़ा-पिछड़ा, दलित-महादलित समेत सभी वर्गों के काम किया।

सीएम नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी राज की याद दिलाते हुए कहा कि पहले महिलाओं की स्थिति क्या थी सभी जानते हैं। शाम में लोग घर से बाहर नहीं निकलते थे। उनलोगों ने महिलाओं के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। जबसे हमलोगों की सरकार आयी महिलाओं के उत्थान के लिए कई कार्य किए गए, जिसके फलस्वरुप आज काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। हमलोगों ने स्वयं सहायता समूह का गठन किया उसे नाम दिया जीविका। जीविका समूह से जुड़नेवाली महिलाओं की स्थिति में काफी बदलाव आया है। आप देख रहे हैं जीविका दीदियां कितना अच्छा काम कर रही हैं। बिहार में जीविका अच्छा काम करने लगी तो उस समय की केंद्र सरकार ने इसकी सराहना की और उसी की तर्ज पर आजीविका नाम देकर पूरे देश में इसे चलाया। जीविका दीदियों को जिन चीजों की जरुरत होती है हमलोग उसे पूरा करते है। जीविका दीदियों को हमलोग आगे बढ़ा रहे हैं। राज्य के विकास के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। यह सब बातें सीएम नीतीश कुमार ने मुजफ्फरपुर में प्रगति यात्रा के दौरान कही।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के दूसरे चरण में मुजफ्फरपुर जिले को 45140.12 लाख (451 करोड़ 40 लाख) रुपए की सौगात दी है। 76 योजनाओं से संबंधित शिलापट्टों का अनावरण कर उद्घाटन, शिलान्यास एवं कार्यारंभ किया। इनमें 9405.46 लाख रुपए की लागत से 51 योजनाओं का उद्घाटन, 24590.31 लाख रुपए की लागत से 23 योजनाओं का शिलान्यास एवं 11144.35 लाख रुपए की लागत से 2 योजनाओं का कार्यारंभ शामिल है।

अंबेडकर विकास निगम में 16.85 करोड़ का भूमि घोटाला

फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन हथियाने की साजिश

बेंगलुरु, 05 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा जिला अंबेडकर विकास निगम में 16.85 करोड़ रुपए का भूमि आवंटन घोटाला सामने आया है। इसके तहत जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की भूमिहीन महिलाओं को बांटी जाने वाली जमीन हथियाने की साजिश रची गई। यह जानकारी शनिवार को लोकायुक्त की तरफ से जारी की गई।

लोकायुक्त के मुताबिक, एक शख्स ने शिकायत की थी कि विजयपुरा जिला अंबेडकर विकास निगम ने 2014 से 2018 तक भूमि स्वामित्व योजना के तहत अनुसूचित जाति की भूमिहीन महिला कृषि श्रमिकों को जमीन वितरित नहीं की। इसके बजाय लाभार्थियों के नाम पर फर्जी खरीद दस्तावेज बनाकर निगम के नाम का इस्तेमाल कर सही लाभार्थियों को भुगतान किए बगैर यह जमीन खरीद गई।

जांच के बाद 26 दिसंबर, 2024 को आईपीसी की कई धाराओं के तहत विजयपुरा लोकायुक्त पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। लोकायुक्त पुलिस ने 30 दिसंबर से पांच दिनों तक अंबेडकर विकास निगम के पूर्व जिला प्रबंधकों रेणुका सतरले, एस जी हडपाड़ा, सेवानिवृत्त तालुक विकास अधिकारी एस एस मनागिरी (सेवानिवृत्त) और निगम के वर्तमान जिला प्रबंधक और तालुक विकास अधिकारी के कार्यालय और आवासों पर छापे मारे थे।

जांच में सामने आया कि निजी बैंकों में अवैध रूप से खाते खोले गए, अयोग्य लाभार्थियों को जमीन आवंटित की गई और भूमि स्वामित्व योजना के तहत एक ही परिवार को जमीन आवंटित की गई। लोकायुक्त ने कहा कि जांच में सामने आया कि 2012 से 2018 तक भूमि स्वामित्व योजना से जुड़ी 23 फाइलें दफ्तर से गायब थीं।

अब तक की तलाशी में पाया गया है कि 33 फाइलों में फर्जी खरीद दस्तावेज, पंजीकरण और स्टांप शुल्क रसीदें बनाई गई थीं। इससे सरकारी खजाने को लगभग 16.84 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। मामले की जांच आगे जारी है।

बस्तर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

चार नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

बस्तर, 05 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर हो गए। डीआरजी का एक जवान भी शहीद हो गया। मौके से एके-47 और एसएलआर जैसे ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं।

नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर कल शाम 6 बजे से मुठभेड़ चल रही है। डीआरजी और एसटीएफ के जवानों ने मोर्चा संभाल रखा है। जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। मुठभेड़ में दंतेवाड़ा डीआरजी के प्रधान आरक्षक सन्नू कारम शहीद हुए हैं। ऑपरेशन में चार जिलों की डीआरजी और एसटीएफ शामिल हैं। नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर दक्षिण अबूझमाड़ के जंगल में शनिवार शाम को उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। शनिवार देर रात गोलीबारी बंद होने के बाद चार नक्सलियों के शव और एके-47 राइफल तथा सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर) समेत स्वचालित हथियार मौके से बरामद किए गए हैं।

तेलंगाना सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण और विकास के लिए समर्पित : भट्टी

वारंगल, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना प्रजा सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण और विकास के लिए समर्पित है।उन्होंने सत्ता में आने के पहले वर्ष के भीतर किसानों के ऋण माफ करने सहित अपने वादों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

रविवार को, उपमुख्यमंत्री ने वारंगल जिला और महानगर निगम के भीतर विश्वनाथपुरम, डिवीजन 15 में तीन 33/11 केवी बिजली सबस्टेशनों की आधारशिला रखी।8.4 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र के बिजली बुनियादी ढांचे को बढ़ाना है।

परकला विधायक रेवुरी प्रकाश रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए विकास निधि हासिल करने में विधायक के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नए सबस्टेशनों की स्थापना से चल रही बिजली की समस्याओं का समाधान होगा और

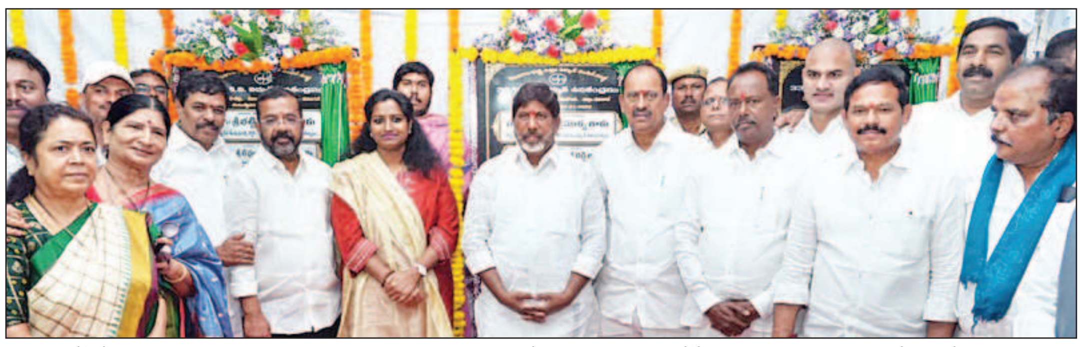

निवासियों के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क ने पिछली सरकार की खराब वित्तीय प्रबंधन के लिए आलोचना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार किसानों के ऋण माफ करने में विफल रही और अपने कार्यकाल के दौरान 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण जमा कर लिया। इसके विपरीत, उन्होंने बताया कि मौजूदा सरकार ने आर्थिक चुनौतियों के बावजूद एक साल के भीतर किसानों के 22,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ किए और सीधे किसानों के खातों में धनराशि हस्तांतरित की। उपमुख्यमंत्री ने तेलंगाना प्रजा सरकार द्वारा की गई कई पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने समूह 1 परीक्षाओं के सफल समापन और सरकारी नौकरियों में 56,000 व्यक्तियों की भर्ती का उल्लेख किया। उन्होंने संक्रांति से हर एकड़ को कवर करने वाले किसान बीमा की शुरुआत और इंदिराम्मा आत्म भरोसा योजना की शुरुआत की घोषणा की, जो 26 जनवरी से भूमिहीन कृषि परिवारों और मजदूरों को सालाना 12,000 रुपये प्रदान करेगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि आवास की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 3,500 इंदिराम्मा घरों के निर्माण के लिए प्रति यूनिट 5 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। महिला सशक्तिकरण पर सरकार के फोकस को रेखांकित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सत्ता में आने के आधे घंटे के भीतर ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस परिवहन लागू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि राजीव आरोग्यश्री योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा कवरेज को बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है। 500 रुपये में सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर, 200 यूनिट तक की खपत करने वाले परिवारों के लिए मुफ्त बिजली और मुफ्त बिजली, सब्सिडी, फसल बीमा और बोनस सहित किसानों के लिए व्यापक समर्थन भी सरकार के एजेंडे का हिस्सा थे। उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इस वर्ष हर निर्वाचन क्षेत्र में युवा भारत आवासीय विद्यालय स्थापित करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन स्कूलों का उद्देश्य जाति या धर्म की परवाह किए बिना सभी समुदायों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और समावेशिता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क ने पुष्टि की कि तेलंगाना प्रजा सरकार लोगों के लिए काम करने और अपने व्यापक कल्याण और विकास कार्यक्रमों के माध्यम से एक समृद्ध, समावेशी राज्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के सचेतक डॉ. रामचंद्र नायक, राज्य वित्त निगम के अध्यक्ष सिरिसिला राजैया, वारंगल के सांसद डॉ. कादियम काव्या, ग्रेटर वारंगल सिटी के मेयर गुंडू सुधारानी और कई विधायक तथा अधिकारी सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भट्टी के काफिले का वाहन पलटा, 2 घायल

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को जनगांव जिले के पेमबर्थी में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के काफिले को एस्कॉर्ट कर रही पुलिस की गश्ती गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई। जनगांव के सब-इंस्पेक्टर चेन्नाकेशवुलु और वाहन चालक को मामूली चोटें आईं। अधिकारियों ने घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। इस घटना में वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया, यह घटना उस समय हुई जब भट्टी वारंगल जिले के दौरे पर जा रहे थे।

तेलंगाना में शीतलहर का प्रकोप अगले तीन दिन तक जारी रहेगा

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में चल रही शीत लहर की स्थिति अगले तीन दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है, तथा कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस और 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग हैदराबाद ने रविवार को अपने सुबह के पूर्वानुमान में संकेत दिया है कि तेलंगाना में कई स्थानों पर सुबह के समय कोहरा और धुंध की स्थिति अगले 5 दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है।

इस बीच, हैदराबाद और जिलों में चौथे दिन भी शीत लहर की स्थिति सक्रिय रही। शनिवार रात और रविवार सुबह के बीच सबसे कम औसत न्यूनतम तापमान भीमपुर, आदिलाबाद में 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सिरपुर, कोमारामभीम आसिफाबाद में 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हैदराबाद में, कई स्थानों पर औसत न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और 11.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

तेज रफ्तार लॉरी ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, 3 की मौत

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार दोपहर मेडचल चेकपोस्ट पर एक हादसा हुआ, जब तेज रफ्तार लॉरी ने नियंत्रण खो दिया और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई और उनका बेटा घायल हो गया।पीड़ितों में एक पिता, मां और उनकी बेटी शामिल हैं, जबकि उनका बेटा दुर्घटना में घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, घटना के तुरंत बाद लॉरी चालक मौके से भाग गया।

ओल्ड सिटी मेट्रो परियोजना आगे बढ़ी

आज प्रभावित संपत्ति मालिकों को चेक वितरित किए जाएंगे

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के ओल्ड सिटी में फेज 2 मेट्रो के काम में महत्वपूर्ण प्रगति होने वाली है, क्योंकि सरकार परियोजना से प्रभावित संपत्ति मालिकों को मुआवजा देने की तैयारी कर रही है। हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड (एचएएमएल) के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी ने घोषणा की कि कल 6 जनवरी को दोपहर 2.00 बजे लकडीकापुल के पास हैदराबाद जिला कलेक्टर के कार्यालय में पात्र संपत्ति मालिकों को मुआवजे के चेक वितरित किए जाएंगे।

रविवार को एक बयान में कहा गया कि चेक वितरण समारोह में राज्य परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, एचएएमएल के एमडी एनवीएस रेड्डी और जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी शामिल होंगे।

कॉरिडोर-6 में एमजीबीएस-से-चंद्रयानगुट्टा मार्ग के लिए 1,100 संपत्तियों के अधिग्रहण की आवश्यकता है।

रेड्डी ने कहा कि कई संपत्ति मालिकों ने स्वेच्छा से सड़क चौड़ीकरण और मेट्रो रेल निर्माण के लिए अपनी जमीन देने पर सहमति व्यक्त की है। अब तक 169 मालिकों ने सहमति पत्र जमा करवाए हैं और इनमें से 40 से अधिक संपत्तियों के लिए स्वामित्व सत्यापन संतोषजनक ढंग से पूरा हो चुका है। जिला कलेक्टर ने प्रभावित संपत्तियों के लिए 81,000 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से समझौता करके मुआवजा निर्धारित किया है। इसके अलावा, पात्र संपत्ति मालिकों को राहत और पुनर्वास अधिनियम के अनुसार पुनर्वास मुआवजा और ध्वस्त संरचनाओं के लिए प्रतिपूर्ति मिलेगी। रेड्डी ने स्पष्ट किया कि सभी मुआवजे भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अनुसार और जिला कलेक्टर के निर्णयों के आधार पर वितरित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देशों के तहत, अधिकारी पुराने शहर में मेट्रो कार्यों की शुरुआत के लिए तैयारियों में तेजी ला रहे हैं। मुआवजा वितरण का यह पहला चरण चरण 2 के निर्माण का रास्ता साफ करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कांग्रेस छह गारंटियों में देरी के लिए ध्यान भटकाने की राजनीति कर रही : बंडी संजय

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है और ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रही है। नमपल्ली में भाजपा के राज्य मुख्यालय में बोलते हुए संजय ने सरकार की आलोचना की और कहा कि वह अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए हर महीने विवाद पैदा करती है।

संजय ने आरोप लगाया कि एक साल से सत्ता में होने के बावजूद कांग्रेस सरकार ने अपनी छह गारंटियों को लागू नहीं किया है।

उन्होंने 40 लाख युवाओं को 48,000 रुपये का लंबित बेरोजगारी भत्ता और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत एक करोड़ महिलाओं को 30,000 रुपये का बकाया भुगतान जैसे अनसुलझे मुद्दों की ओर इशारा किया।उन्होंने सरकार की रायथु भरोसा के तहत किसानों को 26 जनवरी तक 18,000 रुपये प्रति एकड़ का भुगतान करने की क्षमता पर भी सवाल उठाया और इस योजना के लिए सार्वजनिक भूमि को गिरवी रखने का आरोप लगाया।

उन्होंने वित्तीय कुप्रबंधन पर प्रकाश डाला और कहा कि सरकार भारी मात्रा में उधार ले रही है, अकेले इस वर्ष 70,000 करोड़ रुपये का ऋण लिया गया है, जो बजट में निर्धारित 57,000 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार अंधाधुंध उधारी और अनुत्पादक व्यय के साथ तेलंगाना को श्रीलंका जैसे आर्थिक संकट की ओर ले जा रही है। संजय ने तेलंगाना में बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता देने के लिए मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रशंसा की और पिछले एक दशक में सड़क विस्तार के लिए आवंटित 1 लाख करोड़ रुपये और रेलवे में निवेश किए गए 32,000 करोड़ रुपये का हवाला दिया। उन्होंने सिकंदराबाद और नामपल्ली रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण और चेरलापल्ली टर्मिनल के उद्घाटन जैसी प्रमुख परियोजनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें भाजपा के आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया। भाजपा नेता ने तेलंगाना के लोगों से कांग्रेस को उसके वादों के लिए जवाबदेह ठहराने की अपील की और भ्रामक आश्वासनों के झांसे में न आने की चेतावनी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा बेहतर शासन देने और आगामी स्थानीय निकाय चुनाव जीतने के लिए तैयार है।

संजय ने कांग्रेस को ग्राम पंचायतों को धन आवंटन पर खुली बहस की चुनौती भी दी और कहा कि केंद्र सरकार का योगदान राज्य सरकार के योगदान से कहीं अधिक है। उन्होंने कांग्रेस से अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने या आगामी चुनावों में लोगों की अस्वीकृति का सामना करने का आह्वान किया।

DAILY शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना, पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रू.500/- में
साईज : 12 X10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

तीन दिन की तेजी के बाद सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां) ।

तीन दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में 450 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये से लेकर 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये से लेकर 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

बंधन बैंक का तिमाही परिणाम 15 फीसदी बढ़ा, डिपॉजिट में 20 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। निजी बैंकिंग कंपनी बंधन बैंक ने अपने वित्त साल की तिसरी तिमाही के लिए रिजल्ट जारी कर दिया है। बैंक ने दिसंबर को समाप्त हुई तिमाही में विभिन्न सेक्टर में दरों और आंकड़ों में वृद्धि की जानकारी जारी की है। इस तिमाही में बैंक ने लोन और एडवांस में सालाना 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह आंकड़ा 1,33,285 करोड़ तक पहुंच गया है। यह एक प्रासंगिक वृद्धि है जो बैंक की समृद्धि को साबित करती है। साल दर साल तिमाही आधार पर बैंक की कुल जमा राशि में 20.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो सुझाव देती है कि बैंक की व्यापक वित्तीय सेवाओं की मांग में वृद्धि हुई है। बैंक के सीएएसए जमा में भी 5.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो एक सकारात्मक चिन्ह है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण बैंक की वित्तीय सेवाओं में विश्वासनीयता और सुविधा है। बंधन बैंक की सीएएसए रेश्यो अब 31.7 फीसदी है, जो एक साल पहले की स्थिति की तुलना में कम है।

निफा ग्रुप ने 180 करोड़ की विस्तार योजना बनाई, कंपनी अमेरिकी कंपनी का अधिग्रहण करेगी

कोलकाता । इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनी निफा ग्रुप ने अपनी 65वीं वर्षगांठ पर एक निवेश रणनीति पेश की। इसमें अगले दो वर्षों में भारत में परिचालन के लिए 180 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। विस्तार योजनाओं के तहत कंपनी ने एक अमेरिकी कंपनी का अधिग्रहण करने की अपनी योजना की घोषणा की, जिससे उसके सबसे बड़े बाजार में निकटवर्ती उपस्थिति मजबूत होगी तथा 'चीन प्लस वन' रणनीति का लाभ उठाया जा सकेगा। निफा ग्रुप के चेयरमैन ने कहा कि हम इस क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। पश्चिम बंगाल में दानकुनी और चंदननगर में दो नई परियोजनाएं तथा फाल्टा में एक विस्तार परियोजना संभावित रोजगार अवसर पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में हमारे 2,000 से अधिक कर्मचारी और सात परिचालन इकाइयां हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी अधिग्रहण के लिए बातचीत चल रही है। कंपनी भारत से 30 से अधिक देशों को उत्पाद निर्यात करती है।

माइक्रोसॉफ्ट एआई और डेटा सेंटर्स में करेगा 80 बिलियन डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने वित्तीय वर्ष 2025 में लगभग 80 बिलियन डॉलर का निवेश करने का ऐलान किया है। यह निवेश बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तकनीक को और पावरफुल बनाने पर किया जाएगा। 2022 में ओपन एआई के चेटजीपीटी लॉन्च होने के बाद एआई की दुनिया में हलचल मच गई है। इसका असर है कि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट्स और सर्विसेस में एआई का इस्तेमाल बढ़ा रही है। एआई को चलाने के लिए तेज़ी से काम करने वाले डेटा सेंटर्स की ज़रूरत है, जिनमें हज़ारों चिप्स जुड़े होते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने पहले ही एआई के लिए ठोस निवेश किया है और वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी का पूंजीगत खर्च 84.24 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयरमैन ने बताया कि इस निवेश का अधिकांश हिस्सा अमेरिका में किया जाएगा, जिससे कंपनी की डेटा सेंटर्स की ताकत बढ़ेगी। माइक्रोसॉफ्ट अपने 365 कोपीलॉट को और बेहतर बनाने के लिए एआई मॉडल्स का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी चाहती है कि लागत कम हो और स्पीड बेहतर हो, इसलिए अब यह ओपन एआई के साथ-साथ दूसरे एआई मॉडल्स का भी इस्तेमाल करेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने साफ किया है कि यह कदम केवल उनकी साझेदारी को बढ़ाने के लिए है और कंपनी के पास ओपनएआई के मॉडल्स को कस्टमाइज़ करने का अधिकार भी हेगा।

अगले सप्ताह 7 नए आईपीओ की लॉन्चिंग 6 कंपनियों के शेयर की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां) ।

सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान नए आईपीओ की लॉन्चिंग और शेयरों की लिस्टिंग से प्राइमरी मार्केट में हलचल बनी रहने वाली है।6 जनवरी से शुरू हो रहे इस सप्ताह में 7 नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इसके साथ ही पिछले सप्ताह लॉन्च हुए तीन आईपीओ में भी इस सप्ताह बोली लगाई जा सकेगी। इसी तरह सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान 6 कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करने जा रही हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 6 जनवरी को स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का 410.05 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस आईपीओ की क्लोजिंग 8 जनवरी को होगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 133 से 140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 107 शेयर का है। कंपनी के शेयर 13 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।6 जनवरी को ही इंडोबेल इंसुलेशन का 10.14 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस आईपीओ में भी 8 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए प्रति शेयर 46 रुपये का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 13 जनवरी को होगी।

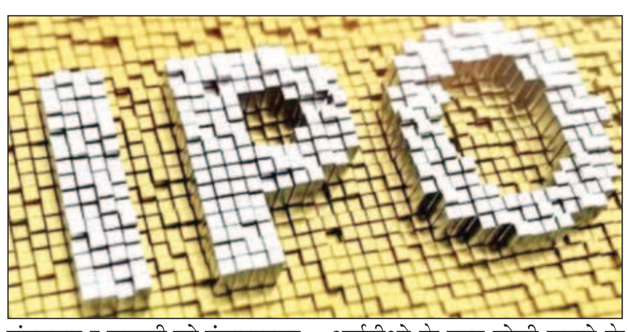

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार 7 जनवरी को इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट कैपिटल इंफ्रा ट्रस्ट इनविट अपना 1,578 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू ओपन करने वाला है। ये इश्यू 9 जनवरी को क्लोज होगा। कैपिटल इंफ्रा ट्रस्ट इनविट के यूनिट्स के लिए 99 से 100 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 यूनिट का है। इश्यू क्लोज होने के बाद 14 जनवरी से बीएसई और एनएसई पर इसके यूनिट्स की ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी।7 जनवरी को ही क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का 290 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 9 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 275 से 290 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 50 शेयर का है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

इसी दिन बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर का 85.21 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 9 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 128 से 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।7 जनवरी को ही डेल्टा ऑटोकॉर्प का 54.60 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 9 जनवरी को होगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 123 से 130 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इसके अलावा अवैक्स एपारेल्स एंड ऑर्नामेंट्स का 1.92 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू भी 7 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद 9 जनवरी को क्लोज होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए प्रति शेयर 70 रुपये का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। अगले सप्ताह लॉन्च होने वाले इन 7 आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 2 जनवरी को खुले परमेश्वर मेटल के 24.74 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल यानि सोमवार तक बोली लगाई जा सकेगी। कंपनी के शेयर 9 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह डेविन संस के 8.78 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल तक बोली लगाने का मौका है। ये आईपीओ 2 जनवरी को ओपन हुआ था और अभी तक 12.53 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। कंपनी के शेयर 9 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इसके अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 3 जनवरी को ओपन हुए फैबटेक टेक्नोलॉजीज के 27.74 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार 7 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ के तहत 80 से 85 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। अभी तक ये आईपीओ 20 प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका है। कंपनी के शेयर 10 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान 6 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होंगे। इनमें मंगलवार 7 जनवरी को इंडो फार्म इक्विपमेंट के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी तरह मंगलवार को ही टेक्निकेम ऑर्गेनिक्स के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

भारतीय मूल की कंपनियों ने करीब 20 प्रतिशत एच1बी वीजा हासिल किए

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां) ।

इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे आगे रही

अमेरिका द्वारा जारी किए गए एच1बी वीजाधारकों का करीब एक-पांचवां हिस्सा भारतीय मूल की प्रौद्योगिकी कंपनियों ने हासिल किया है, इसका पता अमेरिकी आव्रजन विभाग के आंकड़ों से चलता है। इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस दौरान सबसे आगे रही हैं। अप्रैल-सितंबर, 2024 की अवधि में भारतीय तकनीकी कंपनियों को जारी किए गए कुल 1.3 लाख एच1बी वीजा में से लगभग 24,766 वीजा भारतीय मूल की कंपनियों को जारी किए गए। इनमें से इन्फोसिस ने 8,140 लाभार्थियों के साथ अग्रणी स्थान हासिल किया। उसके बाद टीसीएस (5,274) और एचसीएल अमेरिका (2,953) का स्थान रहा। अग्रणी होने की दिशा में इन्फोसिस के एक अधिकारी कहते हैं, हमारी जिम्मेदारी उत्कृष्टता की ओर साथ ऊंचाईयों की तरफ जाना है। विभिन्न भारतीय कंपनियां जैसे टेक महिंद्रा, विप्रो, और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इस चरण में भी उभरती हैं। इस कार्यक्रम से लाभान्वित होकर, ये कंपनियां न केवल एच1बी वीजाधारकों के लिए सर्वाधिक पसंदीदा नियोक्ताओं में शामिल हो रही हैं, बल्कि अमेरिका में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में भी अग्रणी बन रही हैं। इस कार्यक्रम का भविष्य अमेरिकी कंपनियों के कुशल कार्यकर्मियों की जरूरत पर निर्भर होगा, जबकि उन्हें नियामकीय परिवर्तनों और सार्वजनिक मत को ध्यान में रखते हुए अपने नौकरियों को रक्षित रखने के लिए पहल करनी होगी। टेस्ला के उद्योगपति एलन मस्क ने भी इस कार्यक्रम की महत्वता को स्वीकार किया है और उसे समर्थन दिया है। इस कार्यक्रम से संबंधित मस्क के तांत्रिक कहने पर कंपनियों के लिए अमेरिका में विदेशी कार्यकर्मियों की महत्वपूर्णता को दिखाने की तय हो गई है। अमेरिकी नीतिकर्मियों की सुधार और सुरक्षितता से संबंधित निर्णय होंगैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत की सुरक्षा...

हम अच्छे रिश्ते रखने पर जोर दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जो बाइडेन प्रशासन के इशारे पर वाशिंगटन पोस्ट अखबार ने खबर लिखी कि भारत सरकार ने रॉ की मदद से मालदीव में मोहम्मद मुइज्जू को सत्ता से हटाकर दूसरे व्यक्ति को सत्ता पर बिठाने की कोशिश की थी। भारत सरकार ने तो फौरन ही अपनी तीखी प्रतिक्रिया जती थी। अब मालदीव ने भी इस रिपोर्ट को पूरी तरह से झूठा बताया है। इस समय भारत के दौरे पर आए मालदीव के विदेश मंत्री से जब इस रिपोर्ट को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हम यह समझते हैं कि कुछ लोग दोनों देशों के रिश्तों में खटास पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन पोस्ट में छपी खबर बेबुनियाद और झूठी है। हम दोनों देश अच्छे रिश्ते बनाए रखने पर जोर दे रहे हैं।मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू जब भारत आए थे, तब भी उन्होंने यह बात दोहराई थी कि भारत ने हमेशा से ही पड़ोसी होने का दायित्व निभाया है। पीएम मोदी ने भी जोर देकर कहा था कि भारत के मालदीव के साथ रिश्ते सदियों पुराने हैं, दोनों एक दूसरे के घनिष्ठ मित्र हैं।

नांदेड़ धमाके में...

इस मामले में फैसला आने के बाद विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, नांदेड़ मामले में कोर्ट का फैसला कांग्रेस के मुंह पर करारा तमाचा है। उन्होंने इस मामले में को मालेगांव की तरह हिंदू आंतकवाद साबित करने का प्रयास किया था। आज सम्पूर्ण कांग्रेसी कुनबा बेनकाब हुआ है। अब कांग्रेस को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल है कि हिंदुओं को फंसाने के चक्कर में असल अपराधी बच गए। यह न्यायिक तंत्र पर हमला है। भाजपा नेता अतुल भट्खालकर ने कहा है कि यूपीए सरकार के दौरान साजिश के चलते निर्दोष हिंदू फंसाए गए थे जो अब मुक्त हैं।

तटरक्षक बल का...

उस हादसे में क्रू के तीन सदस्य लापता हो गए थे। क्रू के एक सदस्य को बचा लिया गया था। इससे पहले मार्च में भी नौसेना के ध्रुव हेलीकॉप्टर की अरब सागर में आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। ध्रुव हेलीकॉप्टर को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया था। कई साल की परीक्षण उड़ानों के बाद साल 2002 में इसे भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। इस हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत 12 लोग बैठ सकते हैं। इस सैन्य और नागरिक दोनों उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ध्रुव हेलीकॉप्टर को एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल्स से भी लैस किया जा सकता है। साथ ही इससे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें भी दागी जा सकती हैं। ध्रुव हेलीकॉप्टर को इसकी कैटेगरी का बेहतरीन हेलीकॉप्टर माना जाता है।

आप-दा सरकार...

इसका उदाहरण इनका शीशमहल है। आज ही एक बड़े अखबार ने कैग रिपोर्ट के आधार पर शीश महल पर हुए खर्च का खुलासा किया है। ये सिर्फ झूठ बोलते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जिस आप-दा सरकार के पास दिल्ली के लिए कोई विजन न हो, जिसे दिल्ली की परवाह न हो, वह दिल्ली का विकास नहीं कर सकती है। दिल्ली को आधुनिक बनाने के लिए जितने भी काम हैं वो केंद्र की भाजपा सरकार ही कर रही है। आप-दा वालों ने दिल्ली के 10 साल बर्बाद कर दिए। आप-दा वालों को कोई भी दायित्व मिलने का मतलब है, दिल्ली के लोगों को दंड मिलना।पीएम मोदी ने कहा कि ये भाजपा ही है जो दिल्ली का विकास कर सकती है। दिल्ली के भविष्य के लिए ये बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है, वो किसी आप-दा से कम नहीं है। यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे से हो चुका है। इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है आप-दा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। पीएम ने कहा कि अब दिल्ली विकास की धारा चाहती है और मुझे खुशी है कि दिल्ली का विश्वास भाजपा पर है। भाजपा पर ये विश्वास इसलिए है, क्योंकि भाजपा सुशासन लाने वाली पार्टी है, भाजपा सेवाभाव से काम करने वाली पार्टी है, भाजपा सपनों को पूरा करने वाली पार्टी है।

नमो भारत...

लागत वाले दो किमी लंबे हिस्से का उद्घाटन किया। इससे पश्चिमी दिल्ली के कृष्णा पार्क, विकासपुरी और जनकपुरी के लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा करीब 26 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली खंड की आधारशिला भी रखी। यह कॉरिडोर रिठाला को हरियाणा के नाथूपुर (कुंडली) से जोड़ेगा। वहीं, रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) के नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखेंगे। इसका निर्माण करीब 185 करोड़ रुपए की लागत से होगा। पीएम ने नई दिल्ली के रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) के लिए नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखी, जिसका निर्माण लगभग 185 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।आरआरटीएस को दिल्ली के चारों और के शहरों से जोड़ा जाएगा। इससे न केवल लोगों के समय की बचत होगी बल्कि दिल्ली-एन-सीआर में वायु प्रदूषण में भी राहत मिलेगी। एनसीआर से दिल्ली में रोजाना आवाजाही करने वाले लोगों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होगा। मौजूदा समय में आरआरटीएस के फेज-1 में तीन कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। जिसमें से दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। शेष दो अन्य दिल्ली-अलवर और दिल्ली पानीपत कॉरिडोर पर भी जल्द काम शुरू होगा। वहीं फेज-दो में पांच कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। इस तरह से आरआरटीएस के आठ कॉरिडोर के तैयार हो जाने से दिल्ली-एनसीआर में मास ट्रांजिट सिस्टम दुनिया के अन्य शहरों से भी बड़ा हो जाएगा। दिल्ली के चारों ओर 100 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी प्रमुख शहर आरआरटीएस से जुड़ेंगे।दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर 82.15 किलोमीटर लंबा है। दिल्ली के हिस्से में 14 किलोमीटर तो यूपी के हिस्से में करीब 68 किलोमीटर है। फेज-1 में प्रस्तावित दो अन्य कॉरिडोर दिल्ली से पानीपत कॉरिडोर की लंबाई 103.02 किमी जबकि वहीं, राजस्थान के अलवर और सराय काले खां के बीच के कॉरिडोर की लंबाई 106 किमी है। दिल्ली से पानीपत और अलवर के कॉरिडोर के निर्माण हो जाने के बाद दिल्ली-एनसीआर में आरआरटीएस की सभी कॉरिडोर की कुल लंबाई 291 किमी से अधिक होगी। बताया जा रहा है कि इन दोनों कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी तैयार की जा चुकी है। केंद्र सरकार की हरी झंडी के बाद इस पर काम शुरू किया जाएगा।

मौजूदा समय में दिल्ली मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर आनंद विहार, न्यू अशोक नगर और सराय काले खां मेट्रो स्टेशन से जुड़ा हुआ है। आरआरटीएस के दो अन्य कॉरिडोर भी दिल्ली मेट्रो से जुड़ेंगे। इसमें सराय काले खां से अलवर कॉरिडोर आईएनए, मुनिरका और एयरोसिटी समेत कई मेट्रो स्टेशनों से जुड़ेगा। साथ ही पानीपत जाने वाला कॉरिडोर भी कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के साथ अन्य स्टेशन से जुड़ेगा। अधिकारियों का कहना है कि जरूरत के हिसाब से दिल्ली मेट्रो की कई लाइनों के साथ आरआरटीएस कॉरिडोर जुड़ेंगे। ताकि लोगों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के हो सके।

नया सेक्शन शुरू होने के बाद शाम पांच बजे से 15 मिनट के अंतराल पर नमो भारत ट्रेन जनता के लिए उपलब्ध होगी। आनंद विहार से मेरठ तक 35 मिनट व न्यू अशोक नगर से मेरठ तक 40 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। दिल्ली से मेरठ की दिशा में न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ तक का किराया स्टैंडर्ड कोच के लिए 150 रुपए व प्रीमियम कोच के लिए 225 रुपए है।

दिल्ली के 'शहंशाह'...

उन्होंने अपने रिटायरमेंट से एक हफ्ते पहले इस रिपोर्ट पर साइन किए थे।कैग की रिपोर्ट के अनुसार 96 लाख रुपए के पर्दे, किचन इक्विपमेंट 39 लाख रुपए, टीवी कंसोल के लिए 20.34 लाख रुपए, ट्रेडमिल और जिम इक्विपमेंट के लिए 18.52 लाख रुपए, रेशम कारपेट के लिए 16.27 लाख रुपए, मिनीबार के लिए 4.80 लाख रुपए, दीवारों के लिए संगमरमर के पत्थर के लिए 20 लाख रुपए आवंटित हुए थे। हालांकि इसकी लागत 66.89 लाख रुपए तक पहुंच गई।

ऑडिट रिपोर्ट में मुख्यमंत्री के आवास से जुड़े स्टाफ ब्लॉक और कैंप कार्यालय के निर्माण के लिए भी 3.86 करोड़ रुपए खर्च हुए। ऑडिट में यह भी बताया गया है कि निवास पर स्वच्छता वस्तुओं, फर्नीचर और जिम उपकरणों की मरम्मत/रखने पर 1.87 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। सीएजी ने अपेक्षित कागजी कार्रवाई जमा करने में दिल्ली सरकार की लापरवाही (प्राथमिकता न देना) के बारे में भी शिकायत की थी। इसमें कहा गया कि चालान के साथ आपूर्ति वाउचर के अभाव में ठेकेदारों द्वारा आपूर्ति की गई सामग्री की वास्तविकता और जिस रेट पर इन्हें खरीदा गया था, उसे वेरीफाई नहीं किया जा सका। पिछले महीने दिल्ली सतर्कता निदेशालय को इससे संबंधित कथित अनियमितताओं की जांच करने का काम सौंपा गया था।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सितंबर 2023 में मामले में प्रारंभिक एफआईआर दर्ज की थी। वहीं नई जांच का आदेश दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता द्वारा दायर एक शिकायत के बाद 6 दिसंबर, 2024 को दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने दिया था। वहीं सीपीडब्लूडी ने आवास पर काम से संबंधित अवैधताओं में कथित भूमिका के लिए तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया है।

संडास की सीट...

अच्छे शौचालय और बाथरूम बनाएंगे। दिल्ली में रेवड़ी के नाम पर लूट हो रही है।इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने एक बड़ी स्कीम का ऐलान किया था। बुजुर्गों और महिलाओं को साधने के बाद अरविंद केजरीवाल ने अब पुजारी और ग्रंथियों के लिए एक योजना लॉन्च की। वहीं भाजपा ने दावा किया कि कोर्ट के डर से केजरीवाल ने इसकी घोषणा की है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, उन्हें (दिल्ली सरकार को) अदालत में जवाब देना होगा कि उन्होंने मौलवियों जैसे पुजारियों और ग्रंथियों को भुगतान क्यों नहीं किया। इससे छुटकारा पाने के लिए केजरीवाल ने इस योजना (पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना) की घोषणा की है। जब आपा को हार दिख रही तो उन्हें राम नाम याद आ रहा है। आपा सरकार ने मौलवियों को 58 करोड़ 30 लाख 90 हजार रुपए दिए हैं।

रोहिंग्या और...

हार-जीत के नतीजे बहुत कम वोटों के अंतर से होते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी भाजपा को सत्ता से बेदखल कर सरकार बनाने में सफल रही। लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि कांग्रेस पार्टी भाजपा से 38000 वोटों से आगे थी। हिमाचल प्रदेश में पिछले 2022 के विधानसभा चुनाव में 8 सीटों पर एक हजार से भी कम वोटों के अंतर से फैसला हुआ था। अगर इस राज्य में और कुछ खास सीटों पर बाहरी लोगों को बसाया जाए तो सरकार आसानी से बदली जा सकती है।बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों में ऐसा करने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। मगर छोटे और सीमावर्ती राज्यों में उस प्रकार की सरकार बनती हैं तो बाहरी लोगों को वहां और भी आसानी से बसाया जा सकता है और फिर उन्हें देश के दूसरे हिस्सों में भेजा जा सकता है। उस स्थिति में बाहरी लोगों को इन राज्यों से जरूरी दस्तावेज और दूसरी पहचान देकर दूसरी जगहों पर भेजना आसान प्रक्रिया होगी। इसी वजह से बाहरी ताकतों की नजर छोटे राज्यों पर टिकी हुई हैं क्योंकि वहीं से उनकी साजिश की सफलता का सूत्र छिपा है। उत्तराखंड 70 विधानसभा सीटों वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश से अलग होने पर इस राज्य में सिर्फ 22 सीटें थीं जिन्हें बांटकर 70 सीटों में बदल दिया गया। इस राज्य की विधानसभा सीटें अन्य राज्यों की तुलना में छोटी हैं और यहां की सीटों का चुनावी फैसला भी सैकड़ों वोटों के अंतर से होता है। उत्तराखंड में पिछले 2022 के विधानसभा चुनाव में 9 सीटों का फैसला दो हजार से भी कम वोटों से हुआ था। उत्तराखंड, दिल्ली, सिक्किम, पुडुचेरी समेत पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों की कुछ चिन्हित सीटों पर अगर एक हजार भाजपा विरोधी वोटर भी जोड़ दिए जाएं तो इन राज्यों में भाजपा को आसानी से हराया जा सकता है।हिमालय की तराई, पश्चिम बंगाल के गोरखालैंड इलाके में बाहरी लोगों को बसाकर कई तरह की चुनौतियां पैदा करने की कोशिश की जा सकती है। इसका अंतिम उद्देश्य यह है कि बाहरी लोगों को इन राज्यों में बसाने के बाद उनको पूरे देश में फैलाया जाए। भारत के सीमावर्ती राज्यों में खासकर ऐसे राज्यों में जहां विधायकों की संख्या कम है और विधानसभा सीटें छोटी हैं। अंतिम रणनीति यह है कि उनके वोट से उनकी मानसिकता की सरकार बनाई जा सके ताकि बाहरी लोगों को भारत का नागरिक बनाया जा सके। ऐसे बाहरी लोगों को सीमावर्ती राज्यों में बसाकर देश के लिए कई तरह की चुनौतियां पैदा की जा सकती हैं।

आतंकी संगठन ...

गैरसंवैधानिक गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत कोई भी प्रतिबंध तब तक लागू नहीं हो सकता जब तक उसे यूएपीए न्यायाधिकरण द्वारा अधिनियम की धारा 4 के तहत आदेश पारित कर पुष्टि नहीं की जाती। न्यायाधिकरण, जिसकी अध्यक्षता दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अनुप कुमार मेंहदीरत्ता कर रहे थे।खुफिया एजेंसियों से मिले सबूतों के आधार पर सिख फॉर जस्टिस के बब्बर खालसा इंटरनेशनल और खालिस्तानी टाइगर फोर्स जैसे खालिस्तानी आतंकवादी समूहों से संबंधों का खुलासा हुआ। सिख फॉर जस्टिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के साथ मिलकर पंजाब में उग्रवाद को फिर से बढ़ावा देने का प्रयास किया। एसएफजे का सरगना घोषित आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भड़काने का काम करता है। एसएफजे हथियारों और विस्फोटकों की अवैध खरीद-फरोख्त में भी लिप्त है, साथ ही आतंकवादियों को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक मदद भी मुहैया कराया करता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 06 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन की महिला बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का महिला बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता रविवार को व्हाइट हाउस, बेगमपेट मे संपन्न हुई। आभास के राष्ट्रीय संगटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि उक्त टूर्नामेंट के स्थल प्रायोजक एवं विशेष अतिथि मनोज अग्रवाल थे एवं मुख्य अतिथि पवन अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना कर खेल का शुभारंभ किया। उद्घाटनकर्ता सुनील अग्रवाल (काउंसलर दी हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन) ने पधार कर सभी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

संस्था के मानद मंत्री विनय जैन ने बताया कि छह सदस्यीय पर आधारित कुल आठ टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। अध्यक्ष योगेश जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि आभास द्वारा प्रथम बार महिलाओं के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सभी खिलाड़ियों का उत्साह अपने चरम पर था, जिसे देखते हुए ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित करने का निर्णय लिया गया। प्रतियोगिता की प्रधान संयोजिका अलका अग्रवाल एवं उनके साथी का भी आभार प्रकट किया।

अग्रोहा चलेंगे की टीम प्रतियोगिता का खिताब जीता। विजेता टीम की कप्तान नेहा अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महक अग्रवाल, हर्षिका अग्रवाल एवं आरती सिंघानिया ने चौके और छक्के जड़कर अपनी टीम को विजयी बनाया।उपविजेता टीम वेलनेस टीम रही। जिनकी कैप्टन कनक अग्रवाल, प्रीशॉ अग्रवाल, तनीषा अग्रवाल, स्नेहा अगरवाल, दिशा अग्रवाल एवं वैष्णवी अग्रवाल ने भी उत्साह जनक मैच खेला और विजेता टीम को चुनौती दी। विजेता टीम को बसई कप और उपविजेता को व्हाइट हाउस कप से पुरस्कृत किया गया और सभी अतिरिक्त खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गए। कार्यक्रम स्थल पर सभी के लिए अल्पाहार की व्यस्था रखी की गई थी, जिसकी की व्यवस्था पंकज मित्तल एवं आशीष अग्रवाल ने निभाई।कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक बंसल, अध्यक्ष योगेश जैन, मंत्री विनय जैन, उपाध्यक्ष शिव कुमार भलवाले, कोशाअध्यक्ष विनोद जैन, महिला अध्यक्ष निर्मला संघी, महिला मंत्री रेखा अग्रवाल, युवा अध्यक्ष तरुण तुलस्यान, युवा मंत्री रिंकू अग्रवाल, चेयरमैनमहावीरप्रसाद अग्रवाल, रिंकू गर्ग, आशीष अग्रवाल, ऋतु जैन, रजनी बंसल, कविता गोयल, मोनिका अग्रवाल, कविता संघी, अभिषेक अग्रवाल, कमलकुमार गर्ग, सुमीत अग्रवाल, डीपी अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, नवल बंसल, राजिंदर प्रसाद अग्रवाल, खिलाड़ी एवं दर्शक उपस्थित थे।

बंडारू ने बंगाल की खाड़ी में 150 किमी की असाधारण तैराकी के लिए श्यामला की सराहना की

हैदराबाद, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के समरलाकोटा की मूल निवासी और वर्तमान में हैदराबाद निवासी श्रीमती गोली श्यामला को बंगाल की खाड़ी में लगभग 150 किमी की तैराकी करने की असाधारण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

एक सप्ताह से अधिक समय में श्यामला ने विशाखापत्तनम से काकीनाडा तक की यह उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। टेलीफोन पर बातचीत में दत्तात्रेय ने उनकी बहादुरी और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की और उन्हें सभी उम्र के लोगों के लिए एक प्रेरणा और रोल मॉडल बताया। उन्होंने समुद्र में तैराकी के प्रति उनके जुनून पर प्रकाश डाला, जो एक शौक के रूप में शुरू हुआ था, और बाधाओं को तोड़ने और यह साबित करने के लिए उनकी सराहना की कि साहसिक कार्य के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है।

राज्यपाल ने श्यामला की पिछली उपलब्धियों का भी उल्लेख किया, जिसमें राम सेतु के पास चुनौतीपूर्ण तैराकी और श्रीलंका और लक्षद्वीप में उनके कौशल का प्रदर्शन शामिल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह भविष्य में और भी साहसिक कारनामे करती रहेंगी। दत्तात्रेय के प्रोत्साहन भरे शब्द श्यामला के साहस को श्रद्धांजलि देते हैं और कई लोगों को अटूट समर्पण के साथ अपने जुनून का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का आयुष्मान भारत कार्ड कैम्प आयोजित

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना हेतु आयुष्मान भारत कार्ड बनाने का कैम्प आयोजित किया गया । प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि यह कैम्प संयोजक मनीष कुमार अग्रवाल के निवास स्थान, अत्तापुर में आयोजित किया गया। जिसमें करीब 40 लोगों के कार्ड का पंजीकरण करवाया तत्पश्चात शिविर में उन्हें कार्ड प्रदान किए गए । जिनके आधार कार्ड के सम्पर्क में तेलंगाना राज्य लिखा हुआ था उनके सभी के कार्ड बन गए, जिनके कार्ड में आंध्र प्रदेश लिखा हुआ था उनको मी-सेवा में तेलंगाना राज्य बदलकर लाने की सलाह दी गई।

आयुष्मान भारत कार्ड शिविर प्रातः 11.00 से सायं 5.00 बजे तक लगातार चला। जिसकी सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की । सभी योग्य व्यक्तियों से आग्रह किया गया है कि जो कोई आयुष्मान कार्ड बनवाने का इच्छुक हो वह ट्रस्ट के मुख्य संयोजक मुकुंदलाल अग्रवाल (9396222880) से संपर्क कर सकते हैं ।

कोई भी सामाजिक संस्था अपने समाज बंधुओं के लिए यह कार्ड बनवाना चाहते हैं वह भी संपर्क कर सकते हैं। उक्त कैम्प में संयोजक मनीष कुमार अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल, माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, इस योजना के मुख्य संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, मीरा अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज द्वारा डिजिटल मार्केटिंग सेमिनार का आयोजन

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रविवार, दि. 5 जनवरी को अग्रवाल समाज द्वारा डिजिटल मार्केटिंग सेमिनार का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह सेमिनार विशेष रूप से उद्यमियों को डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में आवश्यक जानकारी और उपकरण प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में सेमिनार का उद्घाटन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में मनीष अग्रवाल ने डिजिटल मार्केटिंग के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि आज के युग में व्यवसायों और उद्यमियों के लिए यह अनिवार्य हो गया है। उन्होंने प्रेम अग्रवाल द्वारा इस पहल को लेकर सराहना की और बताया कि 2024 में युवाओं

के लिए समाज ने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनसे उन्हें लाभ हुआ। 2025 में भी समाज और अधिक पहलों की योजना बना रहा है, खासकर युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित और सशक्त बनाने के लिए।इसके बाद, प्रेम अग्रवाल ने सेमिनार को संबोधित किया और डिजिटल मार्केटिंग के बारे में जानकारी दी गई। उनके द्वारा दी गई प्रस्तुति में एसईओ, सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन और अन्य डिजिटल टूल्स के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी गई। कुल मिलाकर उक्त सेमिनार बहुत सफल रहा और प्रतिभागियों ने डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करने के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए, अग्रवाल समाज ने आगे भी ऐसे सेमिनार और कार्यशालाओं के आयोजन की योजना बनाई है, ताकि उद्यमियों को निरंतर शिक्षा और समर्थन मिलता रहे।

महिला सशक्तिकरण सप्ताह : सजावट, आर्ट्स और पाक-कला कक्षाएं सम्पन्न

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अग्रवाल समाज की महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उनमें निहित प्रतिभा और कौशल को निखारने के लिए महिला सशक्तिकरण सप्ताह का आयोजन दि. 3 से 9 जनवरी तक समाज के कार्यालय में प्रतिदिन दोपहर 12 से 3:00 तक किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कक्षाओं में विभिन्न विषयों पर अग्रवाल महिला विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शनिवार 4 जनवरी को निधि

निवेदिता द्वारा बेकिंग एंड कुकिंग प्रोग्राम में केक्स की वैरायटी और कप्स केक एंड कुकीज का प्रशिक्षण दिया गया और रविवार दि. 5 जनवरी को शीतल रुंगटा द्वारा डेकोरेशन एंड आर्ट कक्षा में कई तरीके के चॉकलेट बुकेट्स बंदनवार का प्रशिक्षण दिया गया।उक्त प्रशिक्षण का लाभ अग्रवाल समाज की लगभग 60 महिलाओं ने लिया। आयोजन टीम द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया।

कॉलेज में ताक-झांक के आरोप में दो कर्मचारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
साइबराबाद पुलिस ने सीएमआर कॉलेज में ताक-झांक के आरोप में बिहार के दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। कॉलेज में छात्राओं द्वारा छात्रावास के शौचालयों में गुप्त रूप से वीडियो बनाए जाने के आरोप के बाद विरोध प्रदर्शन हुए थे। पुलिस ने नंद किशोर कुमार और गोविंद कुमार को गिरफ्तार किया है। दोनों की उम्र 20 साल है। वे महिला शौचालय में झांक रहे थे। छात्रावास के मेस में काम करने वाले आरोपी महिला शौचालय के बगल वाले कमरे में रह रहे थे।पुलिस ने सीएमआर कॉलेज के चेयरमैन, निदेशक, प्रिंसिपल और दो छात्रावास वार्डन पर लापरवाही का मामला दर्ज किया है।

श्री हनुमान मंदिर शमशेर गंज में आयोजित श्री वैष्णो भक्त मण्डल द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा की कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर कथा प्रवक्ता आचार्य रघुनाथ महराज, पुष्पेंद्र शुक्ला आदि भक्तगण मौजूद थे।

सीएम रेवंत ने सिविल सेवा उम्मीदवारों और श्रमिकों के कल्याण के लिए व्यापक समर्थन की घोषणा की

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों का समर्थन करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

रविवार को बेगमपेट के प्रजाभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, जिसमें सिविल सेवा मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को राजीव गांधी सिविल अभ्यास्थम योजना के तहत 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की गई, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, तेलंगाना को रोजगार के अवसर पैदा करने के दृष्टिकोण के साथ हासिल किया गया था। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे राज्य के अधिक से अधिक उम्मीदवार सिविल सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें, जैसा कि बिहार के कई उम्मीदवारों ने किया है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनकी सरकार के पहले वर्ष में 55,143 सरकारी नौकरियों की भर्तियाँ की गईं – जो देश में एक अभूतपूर्व कदम है। उन्होंने 14 वर्षों के अंतराल के बाद 563 पदों के लिए ग्रुप 1 की परीक्षा के सफल समापन का भी उल्लेख किया, जिसमें 31 मार्च तक भर्ती पूरी हो जाएगी।

सीएम रेड्डी ने सिविल सेवा उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए राज्य के सक्रिय उपायों को रेखांकित करते हुए कहा, हम उम्मीदवारों को राजीव सिविल्स अभ्यहस्तम के माध्यम से 1 लाख रुपये की सहायता प्रदान कर रहे हैं, न केवल वित्तीय सहायता के रूप में बल्कि प्रोत्साहन के रूप में।

साक्षात्कार में भाग लेने वालों के लिए दिल्ली में आवास भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि निकट भविष्य में तेलंगाना के युवा सिविल सेवा चयनों में शीर्ष स्थान पर होंगे।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, जिन्होंने भी सभा को संबोधित किया, ने देश भर में सिंगरेनी कोलियरी का विस्तार करने की सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला। हमारा लक्ष्य सिंगरेनी को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थान में बदलना है। श्रमिकों के कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें श्रमिकों के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक का मुफ्त दुर्घटना बीमा और अप्रयुक्त खनन क्षेत्रों में हरित ऊर्जा परियोजनाओं का विकास शामिल है, उन्होंने कहा।

उपमुख्यमंत्री ने सौर और पंप स्टोरेज परियोजनाओं के माध्यम से हरित ऊर्जा की ओर संक्रमण पर राज्य के फोकस पर जोर दिया।

कोयले से दूर वैश्विक बदलाव को पहचानते हुए, उन्होंने लिथियम और ग्रेफाइट के खनन की खोज के लिए सिंगरेनी की 100 साल की खनन विशेषज्ञता का लाभ उठाने की योजना का खुलासा किया।

राज्य सरकार सिंगरेनी के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत आवासीय विद्यालय भी बना रही है, ताकि श्रमिकों के बच्चों को लाभ मिल सके।

कार्यक्रम का समापन करते हुए, सीएम रेड्डी ने मुख्य परीक्षा पास करने वाले 20 सिविल सेवा उम्मीदवारों को 1 लाख रुपये के चेक प्रदान किए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये उम्मीदवार अंतिम परीक्षा में सफलता प्राप्त करेंगे, जिससे तेलंगाना की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी।कार्यक्रम में कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव, विधायक, एमएलसी, सिंगरेनी के सीएमडी एन. बलराम, मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

केटीआर ने की किसानों को धोखा देने के लिए कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने रविवार को तेलंगाना सरकार पर राज्य के किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को धोखा देने का आरोप लगाया और 6 जनवरी को विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की, जिसमें कांग्रेस से मांग की गई कि वह शुरू में किए गए वादे के अनुसार सहायता राशि को बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति एकड़ करे।एएनआई से बात करते हुए, केटीआर ने कहा, यह तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी द्वारा तेलंगाना के किसानों को धोखा देने और धोखा देने के लिए एक हास्यास्पद और वास्तव में अत्याचारी वादाखिलाफी है ... कांग्रेस पार्टी ने वारंगल में एक वादा किया था, एक स्पष्ट किसान घोषणा और राहुल गांधी यहां तेलंगाना में थे । उन्होंने एक स्पष्ट प्रतिबद्धता जताई कि रायथु बंधु को बढ़ाया जाएगा और तेलंगाना में दो फसल चक्रों के लिए 10,000 रुपये पाने वाले प्रत्येक किसान को अतिरिक्त 5000 रुपये दिए जाएंगे। दुर्भाग्य से, आज वे विश्वासघात महसूस करते हैं... मुझे उम्मीद है कि राहुल गांधी हस्तक्षेप करेंगे और रेवंत रेड्डी सरकार को निर्देश देंगे कि वे किसानों को धोखा न दें क्योंकि उन्होंने 100 दिनों में डिलीवरी का वादा

किया था। लेकिन आज, 400 दिन से अधिक हो गए हैं। इसलिए, बीआरएस के रूप में, हमने फैसला किया है कि हम कल किसानों का समर्थन करते हुए राज्य भर में विरोध प्रदर्शन करेंगे और मांग करेंगे कि कांग्रेस पार्टी किसान घोषणा, रायथु घोषणा में किए गए अपने वादे को बनाए रखे और मांग करें कि वादे के अनुसार प्रति एकड़ 15,000 रुपये दिए जाएं, बीआरएस नेता ने कहा।

इससे पहले 12 दिसंबर, 2023 को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को रायथु बंधु योजना के तहत किसानों के खातों में राशि जारी करने का आदेश दिया था।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'X' पर एक पोस्ट में कहा , सीएम रेवंतअनुमुला ने आज से राज्य के सभी किसानों

के खातों में 'रायथु बंधु' राशि जमा करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा द्वारा हाईकोर्ट, सिटी कॉलेज के पास जरूरतमंदों में अन्नदान किया गया। इस अवसर पर गोविंद पचेरिया, अनिल धार्सूवाला, मनोज मित्तल, दिनेश सराफ, मनोज गौशालावाले, कमल किशोर, हरि नारायण, यश अग्रवाल, नारायण, शर्मिला अग्रवाल, हेमा अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

धूमधाम से मना स्मार्ट स्कूल का वार्षिकोत्सव

रंगारंग प्रस्तुति से बच्चों ने लोगों का मन मोह लिया

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कारवान,रिंग रोड स्थित स्मार्ट स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव मनाया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर कारवान विधायक जनाब कौसर मोहीउद्दीन साहब, कारवान पार्षद स्वामी यादव, एमआईएम नेता वजी उज जमा, एमआईएम कारवान इन्चार्ज मो. मुज्तबा ने शिरकत की । वार्षिकोत्सव में स्कूली बच्चों ने एक से बढ़ कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से वहां मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दीप प्रज्ज्वलित कर स्कूल के निदेशक मो. जियाउद्दीन खालिद साहब और क्षेत्रीय राजनीतिक नेताओं ने कार्यक्रम की शरूआत की। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को बहुत ही यादगार बना दिया। छात्र-छात्राओं ने एकल नृत्य और सामूहिक नृत्य करके दर्शकों का मन लुभाया। कई छात्र - छात्राओं ने ड्रामा, नाटक प्रस्तुत करके समाज के लोगों को जागरूक किया। पर्यावरण, पेड़ की अंधाधुंध कटाई से हानि, हिंदू मुस्लिम एकता, देशभक्तों की वीरता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे संदेश संगीत और नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं, छोटे छोटे बच्चों ने दिया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने प्रतिभावान बच्चों को पुरस्कृत भी किया।

छात्रों के अभिभावकगण और शहर के कई गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम को देखने के लिए समारोह स्थल पर पहुंचे और आनंद उठाया।

स्कूल के निदेशक मो. जियाउद्दीन खालिद साहब ने कहा कि बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने में माता-पिता के बाद शिक्षण संस्थानों का अहम योगदान होता है. शिक्षकों को बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा देनी चाहिए। मुझको लगता है कि इन सब गुणों में यही स्कूल सबसे अव्वल दर्जे का है। जिस तरह स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

ऐसे में लगता है कि शिक्षक और छात्र काफी मेहनत करते हैं और उन्होंने सभी का उत्साहवर्धन भी किया। शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के कौशल विकास के लिए इस तरह की सांस्कृतिक गतिविधि समय-समय पर होते रहना चाहिए। छात्रों को अपने जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित जरूर करना चाहिए और उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मेहनत अति आवश्यक है।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का नव वर्ष कार्यक्रम 8 को

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्र महिला मंच की कार्यकारिणी बैठक होटल नीलोफर हिमायत नगर में सम्पन्न हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने कहा कि आगामी दि.8 जनवरी को मध्याह्न 12 से 3.00 बजे तक कैफे खाडाले में नव वर्ष कार्यक्रम मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मनोरंजक गेम्स, तम्बोला व अन्य की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम सुरूचि भोज की व्यवस्था भी रहेगी ।

बैठक में अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, मंजू केजरीवाल, मधु गोयल, सीमा गर्ग, सपना अग्रवाल,सरला जिंदल, सरला मित्तल, अमिता बगेड़िया, अर्चना अग्रवाल, ललिता टांटिया, सुनीता अग्रवाल मौजूद थी। संयोजिका प्रभावती अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन से सभा का समापन हुआ ।

कोलसावाड़ी, बेगम बाजार स्थित चमन हनुमान मंदिर में आचार्य गोविंद शास्त्री के सान्निध्य में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। कथा का शुभारंभ से पहले रामनाथ आश्रम से चमन हनुमान मंदिर तक कलश यात्रा निकाली गई। कथा के मुख्य संयोजक प्रेलता पंडित (बन्नी बाई), मुख्य यजमान साई प्रसाद यादव, सहयोगी यजमान एनके सिंह हैं। इस अवसर पर माल्ती देवी, नंदकिशोर सिंह, कन्हैयालाल, प्रेमू एवं अन्य बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी बैठक अग्रसेन भवन, सिकंदराबाद में आयोजित की गई ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्ट के मानद मंत्री मुकुंदलाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल ने उपस्थित ट्रस्टियों का स्वागत किया । चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल ने वार्षिक साधारण सभा में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। बैठक में आगे के कार्य को सुचारू रूप से चलाने हेतु विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया । मेम्बरशिप कमेटी में नरेन्द्र कुमार गोयल, गोपाल चंद अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, गोविंद गुप्ता, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल शामिल हैं। भवन बुकिंग कमटी में मुकुंदलाल अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, प्रवीण कुमार अग्रवाल। भवन नवीनीकरण कमेटी में नरेंद्र कुमार गोयल, गोविंद गुप्ता, बजरंग प्रसाद गुप्ता, राजेंद्र कुमार अग्रवाल। एकाउंट्स कमेटी बजरंग प्रसाद गुप्ता, नरेंद्र कुमार गोयल, मुकुंदलाल अग्रवाल, प्रवीण कुमार अग्रवाल शामिल हैं।

सभी कमेटियों के सदस्यों से कार्य को शीघ्रताशीघ्र पूर्ण करवाने के लिए आग्रह किया गया।

उक्त बैठक में अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल, मानद मंत्री मुकुंदलाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता, सह मंत्री मनोज कुमार अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ट्रस्टी प्रवीण कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे । मानद मंत्री मुकुंदलाल अग्रवाल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

भगदड़ मामला : अदालत द्वारा निर्धारित जमानत शर्तों के तहत अल्लू अर्जुन पुलिस स्टेशन पहुंचे

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अभिनेता अल्लू अर्जुन रविवार को चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां भगदड़ में एक महिला की मौत के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

अदालत ने अभिनेता को जमानत देते हुए उनसे दो महीने तक हर रविवार को पुलिस स्टेशन आने और बुक पर हस्ताक्षर करने को कहा था। यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि कोई संदिग्ध, अभिनेता, जमानत मिलने के बाद छिप न जाए या फरार न हो जाए।

अभिनेता के चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन आने के मद्देनजर पुलिस ने चिक्कड़पल्ली और उसके आसपास के इलाकों में व्यापक इंतजाम किए थे।अभिनेता कार से पुलिस स्टेशन पहुंचे और अंदर चले गए। कुछ देर बाद अभिनेता पुलिस स्टेशन से चले गए। चिक्कड़पल्ली पुलिस ने 4 दिसंबर को पुष्पा 2 के प्रीमियर शो के दौरान हुई भगदड़ के बाद अभिनेता, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया।

प्रधानमंत्री मोदी आज वर्चुअली चर्लापल्ली नए टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जनवरी को रिमोट वीडियो लिंक के जरिए नए चर्लापल्ली टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन करेंगे।दक्षिण मध्य रेलवे की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा गया कि उद्घाटन समारोह सुबह 10.15 बजे चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार पर होगा।इस कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, तेलंगाना के आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री डी. श्रीधर बाबू और सांसद ईटाला राजेंद्र भी मौजूद रहेंगे।

अग्रवाल भवन में विश्व ब्राह्मण संघ द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयोजक का सम्मान करते हुए परशुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, गिरीश जोशी, बजरंग शर्मा, हरिदास शर्मा, निहाल सिंह एवं अन्य।

भाजपा ने किसानों के साथ विश्वासघात करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राज्यसभा सदस्य और भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों को पूरा न करके उसने किसानों के साथ विश्वासघात किया है।रविवार को यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में डॉ. लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए महत्वपूर्ण योजनाओं में कटौती करते हुए कटौती का नियम लागू किया है।

मूल्यांकन कवि गोष्ठी में शाश्वत सृजन पत्रिका पर चर्चा सम्पन्न

हैदराबाद, 4 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान हैदराबाद की प्रतिमास आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-327 का आयोजन आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, हैदराबाद में संपन्न सारगर्भित और विचारोत्तेकता के साथ संपन्न हुआ। गीत चाँदनी के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन मुख्य अतिथि थे। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया और संस्था की गतिविधियों से अवगत उपस्थितजनों को अवगत करवाया। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व संचालक कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस मूल्यांकन कवि गोष्ठी में उज्जैन (मध्य प्रदेश) सुश्री अर्पिता जैन के संपादन में प्रकाशित होने वाली सृजन का संवाहक ..... शाश्वत सृजन (राष्ट्रीय हिंदी मासिक समाचार-पत्र के दिसंबर, 2024 अंक : 7 में प्रकाशित रचनाओं पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों ने सारगर्भित और विचारोत्तेजक विचार प्रस्तुत किये। पत्रिका की सामग्री पर समाज सेवी श्री राजेश

सिंह वर्मा, श्री आर. किशन लाल, पत्रकार व शायर जनाब सादुल्ला ख़ान सबील, गोविंद अक्षय, चंपालाल बैद, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (ईसीआइएल) हैदराबाद के प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पीएसयू) के सदस्य सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। आलोच्य पत्रिका पिछले 10 वर्षों से नियमित प्रकाशित हो रही है। डॉ. राजन-ारायण अवस्थी ने कहा कि पत्रिका के संपादक को बहुत ही जागरुक होना चाहिए।

क्योंकि किसी के भी हाथ में पत्रिका आती है तो वह सबसे पहले संपादकीय पढ़ता है। इस पत्रिका का संपादकीय उत्कृष्ट है। साहित्य और संगीत का गहरा संबंध है। तबलावादक ज़ाकिर हुसैन पर लिखा लेख प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि जीवन में विशेषज्ञ बनना चाहिए।इस अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी में नगरद्वय के कवियों ने देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ समाँ बाँधा। कविता पाठ करने वाले कवियों में श्रीमती रत्नकला मिश्र, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, डी. प्रेमराज, आरती कुमारी, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, डॉ. मुमताज सुल्ताना, खलीश हैदराबादी, जी. परमेश्वर, श्री पूनम जोधपुरी, आर. दुर्गाराज पटून, रेखा देवी वर्मा, राजेश पिव्हाल, सादुल्लाह ख़ान सबील, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गोविंद अक्षय, चंपालाल बैद, अनिल कुमार गुप्ता, बासित अली रईस, शिवकुमार तिवारी कोहिरी आदि के नाम सम्मिलित हैं।कार्यक्रम की संयोजिका रत्नकां मिश्रा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के आरंभ में जलपान की व्यवस्था रहेगी।

CHANGE OF NAME
I, Service No. 14649679N Hav/DVR/MT MAN MOHAN SINGH, R/o. Vill:Fathepur, Po:Grashan, Teh:Shikohabad, Dist:Firozabad, Uttar Pradesh-283142 hereby declare that my son name is to be changed from **PIUSH KUMAR SINGH** to **PIYUSH KUMAR SINGH** vide affidavit dt:4-1-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

रोहित की तरह दो दशक पहले गांगुली भी मैच से हटे थे

सिडनी, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर बैठने से साल 2004 याद आ गया। उस समय भी कप्तान रहे सौरव गांगुली ने पिच देखने के बाद खेलने से मना कर दिया था। गांगुली ने जहां फिटनेस के आधार पर वहीं रोहित ने खराब फार्म के नाम पर टीम से बाहर बैठने का फैसला किया था। इससे साफ है कि दोनो को पिच देखकर समझ आ गया था कि यहां सफल होना उनके लिए कठिन है। रोहित ने इस प्रकार दिखाया कि टीम के केवल उनके कारण ही नहीं हार रही थी बल्कि इसके पीछे सभी की विफलता थी। इसके अलावा वह एक और असफल टेस्ट

अपने रिकॉर्ड में नहीं जोड़ना चाहते थे। अंतिम मैच में भारतीय पहली पारी 185 और दूसरी पारी 157 रन ही बना पायी।

वहीं दो दशक पहले साल 2004 में नागपुर में भारतीय टीम तीसरा टेस्ट खेलने पहुंची थी। तब सीरीज में ऑस्ट्रेलिया 1-0 से आगे थी। नागपुर पहुंचते ही जब भारतीय टीम अभ्यास के लिए मैदान पर पहुंची तो पिच पर हरियाली देखकर कप्तान रहे गांगुली भड़क गये। इसके बाइ भारतीय बोर्ड ने पिच को लेकर नाराजगी जतायी लेकर उसे बदला नहीं जा सका। इसके बाद गांगुली ने हैमस्ट्रिंग इंजरी को कारण बताते हुए मैच खेलने से इंकार कर दिया। उस समय भी भारतीय टीम मैच तीन दिन में हार गई।

ऐसे में जिस प्रकार तब गांगुली का फिटनेस की वजह से बाहर मैच ना खेलना हमेशा सवालों के घेरे में रहा वैसे ही रोहित का भी फॉर्म के नाम पर बाहर रहना सवालों के घेरे में रहा। ये भी कहा जाता है कि कार्यवाहक कप्तान अधिक प्रभावी नहीं होता, इसलिए कप्तान चाहे फार्म में न भी रहे उसे खेलना ही चाहिये।

टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं, सम्मान और दबाव झेलने पड़ते हैं : रोहित

मेलबर्न। सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे 5वें टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभाल रहे हैं। रोहित शर्मा ने टीम में शामिल नए खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया और बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ की। रोहित ने नए खिलाड़ियों के नेतृत्व क्षमता को लेकर कहा कि टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी हर किसी को थाली में परोसकर नहीं मिलती है। इसे कमाना पड़ता है। यह सम्मान और दबाव दोनों के साथ आता है। नए खिलाड़ियों को स्थान के महत्व को पहचानना होगा। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी फॉर्म पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म और आलोचना का सामना करना खेल का हिस्सा है। कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि नेतृत्व में हर दिन अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन विचारधारा और मानसिकता को स्थिर रखना जरूरी है। परिणाम भले न आएं लेकिन नेतृत्व के अपने तरीके और दृष्टिकोण को बदलने का कोई कारण नहीं है। बुमराह की कप्तानी को लेकर रोहित ने तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह खेल के प्रति गहरी समझ रखते हैं। वह दूसरों के लिए अपनी गेंदबाजी से उदाहरण पेश करते हैं। मैंने उन्हें 2013 में पहली बार देखा था और तब से उनके खेल और सोच में काफी विकास हुआ है। जिस तरह वह गेंदबाजी करते हैं, वह पूरी दुनिया देख रही है। उनके पास टीम को आगे रखने की बेहतरीन क्षमता है।

न्यूज ब्रीफ

शिवम दुबे के घर आई नन्हीं परी

मुम्बई। क्रिकेटर शिवम दुबे दूसरी बार पापा बने हैं। शिवम की पत्नी अंजुम खान ने एक बेटी को जन्म दिया है।शिवम ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिये सार्वजनिक की है। शिवम ने लिखा की उनके परिवार में एक नए सदस्य का आगमन हुआ है और अब उनका परिवार तीन से बढ़कर चार हो गया है। उनका पहले से ही एक बेटा है। बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे इस समय विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेल रहे हैं। शिवम ने साल 2021 में अंजुम से शादी की थी। शिवम ने बेटी के नाम का भी खुलासा किया है।उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह बेटे को गोद में लिए हुए नजर आ रहे हैं जबकि उनकी पत्नी अंजुम की गोदी में बेटी है। शिवम ने लिखा, ' बेटी हुई है। सभी लोगा मेहविश शिवम दुबे का स्वागत करें।'शिवम एक आक्रामक ऑलरांडर हैं। शिवम और अंजुम को फरवरी 2022 में बेटा हुआ था। शिवम इस समय विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने साल 2019 में टीम इंडिया के लिए टी20 और एकदिवसीय में डेब्यू किया था हालांकि अब तक उन्होंने केवल 4 एकदिवसीय मैच ही खेलें हैं। इस दौरान वह टी20 टीम का लगातार हिस्सा बने रहे. टी20 विश्व कप 2024 में भी वो भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे। वह बेटी के जन्म के कारण ग्रुप स्तर के दो मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे ।

भारतीय सेना में पदस्थ मुरादाबाद के बनवीर सिंह ने युवा चौंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

मुरादाबाद। भारतीय सेना में पदस्थ मुरादाबाद की कांठ तहसील क्षेत्र के गांव शेखूपुरा इंतजामअली खां निवासी फौजी बनवीर सिंह ने नेपाल में हुई दक्षिण एशियाई अंतरराष्ट्रीय युवा चैपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 2 व 3 जनवरी को नेपाल में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय युवा चैंपियनशिप में फौजी बनवीर सिंह ने डिसकस थ्रो में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने कोच रनदीप सिंह के साथ ही कर्नल सुधीर गुलिया को दिया है। इस प्रतियोगिता में जहां बनवीर सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है तो वहीं हरियाणा के खिलाड़ी ने द्वितीय और नेपाल के खिलाड़ी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद के चार खिलाड़ी चयनित

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी जूडो के अंतरराष्ट्रीय रैफरी संजय गिरि ने रविवार को बताया कि भारतीय जूडो महासंघ के तत्वावधान में 18 जनवरी से 25 जनवरी तक सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद के सब जूनियर खिलाड़ियों मनमीत सिंह व पार्थ कुमार और कैडेट टीम में आदित्य व वंश कुमार का चयन हुआ है। संजय गिरि ने आगे बताया कि सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप का आयोजन महाराष्ट्र में किया जा रहा है। इसमें प्रतिभाग करने के लिए यूपी जूडो एसोसिएशन ने रविवार को इंडियन पैरा जूडो एकेडमी में यूपी की सब जूनियर और कैडेट जूडो टीम का चयन किया। टीम में मुरादाबाद के सब जूनियर खिलाड़ियों मनमीत सिंह व पार्थ कुमार और कैडेट टीम में आदित्य व वंश कुमार भाग प्रतिभाग करेंगे।

विराट ने टी शर्ट उठाकर कहा, देखे लो मैंने अंदर कुछ नहीं छुपाया

सिडनी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में अपने खराब फार्म से निशाने पर होने के बाद भी स्थानीय दर्शकों को करारा जवाब देने में पीछे नहीं रहे। विराट ने मैच देखने आए ऑस्ट्रेलिया के समर्थकों को बताया कि आपकी टीम की तरह हम गेंद से छेड़खानी नहीं करते विराट यहां जसप्रीत बुमराह के बाहर होने के कारण कप्तानी संभाल रहे थे। इससे पहले मेलबर्न में युवा सैम कोस्टांस से टकराने पर दर्शकों ने विराट की जमकर हूटिंग की थी जिसका जवाब उन्होंने यहां दिया। विराट ने तीसरे दिन के खेल में ऑस्ट्रेलिया के प्रशंसकों को अपनी टी शर्ट उठाकर पेट खिसका कर दिखाया और इशारों में कहा देखे लो भाई मैंने अंदर कुछ नहीं छुपाया। मेरे पास आपकी टीम के खिलाड़ियों जैसे सैंड पेपर नहीं। इसके बाद उन्होंने गेंद को घिसने का इशारा कर सबको चुप करा दिया। गौरतब है कि साल 2018 में ऑस्ट्रेलियाई टीम के क्रिकेटर गेंद से छेड़छाड़ के मामले में फंसे थे। तब स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरून बेनक्राफ्ट ने बॉल को सैंड पेपर से घिस दिया था।

आप अपने शरीर से नहीं लड़ सकते, सिडनी टेस्ट में हार के बाद निराश बुमराह ने इंजरी पर की बात

सिडनी, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

सिडनी टेस्ट में भारतीय टीम की हार के साथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 सीरीज का समापन हो गया। पांच मैचों की सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से अपने नाम किया। इसी के साथ ऑस?ट्रेलिया ने 10 साल बाद बॉर्डर गावस?कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले जसप्रीत बुमराह को बैक स्पाज्म हुआ, जिसके बाद वह दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए मैदान पर नहीं आ सके। अब मैच गंवाने के बाद बुमराह ने अपनी इंजरी और टीम की हार पर बात की।

मैच के बाद बात करते हुए बुमराह ने कहा कि थोड़ा निराशाजनक है, लेकिन कभी-कभी आपको अपने शरीर का सम्मान करना पड़ता है, आप अपने शरीर से नहीं लड़ सकते। निराशाजनक, शायद सीरीज के सबसे स्पाइसी विकेट पर चूक गए। पहली पारी में अपने दूसरे स्पेल के दौरान थोड़ी असहजता महसूस हुई। बातचीत विश्वास के बारे में थी। बाकी गेंदबाजों ने पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन किया। एक गेंदबाज कम होने के कारण, बाकियों को जिम्मेदारी लेनी पड़ी। आज सुबह की बातचीत भी इसी बात पर थी, विश्वास रखने और चरित्र दिखाने के बारे में।बुमराह ने आगे सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा कि बहुत सारे अगर-मगर, पूरी सीरीज कड़ी टक्कर वाली थी। हम आज भी खेल में थे, ऐसा नहीं कि हम इससे बाहर थे, टेस्ट क्रिकेट ऐसे ही चलता है। लंबे समय तक खेल में बने रहना, दबाव बनाना, दबाव को झेलना और स्थिति के हिसाब से खेलना सभी महत्वपूर्ण है। आपको परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना होगा और ये सीख भविष्य में हमारी मदद करेगी।

युवा खिलाड़ियों पर बात करते हुए बुमराह ने कहा कि उन्होंने (युवाओं ने) बहुत अनुभव प्राप्त किया है, वे आगे और मजबूत होते जाएंगे। हमने दिखाया है कि हमारे समूह में बहुत प्रतिभा है। बहुत से युवा खिलाड़ी उत्सुक हैं। वे निराश हैं कि हम जीत नहीं सके, लेकिन वे इस अनुभव से सीख लेंगे। यह एक शानदार श्रृंखला थी, ऑस्ट्रेलिया को बधाई, वे वास्तव में अच्छी तरह से लड़े।

मुकाबले में टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 185 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रन पर समाप्त हुई थी। इससे भारतीय टीम को दूसरी पारी में चार रन की बढ़त मिली। फिर भारतीय टीम की दूसरी पारी 157 रन पर सिमट गई और कुल 161 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का लक्ष्य मिला। इसके बाद दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाकर मैच छह विकेट से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

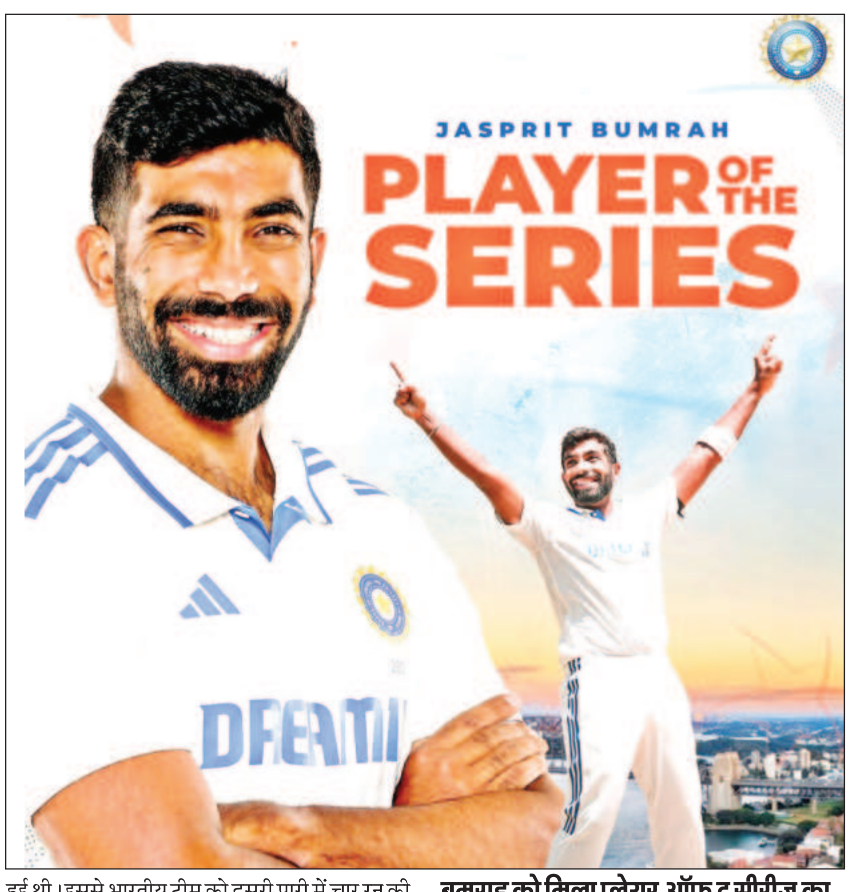

बुमराह को मिला प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड

भारतीय टीम ने भले ही यह सीरीज गंवा दी, लेकिन सीरीज का महत्वपूर्ण अवॉर्ड जसप्रीत बुमराह को मिला। वह सीरीज में गेंदबाजी से शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। बुमराह इस सीरीज में सबसे सफल गेंदबाज रहे।

ऋषभ को पहली पारी में रक्षात्मक खेलते देखकर हैरानी हुई : मैकडोनाल्ड

सिडनी, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज ऋषभ पंत को पहली पारी में रक्षात्मक अंदाज में खेलते हुए देखकर उन्हें हैरानी हुई थी। मैकडोनाल्ड के अनुसार दूसरी पारी में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भी वह परेशान नहीं हुए थे क्योंकि ये उनका स्वाभाविक अंदाज है। ऋषभ ने पहली पारी में 98 गेंदों में 40 रन बनाए थे। इस बल्लेबाज ने इस पारी के बाद कहा था कि मैच के हालातों को देखते हुए वह आक्रमण करने के लिए नहीं जा सकते थे। इस बल्लेबाज ने हालांकि दूसरी पारी में विपरीत अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मिचेल स्टार्क की लगातार गेंदों पर बड़े छक्के लगाये। उन्होंने स्कॉट बोलैंड और ब्यू वेबस्टर को भी जमकर पीटा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि कि ऋषभ दूसरी पारी की बल्लेबाजी को देखकर कोई हैरानी नहीं हुई पर हम पहली पारी में उनकी बल्लेबाजी से थोड़े हैरान थे। उसके पास गेंदबाजों पर दबाव बनाने की पर्याप्त क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में इस बल्लेबाज को 61 रन पर आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बना दिया था। मैकडोनाल्ड ने कहा कि हमने उसके खिलाफ योजना बनायी थी, हमने इस सीरीज के लिए उसके लिए योजना बनायी थी पर हम इस दौरान कई बार अपनी योजनाओं से भटक रहे थे और उसे बाउंड्री लगाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। यह एक ऐसी पारी थी जिसके बारे में आप कहेंगे कि यह उस समय के लिए सही थी। इस दौरे पर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली असफल रहे और नौ पारियों में 8 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर कैच हुए। इसी को देखते हुए ही उन्होंने विराट के ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने को कहा था। विराट इस सीरीज में चार बार स्कॉट बोलैंड का शिकार बने। उन्होंने कहा कि मैं कोहली के खिलाफ योजना को अमल में लाने का पूरा श्रेय गेंदबाजों को दूंगा।

जश्न मनाती हुई न्यूजीलैंड की टीम

वैलींगटन में न्यूजीलैंड की टीम श्रीलुंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय में जीत के बाद उत्साहित होकर जश्न मनाती हुई।

ये मेरी या आपकी नहीं बल्कि देश की टीम : गंभीर

सिडनी, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम ऑस्ट्रेलिया ने खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार पर निराशा जतायी है। मेजबान टीम ने सीरीज 3-1 से जीतकर एक दशक के बाद इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है। इसे को लेकर जब कोच गौतम गंभीर से कहा गया कि आपकी टीम हार गयी तो वे बोले कि ये मेरी या आपकी नहीं बल्कि भारतीय टीम है।

गंभीर ने मीडिया से कहा, देखिए ये ना मेरी टीम है और ना आपकी टीम है. ये हमारे देश की टीम है। इस टीम को आगे लेकर जाना ही हमारा एक मात्र लक्ष्य है। भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी ईमानदार हैं और मैं अपने को खुशकिस्मत मानता हूं जो ऐसी टीम के साथ काम कर रहा हूं।

खिलाड़ियों को पता है कि उनके अंदर जीत की कितनी भूख है और इससे टीम को कितना लाभ पहुंचने वाला है। वे भी टीम की भलाई के लिए कम करने हमेशा तैयार रहते हैं। कोच के तौर पर मेरा काम सबके साथ एक जैसा बर्ताव करना है। अगर मैं किसी एक दो खिलाड़ी के साथ अच्छा व्यवहार करता हूं और अन्य के साथ अलग तरह से व्यवहार करता हूं तो यह मेरे काम के साथ न्याय नहीं होगा।

कोच के तौर पर मेरा काम हर एक खिलाड़ी चाहे वो नया हो या सीनियर या

फिर वो जिसने अब तक भारत के लिए नहीं खेला के साथ समाना व्यवहार करना रहेगा। भारतीय टीम सीरीज के पहले मैच को छोड़कर अन्य सभी मैचों में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रही। उसके प्रमुख बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी सीरीज में रन नहीं बना पाये जिससे टीम के अन्य बल्लेबाजों पर भी दबाव रहा।

फिर आई युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक की खबरें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी, कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा, एक बार फिर अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिसके बाद तलाक की अफवाहें और तेज हो गईं। खबरों के मुताबिक, युजवेंद्र चहल ने धनश्री के साथ अपने सभी सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जबकि धनश्री ने चहल को अनफॉलो किया, लेकिन उनके साथ की तस्वीरें अभी भी उनके प्रोफाइल पर मौजूद हैं। चहल और धनश्री के करीबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों का तलाक लगभग तय है, और इस पर आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है। हालांकि, दोनों के बीच अलगाव के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। यह अफवाहें पहले भी 2023 में उठी थीं, जब धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम बायो से चहल उपनाम हटा दिया था और चहल ने एक गुप्त स्टोरी में लिखा था, नया जीवन लोड हो रहा है। हालांकि, चहल ने उस समय इन अफवाहों को खारिज करते हुए प्रशंसकों से ऐसी बातें न फैलाने की अपील की थी। धनश्री और युजवेंद्र ने 11 दिसंबर, 2020 को शादी की थी। दोनों की प्रेम कहानी उस समय चर्चा में आई थी, जब लॉकडाउन के दौरान चहल ने डांस सीखने की इच्छा जताई थी, और धनश्री के डांस वीडियो देखकर उनसे संपर्क किया। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने शादी कर ली। अब तलाक की अफवाहें एक बार फिर उनके प्रशंसकों को चौंका रही हैं। सभी को इस जोड़े के आधिकारिक बयान का इंतजार है, जो जल्द ही इस मामले पर स्थिति स्पष्ट कर सकते हैं।

साइम अयूब की टखने की चोट, चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने की आशंका

कराची, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज साइम अयूब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में टखने की चोट के कारण छह सप्ताह के लिए क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। इस चोट के कारण उन्हें आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने का खतरा हो सकता है। साइम ने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बाउंड्री पर फील्डिंग करते समय अपने दाहिने टखने में चोट लगा ली थी, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस चोट की पुष्टि की और बताया कि साइम का एमआरआई और अन्य परीक्षण किए गए हैं। चिकित्सकों ने उन्हें छह सप्ताह के आराम की सलाह दी है, जिसके कारण वह फरवरी में होने वाली क्रिकेट श्रृंखलाओं में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। यह चोट साइम के लिए काफी दुखदायी साबित हो सकती है, क्योंकि

उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें आगामी टूर्नामेंट्स में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद थी।

पीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि साइम के दाहिने टखने में फ्रैक्चर पाया गया है, जो ठीक होने में कम से कम छह सप्ताह का समय लेगा। इस चोट के कारण वह आगामी त्रिकोणीय सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे, जिसमें पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से भिड़ना है। इसके अलावा, वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट श्रृंखला और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे। साइम अयूब की चोट के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम में कुछ बदलाव हो सकते हैं। टेस्ट टीम में सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक और वनडे टीम में फखर जमां की वापसी हो सकती है। बाएं हाथ के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने करियर की शुरुआत से ही प्रभावित किया है और ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया है। इन दौरों पर उन्होंने तीन शतक भी लगाए थे।

सिडनी पिच पर गावस्कर का तंज, कहा- भारत में ऐसा होता तो हंगामा मच जाता

सिडनी। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे 5वें टेस्ट मैच में पिच को लेकर सवाल उठाए हैं। गावस्कर ने कहा कि इस पिच पर जो हालात हैं, उन्हें आदर्श टेस्ट पिच नहीं कहा जा सकता। उन्होंने चिंता जताई कि इस पिच पर पहले दिन 11 विकेट गिरे और दूसरे दिन 15 विकेट गिर गए, लेकिन इसके बारे में कोई सवाल नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या यह खेल भारत में हो रहा है अगर भारत में एक दिन में 15 विकेट गिरते, तो पूरे क्रिकेट जगत में हंगामा मच जाता। गावस्कर ने कहा, हम हमेशा विदेशी परिस्थितियों में खेलते हैं, लेकिन कभी कोई शिकायत नहीं करते। जब हम भारत में खेलते हैं, तो लोग हमारे पिचों पर सवाल उठाते हैं। क्या आपने कभी भारत के किसी पूर्व क्रिकेटर को पिच की शिकायत करते सुना है हम हारते हैं, तो हारते हैं, लेकिन विदेशों में घरेलू टीमों को हराना बहुत मुश्किल होता है। गावस्कर ने यह भी कहा कि पिच पर इतनी घास थी कि वह बिल्कुल आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं लग रही थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.